THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

डेटा संरक्षण कानून 2023 पर सरकार से जवाब तलब

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) अधिनियम, 2023 के कई प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया। पत्रकार नितिन सेठी द्वारा दायर याचिका में तर्क दिया गया है कि नई डेटा व्यवस्था सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम को गंभीर रूप से कमजोर करती है और केंद्र को व्यक्तिगत डेटा पर 'व्यापक शक्तियां' प्रदान करती है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की पीठ ने अधिनियम की कानूनी जटिलताओं की जांच करने पर सहमति जताते हुए, विवादित प्रावधानों पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया।

वर्ष-30 अंक : 322 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन अमावस्या, 2082 मंगलवार, 17 फरवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संधी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

दुनियाभर से आए लोगों का स्वागत : मोदी

> 300 से ज्यादा कंपनियां दिखा रहीं एडवांस गैजेट्स, खेती, पढ़ाई और सेहत पर फोकस

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। भारत में आज 16 फरवरी से दुनिया के सबसे बड़े टेक्नोलॉजी इवेंट में से एक 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका औपचारिक उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने इवेंट में शामिल हुए स्टार्टअप्स के पवेलियंस में जाकर उनके इनोवेशंस की जानकारी ली।

ये इवेंट 20 फरवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में चलेगा। समिट के साथ-साथ 'इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026' का भी आयोजन किया जा रहा है। यहां दुनियाभर की कंपनियां अपने लेटेस्ट एआई सॉल्यूशंस को दुनिया के सामने पेश करेंगे। यहां आम लोग देख सकेंगे कि एआई असल जिंदगी में कैसे काम करता है और

भविष्य में एआई से खेती, सेहत और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में क्या बदलाव लाने वाला है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि आज से दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया 'एआई इम्पैक्ट समिट' शुरू हो रही है। मैं इस समिट में हिस्सा लेने आए दुनिया भर के नेताओं, बड़े बिजनेसमैन, इनोवेटर्स, पॉलिसी बनाने वालों, रिसर्चर्स और टेक्नोलॉजी के जानकारों का दिल से स्वागत करता हूं। इस समिट की थीम 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' यानी 'सबका भला और सबकी खुशी' है। यह इंसानियत की तरक्की के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करने के हमारे साझा संकल्प को दिखाती है। ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन : ऑल्टमैन ने कहा कि अमेरिका के बाद भारत चैटजीपीटी का दूसरा सबसे बड़ा उपयोगकर्ता आधार है।

ऑल्टमैन ने यह भी कहा कि अन्य किसी भी देश की तुलना में भारत में चैटजीपीटी के छात्र उपयोगकर्ताओं की संख्या सबसे अधिक है। इंफो एज के फाउंडर और एग्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन संजीव बिखचंदानी : एआई नौकरियां खत्म नहीं कर रहा है, बल्कि काम करने की क्षमता (प्रोडक्टिविटी) को बढ़ा रहा है। >14

पूर्व टीडीबी सचिव से ईडी की पूछताछ

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। सबरीमाला सोने की चोरी की घटना से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोमवार को टीडीबी की पूर्व सचिव एस जयश्री ईडी के सामने पेश हुईं। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। यह जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) कर रही है। द्वारपाल (संरक्षक देवता) की थालियों से कथित रूप से गायब हुए सोने से संबंधित मामले में चौथी आरोपी जयश्री को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अंतरिम सुरक्षा प्रदान की गई। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज किए गए मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी उनका नाम आरोपी के रूप में दर्ज किया गया। उन्होंने आगे बताया कि केंद्रीय एजेंसी द्वारा जारी किए गए समन के बाद, जयश्री सुबह करीब 10 बजे यहां ईडी कार्यालय पहुंचीं। इससे पहले ईडी ने इस मामले के संबंध में एस श्रीकुमार और मुरारी बाबू सहित त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के अन्य अधिकारियों से भी पूछताछ की थी।

सबरीमाला में महिलाओं के साथ भेदभाव मामले में नौ जजों की पीठ गठित

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की 9-न्यायाधीशों की बेंच 7 अप्रैल से धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के भेदभाव के मामलों पर सुनवाई शुरू करेगी। इस मामले में प्रमुख रूप से केरल के सबरीमाला मंदिर से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि सभी पक्ष अपनी लिखित दलीलें 14 मार्च तक जमा करें। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वह सबरीमाला फैसले की समीक्षा का समर्थन करते हैं। बेंच में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली शामिल हैं। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ वकील परमेश्वर और शिवम सिंह को एमिकस क्यूरी के रूप में नियुक्त किया है, ताकि न्यायालय

को आवश्यक मार्गदर्शन और पक्षों की दलीलों का विश्लेषण प्रदान किया जा सके। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि सुनवाई 22 अप्रैल तक पूरी की जाएगी। सबरीमाला फैसले की समीक्षा का समर्थन करने वाले पक्षों के लिए कृष्ण कुमार सिंह को नोडल काउंसल नियुक्त किया गया है, जबकि फैसले का विरोध करने वालों के लिए शश्वती परी को नोडल काउंसल बनाया गया। यह मुद्दा इसलिए फिर सामने आया है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट सोमवार को 2018 के फैसले से जुड़े रिव्यू और रिट याचिकाओं पर विचार करने वाला है। उस फैसले में हर उम्र की महिलाओं को भगवान अयप्पा के मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई थी। >14

सुप्रीम कोर्ट बोला-शादी से पहले फिजिकल रिलेशन कैसे बना सकते हैं

हो सकता है हम पुराने ख्यालों के हों लेकिन लड़का-लड़की अजनबी, भरोसा नहीं करना चाहिए

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को रेप के आरोपों से जुड़े एक मामले में शादी से पहले फिजिकल रिलेशनशिप को लेकर हैरानी जताई।

जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने कहा कि हम यह नहीं समझ पाते कि एक लड़का और लड़की शादी से पहले शारीरिक संबंध कैसे बना सकते हैं। जस्टिस नागरत्ना ने कहा- हो सकता है

हम पुराने ख्यालों के हों लेकिन शादी से पहले लड़का और लड़की अजनबी होते हैं। आपको बहुत सावधान रहना चाहिए। शादी से पहले किसी पर भी भरोसा नहीं करना चाहिए। जस्टिस नागरत्ना के साथ जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच एक व्यक्ति की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिस पर एक महिला से शादी का वादा करके शारीरिक संबंध बनाने का आरोप है।

व्यक्ति पहले से शादी-शुदा था। बाद में उसने एक और महिला से दूसरी शादी की।

बज गया बिगुल! 5 राज्यों में चुनाव की तैयारी शुरू

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव आयोग सोमवार से इन राज्यों का दौरा करना शुरू कर रहा है। पहली विजिट असम से शुरू की जा रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में टीम सोमवार को गुवाहाटी लैंड करेगी। आयोग की यहां से वापसी 18 फरवरी को होगी। इसके बाद तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों का दौरा शुरू होगा।

मार्च में हो सकती है चुनावों की घोषणा :

इनमें चार राज्यों की विधानसभा का कार्य और पुडुचेरी का जून में खत्म हो रहा है। सबसे पहले 7 मई को बंगाल विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि पिछले साल बिहार में चुनावों की घोषणा 6 अक्टूबर 2025 को की गई थी। दो चरणों में हुए बिहार में चुनावी प्रक्रिया 16 नवंबर को खत्म हो गई थी। जबकि बिहार की विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर तक था। इसे देखते

हुए इन पांच राज्यों में भी मार्च के पहले सप्ताह के बाद ही चुनावों की घोषणा होने की उम्मीद है।

चुनावों की घोषणा से पहले दौरा क्यों अहम :

जब भी किसी राज्य में चुनाव कराए जाते हैं। उससे पहले चुनाव आयोग की टीम उस राज्य का दौरा करती है। इसका मकसद वहां कानून-व्यवस्था से लेकर शांतिपूर्वक चुनावी प्रक्रिया पूरी कराने के लिए तैयारियों का जायजा लेना होता है। इसमें तमाम राजनीतिक दलों, पुलिस-प्रशासन और अन्य संबंधित तमाम स्टेक होल्डरों के साथ मीटिंग करना शामिल होता है। इसमें संवेदनशील और अतिसंवेदनशील बूथों की संख्या भी पता की जाती है कि वह कितनी बढ़ी या कम हुई हैं। इसके अलावा मतदान के लिए कितने पोलिंग बूथ होने चाहिए ताकि मतदाताओं को वोट देने के लिए अधिक दूर ना जाना पड़े। इन तमाम चीजों का ध्यान रखते हुए यह विजिट की जाती है।

होगी राजनीतिक दलों से मीटिंग :

सूत्रों ने बताया कि चुनाव आयोग गुवाहाटी पहुंचकर यहां के तमाम राजनीतिक दलों से मीटिंग करेगा। दलों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर उनका फीडबैक लेगा। आयोग असम के चीफ सेक्रेटरी और डीजीपी समेत असम के सभी जिलों के डीएम और एसपी के साथ अन्य आला अधिकारियों के साथ मीटिंग करेगा।

'वो कठपुतली है, जयराम रमेश का तोता है'

मणिशंकर अय्यर ने पवन खेड़ा को घेरा, बढ़ा विवाद

> पवन खेड़ा को प्रवक्ता बनाकर कोई पार्टी कितनी मूर्ख हो सकती है। कांग्रेस में लाखों लोग हैं, जो उनसे बेहतर प्रवक्ता बन सकते हैं। ये तो बस एक कठपुतली है, जयराम रमेश जो कहते हैं वही बोलता है। एक ही बात दोहराता रहता है, ये प्रवक्ता नहीं तोता है।
>
> - मणिशंकर अय्यर, पूर्व केंद्रीय मंत्री

तिरुवनंतपुरम, 16 फरवरी (एजेंसियां)। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन की तारीफ करने और फिर से सीएम बनने का दावा करके कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर अपनी ही पार्टी के निशाने पर आ चुके हैं।

तिरुवनंतपुरम में रविवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम विजयन की मौजूदगी उन्होंने कहा कि पिनरई विजयन केरल के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उनके इस बयान के बाद सियासी भूचाल आ गया, जिसके बाद पार्टी नेताओं ने उनके इस बयान की आलोचना की। अय्यर के बयान के बाद कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा और महासचिव व संचार प्रभारी जयराम रमेश की प्रतिक्रिया आई। जिस पर अब मणिशंकर अय्यर ने तीखा पलटवार किया है। कांग्रेस नेता अय्यर ने पवन खेड़ा को आड़े हाथों लेते हुए उनको कठपुतली करार दिया, साथ ही कहा कि वो पार्टी के अधिकृत प्रवक्ता नहीं हैं। उन्होंने दो टूक पवन खेड़ा को एक 'कठपुतली' बताया, जो पार्टी महासचिव जयराम रमेश के कहे अनुसार ही काम करता है।

'ये तो बस एक कठपुतली है', पवन खेड़ा पर पलटवार :

मणिशंकर अय्यर ने कहा कि पवन खेड़ा प्रवक्ता नहीं बल्कि एक तोता है। राष्ट्रीय स्तर पर वामपंथी दलों के साथ कांग्रेस के गठबंधन पर बात करते हुए अय्यर ने कहा कि पवन खेड़ा से बेहतर उम्मीदवार कांग्रेस प्रवक्ता के पद के लिए मौजूद रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि आप पवन खेड़ा को संदेश भेजें। उन्होंने दिल्ली में एमए बेबी के साथ गठबंधन किया है और यहां पिनरई विजयन के साथ मेरे गठबंधन से उन्हें परेशानी हो रही है। ये किस तरह के कांग्रेसी हैं? सबसे बड़ी बात पवन खेड़ा को प्रवक्ता बनाकर कोई पार्टी कितनी मूर्ख हो सकती है? कांग्रेस में लाखों लोग हैं, जो उनसे बेहतर प्रवक्ता बन सकते हैं। ये तो बस एक कठपुतली है, जयराम रमेश जो कहते हैं वही बोलता है।

एक ही बात दोहराता रहता है, ये प्रवक्ता नहीं, तोता है। इतना ही नहीं मणिशंकर अय्यर ने खुद को कांग्रेस पार्टी का सदस्य बताते हुए कहा कि अगर पवन खेड़ा उन्हें पार्टी से निकाल देते हैं, तो वे खुशी-खुशी पार्टी छोड़ देंगे। अय्यर ने कहा, मैं कांग्रेस पार्टी में हूं, मैंने इसे नहीं छोड़ा है। अगर पवन खेड़ा मुझे निकालने वाले हैं, तो मैं खुशी-खुशी बाहर जाकर पार्टी छोड़ने के बाद उनकी पिटाई करूंगा।

दिल्ली पुलिस के 79वें स्थापना दिवस परेड में शामिल हुए केंद्रीय गृह मंत्री

> नए आपराधिक कानूनों को बताया उपलब्धि

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली पुलिस के 79वें स्थापना दिवस परेड में समारोह में पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा आने वाले समय में देश में तीन नए आपराधिक कानून लागू हो जाएंगे। इससे देश में आपराधिक मामलों में सजा की दर 80 प्रतिशत बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा माओवादी हिंसा के खिलाफ लड़ाई अपने आखिरी दौर में है और इस वर्ष मार्च तक यह खतरा हमेशा के लिए खत्म होने का भरोसा जताया। गृह मंत्री ने तीन नए आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) का जिक्र भी किया। इन सभी ने 1 जुलाई 2024 को आईपीसी, सीआरपीसी और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह ली।

गृह मंत्री ने स्पेशल सेल के लिए एक इंटीग्रेटेड हेडक्वार्टर और सेफ सिटी प्रोजेक्ट का पहले फेज की भी शुरूआत की। उन्होंने कहा कि सेफ सिटी प्रोजेक्ट के पहले फेज़ के तहत, 10,000 एआई आधारित सीसीटीवी कैमरों में से 2,100 को निगरानी नेटवर्क से जोड़ा गया है। साथ ही, पहले से मौजूद 15,000 सीसीटीवी कैमरों को भी इसके साथ जोड़ गया है।

पाकिस्तान पर पड़ेगी बड़ी मार

रावी के अतिरिक्त जल पर ब्रेक शाहपुर कंडी डैम लगभग तैयार

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। सिंधु जल समझौता रुकने की सजा पाकिस्तान अब भुगतने वाला है। जल्द ही रावी नदी का अतिरिक्त पानी पाकिस्तान में जाना पूरी तरह से बंद हो जाएगा। शाहपुर कंडी डैम बनकर लगभग तैयार है, जिसके शुरू होने के साथ ही पाकिस्तान की दशकों से चली आ रही मौज वाली स्थिति रुक जाएगी। भारत ने 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम आतंकवादी हमले के फौरन बाद 1960 की सिंधु जल संधि पर रोक लगा दी थी, जिसकी असर अब दिखने लगी है।

रावी का अतिरिक्त पानी नहीं जाएगा

जम्मू और कश्मीर के जल संसाधन मंत्री जावेद अहमद राणा ने कहा है कि पंजाब सीमा पर बन रहा शाहपुर कुंडी डैम 31 मार्च, 2026 तक तैयार हो जाएगा। इसके साथ ही रावी का अतिरिक्त पानी पाकिस्तान की ओर जाना पूरी तरह से बंद हो जाएगा। राणा के मुताबिक, हां, पाकिस्तान की ओर अतिरिक्त पानी (रावी नदी का)

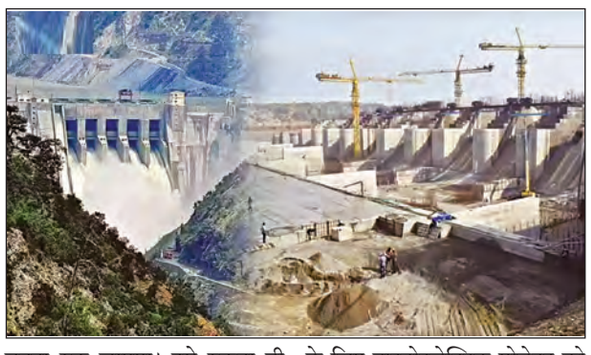

बहना रुक जाएगा। इसे रुकना ही है। मंत्री ने एक टीवी चैनल के सवाल के जवाब में यह कहा है।जावेद अहमद राणा का कहना है कि कठुआ और सांबा जिले सूखा-प्रभावित क्षेत्र हैं, और यह प्रोजेक्ट हमारी प्राथमिकता है, जिसका कांडी इलाके में निर्माण हो रहा है। शाहपुर कंडी बैराज एक नेशनल प्रोजेक्ट है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दखल से इसे चार साल बाद संशोधित किया गया। पीएम मोदी ने जम्मू क्षेत्र में नदियों के पानी के भरपूर इस्तेमाल के लिए हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को बहुत ज्यादा गति दी है। पहलगाम की बैसरन घाटी में आतंकवादी हमले के बाद भारत ने जम्मू और कश्मीर में चिनाब नदी पर बन चल रही चार पनविद्युत परियोजनाओं में भी काफी प्रगति दर्ज की है। ये सारे प्रोजेक्ट साल 2027-28 तक तैयार होने वाले हैं। 6 दिसंबर, 2018 को पीएम मोदी की अगुवाई में उनकी कैबिनेट ने शाहपुर कंडी प्रोजेक्ट के लिए 485.38 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता मंजूर की थी।

'हमें 5 साल में वो करना है, जो दूसरे देश 20 साल में करते हैं'

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि देश एडवांस्ड मीडियम कॉम्बेट एयरक्राफ्ट यानी एमका के डिजाइन और डेवलपमेंट की ओर तेजी से बढ़ रहा है। पूर्व में भी एयरो इंजन के क्षेत्र में महारथ हासिल करने के कई प्रयास किए हैं। अब समय आ गया है कि हमारे जो प्रयास अधूरे रह गए थें, उनको हम पूरा करें। रक्षा मंत्री सोमवार को गैस टरबाइन रिसर्च स्टेब्लिशमेंट बेंगलुरू में विशेषज्ञों के बीच बोल रहे थे।

रक्षामंत्री ने विशेषज्ञों व शोधकर्ताओं से कहा, अगर किसी इंजन को विकसित करने में 25 साल लग रहे हैं, तो भारत की मौजूदा स्थिति, हमारी रणनीतिक जरूरत और हमारी महत्वाकांक्षा ऐसी हैं कि आप मानकर चलिए कि आपके 20 साल पहले ही खत्म हो चुके हैं और अब सिर्फ 5 साल ही आपके पास बचे हैं। यह कोई अचरज वाली बात नहीं है, यह एक चुनौती है। हमें 5 साल में वो कर दिखाना है, जो दूसरे देश 20 साल में करते हैं। इसी में हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। उन्होंने कहा कि हमें भविष्य की तरफ भी देखना होगा। हम सिर्फ 5वीं पीढ़ी के इंजन तक सीमित नहीं रह सकते। छठी पीढ़ी की एडवांस टेक्नोलॉजी का विकास भी हमें जल्द से जल्द शुरू करना होगा। उस पर रिसर्च, समय की मांग है। जैसे-जैसे दुनिया में टेक्नोलॉजी बदल रही है, आर्टिफिशियल मशीन लर्निंग और न्यू मटीरियल का प्रयोग बढ़ रहा है, हमें उनमें आगे रहना होगा। उन्होंने यहां मौजूद वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं से कहा कि आप इंग्लैंड के साथ एयरो इंजन विकसित करने के लिए संयुक्त अध्ययन कर रहे हैं। यह बहुत अच्छी पहल है। इसके अलावा, फ्रांस के साथ भी, एयरो इंजन के लिए, हम नेशनल एयरो इंजन मिशन के तहत प्रक्रिया शुरू कर चुके हैं।

अबू सलेम को नहीं मिली राहत

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 1993 मुंबई बम धमाकों के आरोपी और कुख्यात गैंगस्टर अबू सलेम की उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है, जिसमें उसने खुद को तुरंत रिहा करने की मांग की थी। सलेम का दावा है कि वह 25 साल की सजा पूरी कर चुका है और पिछले 10 महीनों से उसे गैर-कानूनी हिरासत में रखा गया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सलेम के वकील से कहा कि वे इस मामले को बॉम्बे हाई कोर्ट में ही उठाएं। बेंच ने साफ किया कि हाई कोर्ट ने अभी सिर्फ अंतरिम राहत देने से मना किया है, इसलिए सलेम को वहीं जाकर अपनी अंतिम बहस पूरी करनी चाहिए। सलेम ने बॉम्बे हाई कोर्ट के जुलाई 2025 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कोर्ट ने कहा था कि प्रथम दृष्टया में उसकी 25 साल की सजा अभी पूरी नहीं हुई है।

भारत में बनेगी हैमर मिसाइल-राफेल का अचूक हथियार

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और फ्रांस के बीच हैमर मिसाइल का निर्माण भारत में करने के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। हैमर मिसाइल को भारत में संयुक्त रूप से बनाने के लिए दोनों देशों में यह समझौता एआई इम्पैक्ट समिट के लिए भारत आ रहे फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के तीन दिवसीय के आधिकारिक यात्रा पर होने की संभावना है। भारत, फ्रांस से 114 अतिरिक्त राफेल खरीदने की भी डील कर रहा है, इस पर वजह से हैमर मिसाइल को भारत में ही बनाने की अहमियत बढ़ गई है। इसके लिए भारत इलेक्ट्रोनिक्स ने फ्रांस की सफ्रान (सफरान) के साथ एक साझा कंपनी बनाई है।

हैमर मिसाइल क्या है :

हैमर मिसाइल का इस्तेमाल राफेल फाइटर जेट में किया जा रहा है। अंग्रेजी में हैमर का अर्थ है- हाइली ऐजल मॉड्यूलर म्यूनिशन

एक्सटेंडेड रेंज या अत्यधिक फुर्तिला मॉड्यूलर युद्ध-सामग्री विस्तारित रेंज। अभी तक यह फ्रांस से आयात किया जा रहा है, लेकिन नए समझौते के साकार होने के बाद यह भारत में ही बनने लगेगी। भारत में बनने से भारतीय वायु सेना को इसकी तेजी से डिलिवरी मिल सकती है और यह मेक इन इंडिया अभियान के लिए भी उपयुक्त है।

हथौड़े की तरह काम करती है :

हैमर का आइडिया हथौड़े से हमले होने वाले हमले से जुड़ा है, जिसके वार से सतह को सपाट किया जा सकता है। मतलब हैमर की डिजाइन ही टारगेट को पूरी तरह से तबाह करने के लिए की गई, जिसके बाद वहां कुछ न बच सके। यह एक स्मार्ट प्रिसिजन गाइडेड बम है, जो हवा से जमीन पर बहुत ही सूक्ष्म और सटीक हमले के लिए डिजाइन की गई है।

हैमर मिसाइल की रेंज क्या है :

हैमर मिसाइल की हमले की रेंज मोटे तौर पर 60 से 70 किलो मीटर है। इसे पहाड़ी क्षेत्रों में दुश्मन के ठिकानों को बर्बाद करने के लिए बहुत ज्यादा प्रभावशाली माना जाता है। दुश्मन के बहुत ही मजबूत सुरक्षा वाले बंकरों के लिए तो यह काल का काम करती है। 2007 में पहली बार पेरिस एयर शो में इसे सार्वजनिक किया गया, तब इसका नाम आस्म था। लेकिन, 2011 में इसे हैमर नाम दिया गया। यह मध्यम रेंज की हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है।

क्यों अचूक मानी जाती है हैमर

हैमर मिसाइल मारो और भूल जाओ वाली सोच पर काम करती है। मतलब, एक बार टारगेट लॉक होने और मिसाइल लॉन्च हो जाने के बाद इसे आगे गाइड करने की जरूत नहीं। 124 से 1,000 किलो की यह मिसाइल स्थिर और चलते हुए दोनों तरहों के टारगेट को निशाना बना सकती है और इसमें जो एडवांस नैविगेशन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हुआ है, इसकी वजह से इसके चूकने की आशंका लगभग खत्म हो जाती है।

गुजरात के 32 स्कूलों में बम की धमकी

ईमेल में लिखा-बस को उड़ा देंगे, हिंदुस्तान टुकड़ों में बंट जाएगा; पैरेंट्स बच्चे लेकर लौटे

अहमदाबाद, 16 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के 32 स्कूलों में ईमेल के जरिए बम की धमकी दी गई है। वडोदरा के 17 और अहमदाबाद के 15 स्कूल शामिल हैं। ईमेल में लिखा गया कि गुजरात खालिस्तान बन जाएगा, हिंदुस्तान टुकड़ों में बंट जाएगा। जानकारी सामने आते ही पैरेंट्स तुरंत स्कूल पहुंचे और बच्चों को वापस ले आए। बम निरोधक दस्ते ने स्कूलों में तलाशी शुरू कर दी है। फिलहाल स्कूलों को खाली करा लिया गया है और वाहनों व स्कूल परिसरों की जांच की जा रही है। एहतियात के तौर पर वडोदरा के उर्मी स्कूल के छात्रावास को भी खाली करा लिया गया है। वडोदरा पुलिस कमिश्नर नरसिम्हा कुमार ने बताया कि टीचर्स और स्टूडेंट को स्कूलों से घर भेज दिया गया है। 9 स्कूलों पर जांच पूरी हो चुकी है, बाकी जगह जारी है। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। पूरे मामले की जांच की जाएगी।

रिजिजू बोले-राहुल को संसद चलाने में रुचि नहीं

> एनजीओ ने सिखाया-कांग्रेस के अच्छे दिन आएंगे

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक बार फिर एनजीओ का हवाला देते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को घेरा है। रिजिजू ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता संसद के सुचारू संचालन में रुचि नहीं रखते। इतना ही नहीं रिजिजू ने अपने बयान में कहा कि कुछ गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) ने उन्हें सिखाया है कि उनकी पार्टी के लिए 'अच्छे दिन' आएंगे और इसीलिए वे सदन को बाधित कर रहे हैं।

किरेन रिजिजू ने यह भी कहा कि सरकार संसद में स्थिति को शांत करने के लिए कांग्रेस को लेकर कोई और अतिरिक्त कदम नहीं उठाने जा रही है, क्योंकि उन्होंने सदन के सुचारू रूप से चलने के लिए 'कई प्रयास' किए थे, लेकिन वे व्यर्थ रहे। न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में किरेन रिजिजू ने संसद में चले गतिरोध और राहुल गांधी को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी को सदन चलाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्हें सिर्फ मुद्दे बनाने में दिलचस्पी है। कुछ गैर सरकारी संगठनों ने राहुल गांधी को सिखाया है कि तुम्हारा समय आएगा, लेकिन उनका समय नहीं आएगा। अगले चुनावों में लोकसभा में उनकी सीटों की संख्या और भी कम हो जाएगी।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस हताश है, क्योंकि पार्टी लगातार चुनाव हार रही है। वे स्थिति को बदलने के लिए बेताब हैं। अरुणाचल पश्चिम स्थित अपने लोकसभा क्षेत्र के दौरे पर गए रिजिजू ने कहा कि एनडीए को विपक्ष के सदन को बाधित करने से कोई समस्या नहीं है, क्योंकि उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल और कुछ अन्य लोगों से बात करने सहित स्थिति को शांत करने के कई प्रयास किए थे। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि संसद में छोटी पार्टियों द्वारा कांग्रेस पर सदन को बाधित न करने का दबाव था।

'सारा विपक्ष कांग्रेस के साथ नहीं'

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि संसद में छोटी पार्टियों की तरफ से कांग्रेस पर दबाव था कि वह सदन में रुकावट न डाले, क्योंकि इससे उन्हें बोलने का समय नहीं मिलता। उन्होंने कहा, 'सारा विपक्ष कांग्रेस के साथ नहीं है। छोटी पार्टियां अपनी-अपनी पार्टी के समय का इस्तेमाल नहीं कर पा रही हैं। छोटी पार्टियां राहुल गांधी से नाखुश हैं। उनमें से कुछ ने तो स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव पर साइन भी नहीं किया।

संसद में दिखा भारी गतिरोध

रिजिजू ने कहा कि अन्य राजनीतिक दलों के कुछ सदस्य उनसे लगातार कह रहे थे कि वे चाहते हैं कि सदन का कामकाज जारी रहे। बता दें कि लोकसभा में बजट सत्र के पहले भाग के अधिकांश दिनों में व्यवधान और स्थगन देखने को मिले, जब अध्यक्ष ने गांधी को पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के 'अप्रकाशित संस्मरण' के अंशों पर आधारित एक लेख का हवाला देने से रोक दिया, जिसमें 2020 के भारत-चीन संघर्ष का जिक्र है।

संसद का सत्र 9 मार्च को फिर होगा शुरू

सदन में अनुशासनहीन व्यवहार के लिए विपक्ष के आठ सदस्यों को बजट सत्र के शेष समय के लिए निलंबित कर दिया गया है। वहीं विपक्ष ने स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव भी पेश किया और उन्हें पद से हटाने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने ₹स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण₹ तरीके से काम किया है। अब संसद का सत्र 9 मार्च को फिर से शुरू होगा और 2 अप्रैल को समाप्त होगा।

बंगाल में एईआरओ अफसरों के निलंबन पर सियासी घमासान

भाजपा-टीएमसी आमने सामने-लगाए एक दूसरे पर आरोप

कोलकाता, 16 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने एक फैसले से सियासी हलचल तेज हो गई है। मामले में आयोग ने सात असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स (एईआरओ) को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इन अधिकारियों पर वोटर लिस्ट सुधारने के काम में लापरवाही और अपनी शक्तियों के गलत इस्तेमाल का आरोप है। भाजपा के वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी ने इस फैसले को ऐतिहासिक बताया है।

क्या बोले भाजपा नेता?

सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि यह पहली बार है जब चुनाव आयोग ने सीधे सजा देने के अपने कानूनी अधिकार का इस्तेमाल किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार ने इन अधिकारियों को गलत काम करने के लिए उकसाया था। अधिकारी ने चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकार ने इन लोगों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की, तो आयोग के पास इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का भी अधिकार है।

भाजपा नेता ने अधिकारियों पर लगाए आरोप

भाजपा नेता के मुताबिक, इन अधिकारियों ने वेरिफिकेशन के दौरान फर्जी स्कूल सर्टिफिकेट, पैन कार्ड और नोटरी वाले हलफनामे स्वीकार किए। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बड़े नेताओं के दबाव और मुख्य सचिव के इशारे पर फर्जी वोटरों के नाम जोड़ने के लिए यह सब किया गया। सुवेंदु ने यह भी कहा कि बंगाल में चुनाव आयोग से जुड़ी फाइलें मुख्य सचिव के दफ्तर के बजाय मुख्यमंत्री के पास भेजी जाती हैं, जो तय करती हैं कि क्या करना है। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों में ऐसा नहीं होता और प्रधानमंत्री भी चुनाव के दौरान ऐसा हस्तक्षेप नहीं करते।

प्रियांक खरगे ने आरएसएस को बताया शैतान और भाजपा को उसकी छाया

बंगलूरू, 16 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। राज्य सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर तीखा हमला बोलते हुए उसे शैतान करार दिया और भारतीय जनता पार्टी को उसकी छाया बताया। उन्होंने संगठन की फंडिंग, कानूनी स्थिति और संवैधानिक जवाबदेही पर सवाल खड़े करते हुए वित्तीय अनियमितताओं के आरोप भी लगाए।

भाजपा उसकी छाया, असली मुकाबला आरएसएस से

एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि आरएसएस के बिना भाजपा का अस्तित्व कमजोर पड़ जाता। उन्होंने कहा अगर आरएसएस नहीं होता, तो भाजपा की स्थिति और खराब होती। हम आज शैतान की छाया से लड़ रहे हैं। शैतान कौन है? आरएसएस। उसकी छाया कौन है? भाजपा। अगर हम छाया से नहीं, असली स्रोत से लड़ें, तो देश अपने आप बेहतर होगा।

फंडिंग पर भी उठाए सवाल

उन्होंने यह भी कहा कि जब आरएसएस से उसके धन के स्रोत के बारे में पूछा जाता है, तो गुरु दक्षिणा का हवाला दिया जाता है। खरगे ने दावा किया कि अपनी जानकारी के अनुसार गुरु दक्षिणा को ध्वज से जोड़ा जाता है। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि यदि कोई अन्य व्यक्ति भी अपना झंडा लगाकर चंदा इकट्ठा करे, तो क्या सरकार और आरएसएस उसे स्वीकार करेंगे? मंत्री ने कहा कि बिना ठोस जवाब दिए कोई भी संस्था जवाबदेही से नहीं बच सकती। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक आरएसएस संविधान और कानून के तहत पंजीकृत नहीं हो जाता, तब तक वे यह मुद्दा उठाते रहेंगे। धार्मिक और सामाजिक मुद्दों पर भी टिप्पणी करते हुए खरगे ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण का स्वरूप अलग है, जबकि वर्तमान समय में धर्म की व्याख्या अलग तरीके से की जा रही है। उनके अनुसार, धर्म के नाम पर हिंसा को बढ़ावा देना उचित नहीं है।

मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप, फंडिंग पर सवाल

खरगे ने आरोप लगाया कि आरएसएस का 2,500 से अधिक संगठनों का नेटवर्क है, जिनमें अमेरिका और इंग्लैंड जैसे देशों में सक्रिय इकाइयां भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि संगठन की फंडिंग के स्रोतों की पारदर्शिता पर सवाल उठना चाहिए। जब आम नागरिकों और संस्थाओं को टैक्स देना पड़ता है और हर लेन-देन का हिसाब देना होता है, तो आरएसएस क्यों अलग है? पत्रकारों से बातचीत में खरगे ने कहा कि आरएसएस एक अपंजीकृत संगठन है और यह स्पष्ट होना चाहिए कि क्या वह खुद को कानून और संविधान से ऊपर मानता है।

तमिलनाडु चुनाव : भाजपा का दावा-चुनाव से पहले डीएमके-कांग्रेस गठबंधन में दरार

महिलाओं को 5000 रुपये योजना चुनावी स्टंट

चेन्नई, 16 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु की सियासत में 2026 विधानसभा चुनाव से पहले बयानबाजी तेज हो गई है। राज्य भाजपा ने सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) और उसकी सहयोगी कांग्रेस के बीच गंभीर मतभेद होने का दावा किया है। तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता ए.एन.एस. प्रसाद ने आरोप लगाया कि सीट बंटवारे और सत्ता में हिस्सेदारी को लेकर दोनों दलों के बीच खींचतान चल रही है। उनका कहना है कि कांग्रेस के कुछ नेताओं ने 45 विधानसभा सीटों और सरकार में भागीदारी की मांग की है, जिससे गठबंधन में तनाव बढ़ा है। प्रसाद ने यह भी दावा किया कि मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन पर कांग्रेस नेतृत्व, खासकर राहुल गांधी का दबाव है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं के हालिया बयानों को गठबंधन में कमजोरी का संकेत बताया।

5,000 रुपये योजना पर भी निशाना

भाजपा प्रवक्ता ने राज्य सरकार द्वारा 'कलाईनार मगलिर उरिमई थोगई' योजना के तहत महिला लाभार्थियों को एकमुश्त 5,000 रुपये देने की घोषणा को भी निशाने पर लिया। उन्होंने इसे चुनावी हथकंडा करार दिया और आरोप लगाया कि यह कदम मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए उठाया गया है।

एनडीए की मजबूती का दावा

प्रसाद ने दावा किया कि तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) लगातार मजबूत हो रहा है। इस गठबंधन में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके), भाजपा, पीएमके और अन्य क्षेत्रीय दल शामिल हैं। उन्होंने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चेंगलपट्टू-मदुरंतकम में हुई जनसभा का उल्लेख करते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार से केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय संभव है। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि डीएमके, एआईएडीएमके को दिल्ली के अधीन बताकर ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है, जबकि राज्य में कर्ज बढ़ने और अधूरे वादों जैसे मुद्दे अभी भी अनसुलझे हैं।

कांग्रेस ने की 45 सीटों की मांग

कांग्रेस नेताओं का तर्क है कि गठबंधन की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बावजूद, पार्टी 1967 के बाद से तमिलनाडु में सत्ता में नहीं रही है।

4 दिनों के भीतर 8वीं क्लास के दो बच्चों ने किया सुसाइड

बुलढाणा, 16 फरवरी (एजेंसियां)। यह अक्सर देखा जाता है कि माता-पिता की डांट-फटकार से परेशान होकर बच्चे कभी-कभी गलत रास्ता अपनाने लगते हैं, जिससे उनके परिवार को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है. महाराष्ट्र के बुलढाणा से ऐसा ही एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. यहां एक ही स्कूल की आठवीं कक्षा के दो छात्रों ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली. फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि उन्होंने ऐसा कदम क्यों उठाया है. महाराष्ट्र के बुलढाणा में भारत विद्यालय के 14 साल का छात्र नमन अरुण राउत ने कथित तौर पर 11 फरवरी को अपने घर पर आत्महत्या कर ली. कुछ ही दिनों बाद, 14 फरवरी को उसके दोस्त अथर्व वैभव राणे, जो उसी स्कूल में पढ़ते थे, ने भी कथित रूप से आत्महत्या कर ली. नमन अरुण राउत के माता-पिता शिक्षक हैं, जबकि अथर्व वैभव राणे के पिता पुलिसकर्मी हैं।

लालू और राबड़ी ने आरोपों को मानने से किया इनकार

बोले-हम मुकदमा लड़ेंगे

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। 'लैंड फॉर जॉब' घोटाले के मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई, जिसमें लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी भी पेश हुए। इस दौरान लालू यादव व्हीलचेयर पर कोर्ट पहुंचे, वहीं उनकी सांसद बेटी मीसा भारती भी उनके साथ मौजूद रहीं। कोर्ट ने दोनों की स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए उन्हें व्यक्तिगत पेशी से स्थायी छूट प्रदान कर दी है, जिससे उन्हें अब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में उपस्थित होना होगा।

कोर्ट रूम के भीतर, न्यायाधीश द्वारा औपचारिक रूप से आरोपों की जानकारी दिए जाने के बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या वे आरोप स्वीकार करते हैं, तो लालू प्रसाद यादव ने कहा, 'आरोप मंजूर नहीं, हम मुकदमे का सामना करेंगे।' लालू और राबड़ी के वकीलों ने कोर्ट को जानकारी दी कि दोनों की सेहत ठीक नहीं रहती है। इस दलील को अदालत ने स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने स्वास्थ्य कारणों से दोनों को व्यक्तिगत पेशी से स्थायी छूट दे दी है। अब वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश हो सकेंगे, जब तक कि विशेष रूप से व्यक्तिगत उपस्थिति का आदेश न दिया जाए।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग केस

बहादुरगढ़ एसटीएफ व मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किए चार आरोपी

बहादुरगढ़, 16 फरवरी (एजेंसियां)। एसटीएफ यूनिट बहादुरगढ़ ने मुंबई पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाकर फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग व रंगदारी मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रितिक यादव निवासी बहाबीजौली जिला आगरा, दीपक निवासी सेक्टर-45 सादरपुर नोएडा, सनी निवासी बहाबीजौली आगरा और सोनू निवासी बहाबीजौली आगरा के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार यह मामला डीसीबी सीआईडी मुंबई में दर्ज केस नंबर 19/2026 से संबंधित है, जिसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 109, एमपीए की धारा 37(1), 37(2) और आर्म्स एक्ट की धाराएं लगाई गई हैं। आरोपियों से एक मोबाइल फोन व बाइक बरामद की गई है। जांच में सामने आया है कि 31 जनवरी 2026 की रात आरोपियों ने कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग के इशारे पर फिल्म निर्माता के घर पर रंगदारी के लिए फायरिंग की थी। इस वारदात के बाद मुंबई पुलिस की एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

संयुक्त ऑपरेशन के बाद गिरफ्तार आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए मुंबई पुलिस की एंटी एक्सटॉर्शन सेल के इंचार्ज निरीक्षक सुनील पवार की टीम को सौंप दिया गया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर गैंग के अन्य सदस्यों व साजिश से जुड़े लोगों की तलाश कर रही है। बहादुरगढ़ एसटीएफ के प्रभारी इंस्पेक्टर राकेश कुमार ने बताया कि इस कार्रवाई से रंगदारी और गैंगवार से जुड़े अपराधों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों रितिक यादव, दीपक, सनी और सोनू पर फिलहाल एक-एक केस दर्ज है। सभी के खिलाफ एफआईआर नंबर 19/2026 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109, एमपीए की धारा 37(1), 37(2) तथा 3, 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह केस डीसीबी सीआईडी मुंबई में दर्ज है।

खबरें जरा हटके

यहां लगी है घुटनों पर बैठे पति-पत्नी की मूर्ति, बेइंतहा नफरत करते हैं लोग, आते-जाते मारते हैं थप्पड़!

यूं तो दुनिया में सैकड़ों लोगों की मूर्तियां चौक-चौराहों पर लगी हैं, जिन्हें बहुत सम्मान दिया जाता है, फू ल - मा ला पहनाए जाते हैं. पर क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक कपल की ऐसी भी मूर्ति है, जिसका सम्मान करना तो दूर, लोग उसके ऊपर थूकते हैं, उसे थप्पड़ और लात-घूंसे मारते हैं. ये पति-पत्नी घुटनों के बल बैठे दिखाए गए हैं और उनका सिर नीचे झुका है. इन दोनों को देश का सबसे ज्यादा नफरत किये जाने वाले लोग माना जाता है. क्या आप जानते हैं कि आखिर उन्होंने ऐसा क्या किया जो उनके साथ ऐसा हश्र हो रहा है? चलिए हम आपको बताते हैं.

ऑडिटी सेंट्रल न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार चीन के हांग्जू शहर में दो मूर्तियां हैं, जिनका इतिहास 500 साल पुराना है. ये मूर्तियां क्विन हुई और उनकी बीवी की है. क्विन हुई, 12वीं सदी में चीन के सॉन्ग साम्राज्य में एक बड़े पद पर आसीन अधिकारी थे. उनकी और उनकी बीवी की मूर्तियां एक महान और निडर जनरल, हुई फी के मकबरे के सामने लगाई गई है. वो मकबरा इतना भव्य है कि देखने लायक है. मूर्ति ऐसे बनाई गई है कि क्विन हुई और उनकी बीवी घुटनों के बल मकबरे के सामने बैठे हैं और सिर शर्म से नीचे झुका हुआ है. उनकी ये मूर्ति दंड और शर्म को दर्शाती है. यूं तो क्विन हुई का नाम इतिहास में चर्चित है क्योंकि उन्होंने जिन नाम के एक दूसरे साम्राज्य से संधी करवाई थी, पर उन्हें बुरा इस वजह से माना जाता है क्योंकि उन्होंने जनरल हुई फी को ऐसे आरोपों में फंसाया, जिसे उन्होंने अंजाम ही नहीं दिया था. उनके झूठे आरोपों की वजह से जनरल को पहले जेल में डाला गया और फिर मौत दे दी गई. मौत के बाद जनरल हुई फी चीन में शहीद बन गए, लोग उन्हें नम आंखों से याद करते हैं. वो लोगों के हीरो हैं क्योंकि उन्होंने चीन की रक्षा दुश्मनों से की थी. पर दूसरी ओर क्विन हुई को चीन का सबसे ज्यादा नफरत किया जाने वाला व्यक्ति माना गया. हर दिन हजारों लोग जो वहां से गुजरते हैं, वो मूर्तियों पर थूकते हैं, थप्पड़ मारते हैं और जूते मारते हैं.

दिमाग है या कंप्यूटर, देश की सबसे जीनियस बच्ची!

2 साल की उम्र में 2 रिकॉर्ड, 50 मिनट में रच दिया यह कीर्तिमान

बिहार के गयाजी की 23 महीने की छोटी बच्ची सतीक्षा आदर्शी कंप्यूटर से कम नहीं है. इस दो साल की बच्ची ने 330 आइटम्स की पहचान कर विश्व रिकॉर्ड बनाकर सबको हैरान कर दिया है. इनका नाम वर्ल्डवाइड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और कलाम वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो चुका है. इस उम्र में यह कारनामा हासिल करना अपने आप में एक असंभव से लगता है. गया जिले के पंतनगर मोहल्ले की रहने वाली सतीक्षा आदर्शी का जन्म 2 मार्च 2024 को हुआ था. वर्तमान में उसकी उम्र महज 23 महीने है, लेकिन 18 महीने की उम्र में ही वह देश की सबसे छोटी जीनियस के रूप में पहचानी जाने लगी. बिहार के गयाजी की 23 महीने की छोटी बच्ची सतीक्षा आदर्शी कंप्यूटर से कम नहीं है. इतनी कम उम्र में सतीक्षा ने 330 आइटम्स की पहचान कर विश्व रिकॉर्ड बनाकर सबको हैरान कर दिया है. इनका नाम वर्ल्डवाइड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और कलाम वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो चुका है. सतीक्षा की असाधारण याददाश्त और ऑब्जर्वेशन स्किल ने परिवार और समाज को चकित कर दिया है. सतीक्षा ने मात्र 50 मिनट में 330 विभिन्न वस्तुओं, जानवरों, फलों, सब्जियों और अन्य चीजों की सटीक पहचान की.

इन चीजों पर है कमांड

सतीक्षा को न केवल वर्ल्डवाइड, बल्कि कलाम वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी नाम दर्ज है. यहां उन्होंने 500 काड्र्स में से 410 आइटम्स की पहचान की. इसमें 53 देशों के झंडे, 25 अक्षर, 19 पेशे, 26 विश्व के अजूबे, 26 जानवर और उनके बच्चे, 27 फ्रीडम फाइटर्स, विभिन्न रंग-आकार, ट्रांसपोर्ट, पक्षी, आविष्कार, सब्जियां, फूल और कई अन्य श्रेणियां शामिल हैं. कुछ काड्र्स ऐसी थी जिनकी पहचान उसकी मां ने कभी नहीं कराई थी, फिर भी वह बिना हिचकिचाहट के सही बता देती थी.

नाम 'विधायक', कीमत 15 करोड़! बेगूसराय के एक्सपो में इस भैंसे ने लूटी महफिल

अजब गजब स्टोरी में आज ऐसे भैंसा की कहानी बता रहे हैं. जिसके नाम सुनकर इसे देखने के लिए लोगो की भीड़ लग जाती है. दावा है कि इसकी कीमत 15 करोड़ है. नाम है विधायक. दरअसल, बिहार डेयरी एंड कैटल एक्सपो बेगूसराय में कई दिनों तक आयोजित रहा. इस दौरान एक खास मेहमान ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया. हरियाणा से आया चर्चित 'विधायक' भैंसा मेले का सबसे बड़ा आकर्षण बन गया है. 15 करोड़ रुपए की कमाई की चर्चा ने पूरे परिसर में उत्सुकता बढ़ा दी है. दूर-दूर से लोग सिर्फ इस भैंसे को देखने और उसके साथ फोटो खिंचवाने पहुंच रहे हैं. मेले में पहुंचे अमन कुमार गौतम ने बताया कि उन्होंने सुना था कि यह भैंसा 15 करोड़ रुपए का है. इसलिए वे इसे देखने आए हैं. हालांकि भैंसे के मालिक ने इस लड़के को बातचीत में स्पष्ट किया कि 15 करोड़ इसकी कीमत नहीं. बल्कि इसके सीमेन बेचकर की गई कुल कमाई है. हालांकि लोकल 18 के कैमरे पर कुछ भी कहने से इसके मालिक ने इंकार कर दिया, लेकिन चर्चा ने इसे सुर्खियों में ला दिया है. बातचीत में 'विधायक' भैंसे के निजी डॉ .अनिल सिंह ने बताया कि फिलहाल उसे हल्का बुखार है. इसलिए विशेष देखभाल की जा रही है. उन्होंने कहा कि यह बेहतरीन मुर्रा ब्रीड का भैंसा है. इसकी मां रोज 24 लीटर से ज्यादा दूध देती थी, जो इसकी जेनेटिक क्वालिटी को दर्शाता है. मजबूत कद-काठी, चमकदार काला शरीर और शानदार बनावट इसे अलग पहचान देते हैं.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 17 फरवरी, 2026 3

युविचार

विकल्प बहुत है बिखरने के लिए,
संकल्प एक ही काफी है संवरने के लिए!

लंबित धनराशि को समयबद्ध तरीके से हासिल करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार : सीएस

रामकृष्ण राव का सौ दिन की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रामकृष्णा राव ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि केंद्र सरकार से प्राप्त होने वाले लंबित धनराशि को समयबद्ध तरीके से हासिल करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। सोमवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में विभिन्न विभागों के सचिवों और प्रमुख सचिवों के साथ आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत राज्य को मिलने वाली बकाया राशि मार्च माह के अंत तक प्राप्त करने के लिए योजनाबद्ध प्रयास किए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से एसएनए फंड, 15वें वित्त आयोग अनुदान तथा अन्य केंद्रीय योजनाओं के अंतर्गत लंबित लगभग 15 हजार करोड़ रुपये की राशि पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए। पंचायत राज, ग्रामीण विकास, नगर प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जनजातीय कल्याण विभागों से संबंधित इन निधियों के समन्वय के लिए दिल्ली में एक विशेष अधिकारी की नियुक्ति करने का सुझाव भी दिया गया। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार 2 और 3 मार्च से 2 जून तक राज्यभर में विकास कार्यों के क्रियान्वयन हेतु विभागवार 100 दिन की कार्ययोजना (100 डेज एक्शन प्लान) तैयार करने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने विशेष रूप से ग्रामीण विकास, नगर प्रशासन,

स्वास्थ्य और शिक्षा विभागों में इस योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हाल ही में ग्राम पंचायत और नगर निकाय चुनाव संपन्न हुए हैं।

ऐसे में नव-निर्वाचित वार्ड सदस्य, सरपंच, पार्षद और कॉरपोरेटरों को विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षित और जागरूक करने में यह 100 दिन की योजना सहायक होगी। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान, सड़कों की मरम्मत, आगामी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए पेयजल संकट से निपटने की तैयारी तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। आगामी कैबिनेट बैठक के लिए प्रस्ताव अगले दिन तक प्रस्तुत करने को भी कहा गया। बैठक में विशेष मुख्य सचिव विकास राज, सी.वी. आनंद, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव शेषाद्रि, प्रमुख सचिव संदीप सुल्तानिया, अहमद नदीम, एन. श्रीधर, योगिता राणा, सचिव क्रिस्टीना चोंग्थु, टीके श्रीदेवी, स्टीफन रवींद्र सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अरविंद ने असंवैधानिक गठजोड़ पर जताया रोष

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद सांसद धर्मापुरी अरविंद ने कांग्रेस, बीआरएस और एमआईएम द्वारा नगर निगम मेयर और उप-मेजर चुनावों में भाजपा को कमजोर करने के लिए गठित असंवैधानिक गठजोड़ पर नाराज़गी व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि इन तीनों दलों ने अपनी विचारधाराओं को किनारे रखकर भाजपा को नुकसान पहुंचाने हेतु आपत्तिजनक गठजोड़ किया। चुनाव के बाद मीडिया से बातचीत में अरविंद ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी और रेवत रेड्डी सरकार की निंदा की। उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी क्यों कलवाकुंटला परिवार की रक्षा कर रहे हैं, जिस पर फोन टैपिंग और फॉर्मूला-ई कार रेसिंग जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। उन्होंने कांग्रेस वाहनों में बीआरएस पार्टी के उम्मीदवारों को लाने के पीछे के रहस्य पर भी सवाल उठाया और पूछा कि एमआईएम पार्टी ने कांग्रेस का समर्थन क्यों किया। अरविंद ने आरोप लगाया कि कुछ पुलिस अधिकारी इस चुनाव प्रक्रिया में सत्ताधारी दल के लोगों की तरह कार्य कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि बीआरएस उम्मीदवार को कांग्रेस वैन में लाने में पुलिस की भूमिका स्पष्ट रूप से दिखी। सांसद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार ने भाजपा की स्रावंति रेड्डी के खिलाफ केवल तीन वोट के संकीर्ण अंतर से जीत हासिल की। उन्होंने आरोप लगाया कि एमआईएम उम्मीदवार की भाजपा उम्मीदवार बंतु रामु पर जीत के पीछे भी कांग्रेस की रणनीति काम कर रही थी।

मैनेज ने पांच दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम शुरू किया

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन मैनेजमेंट (मैनेज) ने श्रीराम फार्म सॉल्यूशंस (एसएफएस) के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) 'लीड एनएक्सटी : लीडरशिप बियॉन्ड टूडे' का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को बदलते कृषि-व्यवसाय परिदृश्य के अनुरूप उन्नत नेतृत्व और रणनीतिक प्रबंधन कौशल प्रदान करना है। निदेशक (एबीएम) एवं पाठ्यक्रम निदेशक डॉ.एम. श्रीकांत ने उद्घाटन संबोधन में प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण कंपनी की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनाए रखने में सहायक होगा। एसएफएस के कार्यकारी निदेशक एवं बिजनेस हेड संजय छाबड़ा ने बताया कि 125 प्रबंधकों में से 20 उच्च क्षमता वाले अधिकारियों का चयन वैज्ञानिक प्रक्रिया के तहत किया गया है। उन्होंने प्रतिभागियों से अपने पेशेवर विकास की जिम्मेदारी स्वयं लेने और सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। एसएफएस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट महादेव सुवर्णा ने कहा कि डिजिटल परिवर्तन के दौर में प्राप्त ज्ञान को जमीनी स्तर पर लागू करना आवश्यक है। मुख्य भाषण में महानिदेशक, मैनेज डॉ. सागर हनुमान सिंह ने कहा कि यह चयन प्रक्रिया रक्षा सेवाओं की तरह कठोर और योग्यता आधारित है। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे इस अवसर का उपयोग अपने व्यक्तिगत विकास और कंपनी की दीर्घकालिक प्रगति के लिए करें।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, SITA DEVI, M/O: NB SUB CHAMAN LAL, R/o: KALOH, BHATER, BAMSON, HAMIRPUR, HIMACHAL PRADESH - 177022 have changed my name from SITA DEVI to SARITA DEVI and my DOB is 04-02-1971 vide Affidavit dt.16-02-2026.

I, MAHAVEER KUMAR R/o 15-1-52, Flat.No.207, Feelkhana, Begumbazar, Hyd changed my name MAHAVEER KUMAR D (as per X class) to MAHAVEER KUMAR and my wife name MAMTA to MAMTA JAIN (as per aadhar and passport)

I, JC 777210M, Sub, Dhan Singh, R/o, Dist: Rudraprayag, Uttrakhand, changed my Daughter's name from Kumari Suman to Suman Negi, vide Affidavit No.284685 dt. 16.02.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 773438L, Sub, Peddi Chakra Dora, R/o, Dist : Kakinada, Andhra Pradesh, changed my Son's name from Peddi to Peddi Ramarao, vide Affidavit No.284683 dt. 16.02.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 773438L, Sub, Peddi Chakra Dora, R/o, Dist: Kakinada, Andhra Pradesh, changed my Daughter's name from Peddi Surya Chandra to Peddi Surya Chandrakala vide Affidavit No. 284684 dt. 16.02.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

भारत निर्वाचन आयोग का वार्षिक खेल सप्ताह 2026 का शुभारंभ

नई दिल्ली/हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने वर्ष 2026 के वार्षिक खेल सप्ताह का आज नई दिल्ली स्थित कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शुभारंभ किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उद्घाटन समारोह में भाग लेते हुए कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। अपने संबोधन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि खेलों को परिभाषित करने वाले मूल्य पारदर्शिता, निष्पक्षता और न्यायप्रियता ही चुनावी प्रक्रिया की भी आधारशिला हैं। उन्होंने सप्ताह भर चलने वाले खेल आयोजनों में सभी प्रतिभागियों से उत्साहपूर्वक भाग लेने का आह्वान किया। उद्घाटन के बाद ज्ञानेश कुमार ने 'रन फॉर डेमोक्रेसी' थीम के तहत महिलाओं की 100 मीटर दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस वर्ष खेल सप्ताह की थीम 'मैदान में सामरस्य- लोकतंत्र में शक्ति' निर्धारित की गई है। निर्वाचन आयोग मनोरंजन क्लब के तत्वावधान में आयोजित इस खेल सप्ताह में कुल 383 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें 72 महिलाएं शामिल हैं। प्रतियोगिताएं शतरंज, कैरम, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, क्रिकेट, फुटबॉल और एथलेटिक्स (100, 200, 400 और 800 मीटर दौड़) सहित सात खेलों की 43 स्पर्धाओं में आयोजित की जाएंगी।

पहले कहावत थी, देख सपाई-बेटियां घबराई

आज नाइट शिफ्ट में कर रहीं काम : योगी

> कानून व्यवस्था का मतलब रूल ऑफ लॉ है। यूपी फियर (भय) जोन से फेथ जोन में बदल गया है।
>
> - योगी आदित्यनाथ, सीएम उत्तरप्रदेश

लखनऊ, 16 फरवरी (एजेंसियां)। सीएम ने कहा कि आज प्रदेश में बेहतर एयर कनेक्टिवटी है। प्रदेश में 16 डोमेस्टिक एयरपोर्ट, 4 इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं। पांचवा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर में बनकर तैयार है। इसी महीने हम कोशिश करेंगे कि वह शुरू हो। प्रदेश में शिक्षा की बेहतर व्यवस्था है। टाटा टेक्नालॉजी के साथ मिलकर आईटीआई पर काम हुआ है। जब टीम वर्क होता है, तब परिणाम आता है।

पहले की सरकारों का विकास परिवारवादी था

सीएम ने कहा कि पहली की सरकारों का विकास परिवारवादी था। जेपीएनआईसी का उदाहरण देते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। कहा कि 800 करोड़ खर्च हो गए वह फिर अधूरा है। हमने जेपी के जन्मभूमि पर अस्पताल बनवाया।1400 करोड़ खर्च हो गए, फिर भी गोमती रिवर फ्रंट का प्रोजक्ट अधूरा है, यह महज 300 करोड़ का प्रोजेक्ट था। सरकार ने अपने कार्यकाल में अराजकता फैलाई। इसीलिए युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हुआ। किसान सुसाइड के लिए मजबूर हुआ। आज जल, थल, नभ तीनों यूपी के अंदर देखने को मिलता है। यूपी में पहली रैपिड रेल का उद्घाटन 22 फरवरी को होगा। आज यूपी में सुरक्षा का बेहतरीन वातावरण है। मेरठ से दिल्ली सिर्फ 45 मिनट में तय होता है। आज 22 एक्सप्रेसवे वाला राज्य यूपी है। इनमें 7 क्रियाशील हो चुके हैं और 5 निर्माणाधीन हैं। 10 पर हम काम कर रहे हैं।

सात लाख से अधिक आवास उपलब्ध कराए

सीएम योगी ने कहा कि हमने सात लाख से अधिक आवास उपलब्ध कराए। 2017 से पहले राशन वितरण की खूब शिकायतें थीं। आज कोई शिकायत नहीं है, क्योंकि टेक्नालॉजी का उपयोग किया गया। 6 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे। किसी भी सेक्टर में यदि यूपी के युवा को मौका मिला, तो उसने अपनी अलग छाप छोड़ी। डाटा आज की सबसे बड़ी ताकत है। एआई देश का मर्चिंग सेक्टर है। इसके लिए बजट में व्यवस्था की गई है। उन्होंने आगे कहा कि हर युवा उद्यमी बन सके, 'सीएम युवा उद्यमी' स्कीम से काम चल रहा है। हर साल एक लाख युवा उद्यमी बन सकें, इसके लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

ईवी के पहली यूनिट लखनऊ में स्थापित हुई है। 20 हजार से अधिक स्टार्ट अप यूपी में चल रहे हैं। प्रदेश में बेरोजगारी की दर 2.24 फीसदी तक आ गई है। हर गांव में खेल का मैदान हो, इसके लिए भी प्रयासरत हैं। इलेक्ट्रिक व्हीकल के बाजार में यूपी की धमक है। खरीदे जा रहे वाहनों 19 फीसदी हिस्सा यूपी का है। तिपहिया वाहनों में 40 फीसदी से अधिक यूपी का हिस्सा है।

सीएम ने आगे कहा आज ओडीओपी के माध्यम से उत्पादकों को बाजार से जोड़ा। 96 लाख एमएसएमई यूनिट में 96 लाख युवाओं के लिए रोजगार का रास्ता खुला। जो सरकार अपने हस्तशिल्पियों का सम्मान नहीं करती, उसका सपा जैसा हाल होगा। निवेश की पहली शर्त सुरक्षा, दूसरी सुविधा और तीसरी शर्त पालिसी बनाकर उसका क्रियान्वयन करना है।

यूपी शहरी पुनर्विकास नीति लागू

25 वर्ष से ज्यादा पुराने भवनों को मिलेगी नई जिंदगी

रोजगार के अवसर खुलेंगे

लखनऊ, 16 फरवरी (एजेंसियां)। तेजी से बढ़ते शहरीकरण और पुराने हो चुके ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट्स की जर्जर स्थिति को देखते हुए योगी सरकार ने 'उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति-2026' लागू कर दी है। इस नीति का मकसद 25 वर्ष या उससे अधिक पुराने भवनों को सुरक्षित, आधुनिक और सुविधायुक्त रूप में पुनर्विकसित करना है, ताकि लोगों को बेहतर और सुरक्षित आवास मिल सके। कैबिनेट की मंजूरी के बाद शहरी एवं नियोजन विभाग द्वारा अब इस संबंध में शासनादेश भी जारी कर दिया गया है। सरकार की यह नीति न सिर्फ पुराने और असुरक्षित भवनों को नया जीवन देगी, बल्कि निर्माण, रियल एस्टेट और संबंधित क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगी।

कोर्ट को फिर बम से उड़ाने की धमकी

ई-मेल में आईएसआई का जिक्र; तीन दिन में दूसरा धमकी भरा मेल

लखनऊ, 16 फरवरी (एजेंसियां)। लखनऊ कोर्ट में ई-मेल से सोमवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली। जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया। पुलिस, डॉग और बम स्क्वॉड पहुंची। कोर्ट परिसर में सघन चेकिंग अभियान शुरू किया। कोई संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति नहीं मिला है। इससे पहले शुक्रवार को भी कोर्ट परिसर में चेकिंग की गई थी।

तीन दिन पहले भी आई थी मेल

तीन दिन पहले भी लखनऊ समेत 18 जिलों में एक ई-मेल से दहशत फैल गई थी। धमकी भरा मैसेज लखनऊ में जिला जज को ई-मेल से भेजा गया था। मैसेज मिलने के बाद फौरन कचहरी को खाली करा लिया गया। बम निरोधक दस्ते के बाद पुलिस टीम ने कचहरी में छानबीन की। हालांकि, वहां कोई बम नहीं मिला। धमकी भेजने वाले ने लिखा था कि शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद दोपहर दो बजे कचहरी में धमाका किया जाएगा। अगर बचा सकते हो तो बचा लो। इस मामले की जानकारी वजीरगंज पुलिस को दी गई। इसके बाद खुफिया एजेंसियां अलर्ट हो गईं। बड़ी संख्या में पुलिस बल कचहरी पहुंची। इसके बाद अधिवक्ताओं को कचहरी खाली करने के लिए कहा गया। कचहरी से न्यायाधीश भी बाहर निकल गए। काफी देर तक छानबीन के बाद पता चला कि किसी ने शरारत की है। इसकी वजह से कोर्ट का काम भी प्रभावित हुआ। कचहरी के सभी गेटों पर सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए गए। इस मामले में कोर्ट नाजिर ने वजीरगंज थाने में ईमेल भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

अखिलेश यादव बोले-भाजपा की एक गुप्त बैठक हुई थी

जिसमें तय हुआ कि सपा का वोट कैसे कटवाना है

लखनऊ, 16 फरवरी (एजेंसियां)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा, विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान भाजपा पीडीए और खासकर अल्पसंख्यकों के वोट कटवाने की साजिश कर रही है। फॉर्म-7 के जरिये भाजपा वोटों की चोरी कर रही है। आयोग कार्रवाई नहीं कर रहा है।

भाजपा सरकार वोट काटकर चुनाव जीतना चाहती है। सपा प्रमुख का दावा है कि बीजेपी की एक गुप्त बैठक में यह तय किया गया था कि हर विधानसभा में वोट कटवाए जाएंगे। उन्होंने कन्नौज का जिक्र करते हुए कहा कि वहां के एक नेता ने भी बयान दिया था कि ज्यादा पढ़ा-लिखा कभी-कभी गलती कर देता है। भाजपा को ये बात पता है कि इस बार यूपी का चुनाव वो जीत नहीं रहे हैं। इसलिए वो ऐसे हरकत कर रहे हैं। कैसे सामने वाला का वोट काटें। लेकिन जनता सब जानती है। हर बात का जवाब देगी। हम भी शांत नहीं रहेंगे। वोट में घोटाला होने नहीं देंगे।

सकलडीहा विधानसभा में फॉर्म 7 के 16 आवेदन जमा किए गए। वहीं बाबागंज विधानसभा के बूथ नंबर 365 पर फर्जी हस्ताक्षर कर फॉर्म 7 भरकर करीब 100 वोट कटवा दिए गए। हमारे एक बीएलए का भी वोट कटवा दिया गया। यह सीधी साजिश है, जिसमें असली वोटरों के नाम हटाने की कोशिश हो रही है।

हमारे नगर अध्यक्ष का काम कटवा दिया

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि औरैया नगर अध्यक्ष का नाम भी मतदाता सूची से हटा दिया गया। इतना ही नहीं, बलिया के सिकंदरपुर से सपा विधायक की पत्नी का नाम भी कटवा दिया गया। हमारे ही वोटर से नगर अध्यक्ष का काम कटवा दिया गया। यह सब विपक्ष को उलझाए रखने की रणनीति है। अयोध्या का उदाहरण देते हुए कहा कि एक बूथ पर 181 नोटिस जारी हुए, जिनमें से 76 प्रतिशत पीडीए समाज को मिले। 46 प्रतिशत नोटिस यादव और मुस्लिम समुदाय के लोगों को दिए गए। अयोध्या में सपा ने 47 फॉर्म 7 भरे, जबकि बीजेपी ने करीब एक हजार आवेदन दिए।

भाजपा ने एक करोड़ वोट बढ़वाए

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अभी तक जिस एसआईआर से पूरा देश परेशान था अब उससे भाजपा के लोग परेशान हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक करोड़ वोट बढ़वाया है। ऐसे लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।अखिलेश यादव प्रदेश में एसआईआर के बाद राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गई कच्ची मतदाता सूची पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि वोट बढ़ाने का बीजेपी के लोग दवाब बनाएंगे क्योंकि उनका वोट कट गया है। उन्होंने फर्जी वोट बनाए थे।

इसका मतलब फर्जी वोट डाले गए हैं और सबसे ज्यादा वोट बीजेपी के बूथों पर निकले हैं। जिस एसआईआर से ये पूरे देश को परेशान कर रहे थे मैं उत्तर प्रदेश की जनता का धन्यवाद करना चाहता हूं आज एसआईआर से बीजेपी परेशान है और इसलिए गुपचुप बैठक कर रहे हैं।

अभिनेत्री अमीषा पटेल के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी

समन के बाद भी कोर्ट में नहीं हुई हाजिर

मुरादाबाद, 16 फरवरी (एजेंसियां)। फिल्म अभिनेत्री अमीषा पटेल के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। वह समन भेजने के बावजूद कोर्ट में हाजिर नहीं हो रही थी।

अभिनेत्री पर 2017 में शादी समारोह में कार्यक्रम के नाम पर 14.50 लाख रुपये लेने के बाद भी नहीं आने का आरोप है। आयोजक पवन वर्मा ने कोर्ट में मुकदमा दाखिल किया था। डबल फाटक निवासी एक इवेंट कंपनी के मालिक पवन वर्मा ने बताया कि 16 नवंबर 2017 को आयुष अग्रवाल की शादी में अमीषा पटेल को बुलाया गया था। उन्होंने 14.50 लाख रुपये का अग्रिम भुगतान किया था। शहर के दिल्ली रोड होलीडे रीजेंसी होटल में ठहरने और भोजन की व्यवस्था भी की थी। फिर भी अभिनेत्री अमीषा पटेल मुंबई से मुरादाबाद नहीं पहुंचीं। बातचीत करने पर उन्होंने पूरी राशि वापस करने का वादा किया था। इस बीच अभिनेत्री की तरफ से 10 लाख रुपये नकद और 4.50 लाख रुपये का चेक दिया गया लेकिन यह बाउंस हो गया था। इस मामले में पवन वर्मा ने कोर्ट में मुकदमा दायर किया। इस मामले में अतिरिक्त सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कोर्ट ने अमीषा पटेल को उपस्थित होने के लिए कई बार समन भेजा था लेकिन वह हाजिर नहीं हुई।

केमिकल फैक्ट्री में लगी भीषण आग, 35 लोग झुलसे

फरीदाबाद, 16 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे हरियाणा के फरीदाबाद जिले से बड़ी खबर है। जिले के मुजेसर थाना क्षेत्र के सेक्टर 24 में सोमवार शाम को एक केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस हादसे में दो पुलिसकर्मी समेत 35 से अधिक कर्मचारी झुलस गए। सभी घायलों में से 12 को बीके अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि बाकी 23 को नजदीक के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से दो की हालत गंभी बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, यह घटना सोमवार शाम चार बजे के बाद की है। बताया गया है कि फैक्ट्री में मेटल शीट कटिंग का काम होता है।

कानपुर में हत्या और सुसाइड

रिटायर्ड फौजी ने खेला खूनी खेल, पत्नी-बेटे की हत्या कर ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

कानपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। कानपुर में सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र के तुलसियापुर गांव नई बस्ती में सोमवार सुबह रिटायर्ड फौजी ने पत्नी और बेटे की दोनाली बंदूक से गोली मारकर हत्या करने के बाद रेलवे ट्रैक में कटकर जान दे दी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। तुलसियपुर नई बस्ती निवासी फौजी चेतराम कुमार (52) ने मकान के अंदर पत्नी सुनीता (40) और बेटे दीप (16) को लाइसेंसी दोनाली बंदूक से गोली मारकर हत्या कर दी। घटना करने के बाद मेनगेट में बाहर से ताला बंदकर करीब दो किलोमीटर दूर कठोगर गांव के पास भाऊ पुर रेलवे ट्रैक में जाकर ट्रेन से कटकर जान दे दी।

रेलवे ट्रैक पर युवक के शव मिलने की सूचना पर पुलिस शिनाख्त के लिए घर पहुंची। वहां पहुंचने पर घर के अंदर पत्नी और बेटे के शव मिलने से दोहरे हत्याकांड की जानकारी हुई। इसके बाद पुलिस ने फारेंसिक टीम बुलाकर घटनास्थल की जांच पड़ताल कर मौके से साक्ष्य इकठ्ठा किए।

सात साल के बच्चे से पड़ोसी युवक ने किया दुष्कर्म

मिलक, 16 फरवरी (एजेंसियां)। मिलक में एक सात वर्षीय बच्चे की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। वह गांव के बाहर बेहोशी की हालत में मिला था। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके पिता ने गांव निवासी युवक पर बच्चे के साथ कुकर्म और मारपीट करने का आरोप लगाया है।

घटना शनिवार की देर शाम क्षेत्र के उदयपुर जहांगीर की है। गांव निवासी एक व्यक्ति रात 10 बजे अपने सात वर्षीय पुत्र को लेकर नगर के सामुदायिक अस्पताल पहुंचा। जहां डॉक्टर ने बच्चे को देखते ही मृत घोषित कर दिया। बालक के पिता ने बताया कि उनका बेटा अपने घर के आगे सड़क पर खेल रहा था। तभी गांव निवासी एक युवक उसे बहला-फुसलाकर गांव के निकट जंगल में ले गया और उसे नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ मारपीट और कुकर्म किया। शाम छह बजे जब कुछ ग्रामीणों ने उसे देखा तो वह बेहोश अवस्था में पड़ा था।

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना : 25 लाख महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपये

> सीएम ने ट्रांसफर किए 2,500 करोड़

पटना, 16 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 1, अणे मार्ग स्थित संकल्प सभागार से 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत 25 लाख लाभुक महिलाओं के खाते में 10,000 रुपये प्रति महिला की दर से 2,500 करोड़ रुपये का अंतरण किया। इसके पूर्व 1 करोड़ 56 लाख महिलाओं के खाते में 15,600 करोड़ रुपये पहले ही अंतरित किए जा चुके हैं। अब कुल 1 करोड़ 81 लाख महिलाओं के खाते में 18,100 करोड़ रुपये की राशि पहुंचाई जा चुकी है।

मुख्यमंत्री का संदेश और लाभार्थियों का अभिनंदन

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बड़ी संख्या में जुड़ीं सभी महिला लाभार्थियों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। बहुत खुशी की बात है कि आज 'महिला रोजगार योजना' के तहत 25 लाख महिलाओं को दस-दस हजार रुपये की सहायता राशि भेजी जा रही है। कुल मिलाकर 1 करोड़ 81 लाख महिलाओं को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस योजना से कई महिलाओं ने अपनी पसंद का रोजगार शुरू किया है। जो महिलाएं अपना रोजगार अच्छे से करेंगी, उन्हें आगे 2 लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जो परिवार बचे हैं, उन्हें भी जल्द ही सहायता राशि दी जाएगी।

महिला सशक्तिकरण पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि शुरू से ही महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया गया है। पहले बिहार में स्वयं सहायता समूह की संख्या बहुत कम थी। वर्ष 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर राज्य में स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया जिसे 'जीविका' नाम दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10,000 रुपये की राशि महिलाओं को अपना रोजगार शुरू करने में मदद करेगी। इससे परिवार खुशहाल होगा और बिहार का विकास तेजी से होगा। महिलाओं में आत्मविश्वास देखकर उन्हें बहुत खुशी होती है।

सात निश्चय-3 और योजनाओं का विवरण

अगले 5 वर्षों (2025-2030) में विकास की गति को तेज करने के लिए 'सात निश्चय-3' का गठन किया गया है। इसके अंतर्गत पहले निश्चय 'दोगुना रोजगार-दोगुनी आय' के तहत राज्य की प्रति व्यक्ति औसत आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए हर परिवार की एक महिला को 10,000 रुपये तक की सहायता दी जा रही है। राज्य सरकार द्वारा 26 सितंबर से 28 नवंबर 2025 तक कुल 5 चरणों में 1 करोड़ 56 लाख महिला लाभुकों के खाते में राशि अंतरित की गई।

वैलेंटाइन डे के अगले दिन प्रेमिका की हत्या

प्रेमी ने खुद पुलिस के पास जाकर बताई कहानी

गया जी, 16 फरवरी (एजेंसियां)। गया जी जिले के शेरघाटी थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। प्रेम संबंध के चलते एक युवक ने अपनी प्रेमिका की गला दबाकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी खुद थाने पहुंच गया और आत्मसमर्पण कर दिया। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। मामला शेरघाटी थाना क्षेत्र के कठार इलाके का है। पुलिस के अनुसार आरोपी युवक बिंदु मांझी ने अपनी प्रेमिका गीता देवी की गला दबाकर हत्या कर दी। घटना के बाद वह सीधे शेरघाटी थाने पहुंचा और अपना जुर्म कबूल कर लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच टीम दोनों के मोबाइल की कॉल डिटेल, घटनास्थल के आसपास की गतिविधियों और उनके रिश्ते के पहलुओं की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि सभी सबूतों के आधार पर जल्द ही मामले का पूरा खुलासा किया जाएगा और दोषी को कड़ी सजा दिलाने की कोशिश की जाएगी।

बदमाशों पर कहर बनकर टूटी बिहार पुलिस

हत्याकांड के आरोपी का किया एनकाउंटर

मधुबनी, 16 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के गृह मंत्री सम्राट चौधरी द्वारा राज्य में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के एलान के बाद पुलिस लगातार एक्शन मोड में नजर आ रही है। ताजा मामला मधुबनी जिले से सामने आया है, जहां रविवार देर रात जय राम हत्याकांड के मुख्य आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ में पैर में गोली मारकर घायल कर दिया। रामपट्टी-राजनगर स्टेट हाईवे पर पुलिस और अपराधियों के बीच आमने-सामने की मुठभेड़ से इलाके में सनसनी फैल गई। इस दौरान कुख्यात अपराधी मो. अरसद घायल हो गया, जबकि उसके दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। मधुबनी एसपी योगेंद्र कुमार ने बताया कि 10 फरवरी को राघोपुर बलाट समाधि टोला निवासी जयराम मंडल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इस वारदात में शामिल अपराधी रामपट्टी-राजनगर स्टेट हाईवे से गुजरने वाले हैं।

आरजेडी की ओर से एलजेपी संस्थापक रामविलास पासवान को 'बेचारा' कहने पर बिहार विधानसभा में जोरदार हंगामा

पटना, 16 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में राजद के एक विधायक द्वारा लोजपा के संस्थापक और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय रामविलास पासवान को 'बेचारा' कहे जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस बीच, सोमवार को इस मुद्दे को लेकर विधानसभा में लोजपा (रामविलास) के सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया और राजद के नेता से माफी मांगने की मांग की। बिहार विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही सोमवार को लोजपा (रामविलास) पार्टी के विधायक राजू तिवारी ने विपक्षी विधायकों पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनसे माफी की मांग की।

इस क्रम में लोजपा (रा) के विधायकों ने जोरदार हंगामा किया, जिससे कुछ देर के लिए सदन की कार्यवाही बाधित भी हुई। विधायक राजू तिवारी ने सदन में अपनी बात रखते हुए कहा कि विपक्ष के कई नेताओं द्वारा पूर्व केंद्रीय मंत्री और दिवंगत नेता रामविलास पासवान को लेकर आपत्तिजनक और गलत टिप्पणी की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के कुछ नेता दलित समाज का बराबर अपमान करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे नेता रामविलास पासवान जीवनभर दलितों, गरीबों और वंचितों की आवाज़ उठाते रहे। ऐसे सम्मानित नेता के खिलाफ टिप्पणी करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने सदन में स्पष्ट शब्दों में कहा कि विपक्षी नेताओं को अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए और सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। इसे लेकर राजद के विधायकों ने भी मुद्दे से भटकाने का आरोप लगाते हुए जोर-जोर से बोलना शुरू कर दिया। विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार के लगातार समझाने के बाद दोनों पक्ष के विधायक शांत हुए, उसके बाद सदन की कार्यवाही आगे बढ़ी।

बता दें कि विधानसभा के बजट सत्र के दौरान राजद के विधायक कुमार सर्वजीत ने लोजपा के प्रमुख रहे स्वर्गीय रामविलास पासवान के लिए 'बेचारा' शब्द का इस्तेमाल किया था, जिसे लेकर पार्टी के नेता आपत्ति जता रहे हैं। लोजपा (रामविलास) पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं ने रविवार को पटना के कारगिल चौक पर जमकर प्रदर्शन किया और राजद नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का पुतला भी जलाया।

1550 करोड़ का बजट फिर भी बदहाल एएमयू हॉस्टल

इमारतों पर उगी झाड़ियां और टपकती हैं छतें

अलीगढ़, 16 फरवरी (एजेंसियां)। देश-दुनिया में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) की पहचान है। इस इदारे से पढ़े विद्यार्थियों को अलीग कहा जाता है। इनके बारे में ये बात मशहूर है कि अलीग बिरादरी कभी सोती नहीं है, क्योंकि दुनियाभर में अलीग फैले हैं। उन्हीं के इदारे का हॉस्टल बदहाल है। यूनिवर्सिटी का कागजों में करीब 1550 करोड़ रुपये का वार्षिक बजट, लेकिन जमीनी सच्चाई कुछ और है। घास की झाड़ियों में यूनिवर्सिटी की ऐतिहासिक इमारतें छिप गई हैं। दीवारें बेबसी और अनदेखी की कहानी बयां कर रही हैं। बारिश में छतों से बूंदें टपकती हैं। दीवारों से प्लास्टर झड़ रहा है। उनमें दरारें चौड़ी होने लगी हैं। हॉस्टल की खिड़कियां टूटी हैं। कमरों में सीलन है।

मुमताज हाउस के पीछे उगी घासआफताब हॉल में कई हॉस्टल हैं। इनमें मॉरिसन कोर्ट हॉस्टल की अंदर और बाहरी दीवारें खराब हो चुकी हैं। मुमताज हाउस एक ऐतिहासिक इमारत है, जो घास की झाड़ियों में छिप गई हैं। गंदगी का अंबार है। डॉ. बीआर आंबेडकर हॉल की दीवारों से प्लास्टर उखड़ गया है। कमरे में गंदगी है। सर शाह सुलेमान हॉल की दीवार खराब है। कमोबेश ऐसी हालत सभी हॉलों की है।

इतने बड़े परिसर, सैकड़ों कमरों और भवनों के रखरखाव के लिए मौजूदा बजट नाकाफी है। मौजूदा वार्षिक बजट 1550 करोड़ रुपये है, जबकि वार्षिक बजट 2000 करोड़ की जरूरत है। हर साल 2000 करोड़ रुपये मिल जाएं तो बेहतर है। फिर भी हॉस्टल की मरम्मत करने की कवायद चल रही है।

दिल्ली ब्लास्ट में खुलासा-डॉक्टरों ने 'अंसार अंतरिम' संगठन बनाया था

> 2016 में कट्टरपंथी विचारधारा अपनाई > वाइट कॉलर मॉड्यूल का मकसद अटैक करना

नई दिल्ली/श्रीनगर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हाल ही में 'वाइट कॉलर' आतंकी मॉड्यूल का खुलासा किया है। पुलिस ने बताया कि कई डॉक्टरों ने आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए 'अंसार अंतरिम' नाम का आतंकी संगठन बनाया था। पुलिस ने इस मामले में कई डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने बताया कि इन आरोपियों ने 2016 में कट्टरपंथी विचारधारा को अपनाया था। मामले में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) जांच कर रही है। दिल्ली में 10 नवंबर 2025 को लाल किले के लिए एक कार में ब्लास्ट हुआ था, जिसमें 15 लोगों की जान गई थी। कार में धमाका करने वाला डॉ. उमर नबी था। इसकी जांच के दौरान ही हरियाणा की अल फलाह यूनिवर्सिटी से कई डॉक्टरों को पकड़ा गया था। तभी इसे वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल नाम दिया गया था।

> पिछले साल अक्टूबर में नेटवर्क का पता चला

अंतरराज्यीय आतंकी नेटवर्क का पता सबसे पहले बीते साल 19 अक्टूबर को चला था।

श्रीनगर के बाहरी इलाके नौगाम के बनपोरा में दीवारों पर जैश-ए-मोहम्मद के पोस्टर लगे थे। श्रीनगर पुलिस केस दर्ज किया और सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद आरिफ निसार डार, यासिर-उल-अशरफ और मकसूद अहमद डार को गिरफ्तार किया था। इन सभी पर पहले भी पत्थरबाजी के केस दर्ज थे।

जैश ने बनाया महिला

पिछले 3 साल में 8000 से ज्यादा म्यूल अकाउंट्स फ्रीज

सुरक्षा एजेंसियों ने जेम्मू-कश्मीर में म्यूल अकाउंट्स (फ्रीज खाते) के बड़े नेटवर्क का भी खुलासा किया है। इनसे टेरर फंडिंग का शक है। 3 साल में ऐसे 8,000 खाते फ्रीज किए हैं। ये अकाउंट अक्सर अनजान लोगों के होते हैं, जिन्हें आसान कमीशन और कम से कम रिस्क का भरोसा देकर लालच दिया जाता था। उन्हें अकाउंट को कुछ समय के लिए पार्किंग अकाउंट के तौर पर इस्तेमाल करने के बहाने अपने बैंकिंग क्रिडेंशियल का पूरा एक्सेस देने के लिए मनाया जाता है।

यूएन का दावा-दिल्ली ब्लास्ट की जिम्मेदारी जैश ने ली

यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल (यूएनएससी) की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दिल्ली के लाल किले के पास हुए ब्लास्ट की जिम्मेदारी जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) ने ली है। रिपोर्ट में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का भी जिक्र है। जिसमें कहा गया है कि पहलगाम हमले में शामिल तीनों आतंकी भी मारे जा चुके हैं। यह रिपोर्ट यूएनएससी की 1267 सेंक्शंस कमेटी को सौंपी गई है। कमेटी आईएसआईएस, अल-कायदा जैसे आतंकी संगठनों पर नजर रखती है।

>आतंकियों का संगठन

रिपोर्ट के मुताबिक जैश प्रमुख मसूद अजहर ने अक्टूबर 2025 को महिला आतंकियों की एक अलग विंग बनाई थी।

इसका नाम जमात-उल-मुमिनात है। यह विंग आतंकी गतिविधियों को सपोर्ट करने के लिए बनाई गई है।

हालांकि, ये विंग यूएन की लिस्ट में यह शामिल नहीं है। रिपोर्ट में सदस्य देशों के अलग-अलग आकलन का भी जिक्र है। कुछ देशों ने माना कि जैश अभी भी टेररिस्ट एक्टिविटी को बढ़ावा दे रहा है। वहीं, कुछ देशों ने इसे निष्क्रिय बताया है।

> एनआईए को भी जैश से जुड़े होने के लिंक मिले थे

दिल्ली ब्लास्ट के बाद एनआईए ने जांच शुरू की थी। एजेंसी को भी जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवात-उल-हिंद से जुड़े होने के लिंक मिले थे। इस मामले में अब तक 9 लोग गिरफ्तार हुए हैं। इनमें 5 डॉक्टर भी शामिल हैं। ये नेटवर्क को मदद करते थे।

सीएम के हाथों सम्मानित पर्वतारोही परीक्षा में नकल कराते धरा गया

गेट की परीक्षा में करवा रहा था चीटिंग

हिसार, 16 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित हो चुका पर्वतारोही व हिसार जिले का मिंगनीखेड़ा निवासी नरेंद्र को छत्तीसगढ़ पुलिस ने परीक्षा में नकल करवाते पकड़ा है। नरेंद्र छत्तीसगढ़ के रायपुर में इंजीनियरिंग स्नातक योग्यता परीक्षा (गेट) में एक परीक्षार्थी को नकल करवा रहा था। पुलिस ने परीक्षा केंद्र के बाहर से नरेंद्र सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक पर्वतारोही नरेंद्र परीक्षा केंद्र के बाहर ब्लू टूथ के माध्यम से प्रश्नों के उत्तर लिखवा रहा था। उसके साथ में प्रदेश के युवक भी थे। आरोपी परीक्षा केंद्र से मात्र 50 मीटर की दूरी से इस फर्जीवाड़े को अंजाम दे रहे थे। पुलिस को जैसे ही इनकी

भनक लगी तो तुरंत इन्हें धर दबोचा। पूछताछ में सामने आया कि दो लाख रुपये में यह सौदेबाजी हुई थी।

ये हैं उपलब्धियां

पर्वतारोही नरेंद्र कुमार माउंट एवरेस्ट बेस कैंप, माउंट मनास्लु, और माउंट अन्नपूर्णा जैसी विश्व की खतरनाक चोटियों पर तिरंगा फहरा चुका है। वर्ष 2019 में शुरुआत करने वाले नरेंद्र ने -40 डिग्री तापमान में 151 फीट का ध्वज फहराने और 8000 मीटर से ऊपर की चोटियां फतह करने जैसे कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्हें 2025 में 'फिट इंडिया मिशन' का ब्रांड एंबेसडर भी नियुक्त किया गया था। अप्रैल 2025 में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नरेंद्र को सम्मानित भी किया था।

पिता एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग से रिटायर

नरेंद्र के पिता सुभाष चंद्र एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग से ईटीओ पद से रिटायर हैं। वे अपने परिवार के साथ गांव में ही रहते हैं। उनका बड़ा बेटा एचएसवीपी में जेई के पद पर कार्यरत है, जबकि बड़े बेटे की पत्नी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैज्ञानिक है। उनका दूसरा बेटा भी सरकारी विभाग में जेई के पद पर है।

पलवल में हाहाकार! 15 दिन में 12 मौतें

पलवल, 16 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में पलवल जिले के छायंसा गांव में पिछले 15 दिनों के भीतर 12 लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है. बताया जाता है कि मृतकों में पांच स्कूली बच्चे भी शामिल हैं, जिससे पूरे गांव में डर और शोक का लहर दौड़ रहा है. स्थानीय ग्रामीणों और स्वास्थ्य अधिकारियों को आशंका है कि ये मौतें दूषित पेयजल के सेवन से जुड़ी हो सकती हैं. हालांकि अभी तक मौतों के सटीक वजह की अधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है. इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, स्थिति को गंभीरता से देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने गांव में डोर-टू-डोर जांच कर ली है. अब तक 400 से ज्यादा ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है और लगभग 300 लोगों के ब्लड सैंपल लिए जा चुके हैं. जांच रिपोर्ट के मुताबिक, केवल दो नमूनों में हेपेटाइटिस बी या सी से जुड़ी समस्या देखने को मिली है. अधिकारियों का कहना है कि सभी संभावित वजहों की गंभीरता से जांच की जा रही है. रिपोर्ट आने के बाद ही सही कारणों का पता चल सकेगा. गांव के करीब 5,000 की आबादी सीमित नगर पालिका जलापूर्ति, घरों में बने भूमिगत टैंकों, बाहरी टैंकरों और पास के हथिन कस्बे से लाए गए आरओ पानी पर निर्भर है.

असम के सीएम पर कार्रवाई की मांग

याचिकाओं पर अदालत सख्त, पूछा-पहले गौहाटी हाईकोर्ट क्यों नहीं गए

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के कथित 'शूटिंग वीडियो' को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई से इनकार कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता पहले गौहाटी हाईकोर्ट का रुख करें। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि हर चुनावी विवाद सीधे सुप्रीम कोर्ट में लाना एक चिंताजनक प्रवृत्ति बनती जा रही है। कोर्ट ने टिप्पणी की 'आप गौहाटी हाईकोर्ट क्यों नहीं गए? उसकी अधिकारिता को कमतर न आंकें।' साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने गुवाहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से इस मामले की सुनवाई में तेजी लाने का अनुरोध भी किया। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि मुख्यमंत्री बार-बार विवादित बयान देते रहे हैं और मामले की गंभीरता को देखते हुए शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना चाहिए।

क्या है विवाद

यह विवाद 7 फरवरी को उस समय बढ़ा जब असम भाजपा के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो साझा किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री कथित रूप से एक विशेष समुदाय के लोगों की ओर राइफल से निशाना साधते दिख रहे थे। पोस्ट पर व्यापक विरोध और राजनीतिक प्रतिक्रिया के बाद इसे हटा लिया गया। इस मामले में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े नेताओं ने अलग-अलग याचिकाएं दायर कर मुख्यमंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की मांग की है। सीपीआई नेता एनी राजा ने भी नफरत फैलाने के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

16 साल की लड़की का शव श्मशान घाट के तालाब से बरामद

डायरी में खुद लिखी थी लोकेशन

गुरुग्राम, 16 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में गुरुग्राम के मोखलवास गांव से चार दिन पहले लापता हुई 16 साल की लड़की का शव गांव के श्मशान घाट के पास मौजूद एक तालाब से बरामद किया गया. लड़की का नाम नेहा है. पुलिस को यह सुराग लड़की की डायरी में लिखे एक नोट से मिला, जिसमें वह अपनी लोकेशन का संकेत दिया था. परिवार वालों के मुताबिक, नेहा ने रात करीब 9:30 बजे कहा था कि वह अपने कमरे में पढ़ाई करने जा रही है. करीब चार घंटे के बाद जब परिवार ने देखा तो वह कमरे में नहीं थी. परिजनों ने पहले अपने स्तर पर खोज शुरू की और गुरुवार को पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई. परिवार ने उसकी जानकारी देने वाले को 1 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा भी की थी.

नियमित प्रवास और रोजगार बढ़ाने की नई पहल

एमईए ने बताया कैसे काम करेगा ये माइग्रेशन मॉडल

गुवाहाटी, 16 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रवास और रोजगार के अवसरों को व्यवस्थित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। विदेश मंत्रालय ने यूरोपीय संघ और असम सरकार के साथ मिलकर गुवाहाटी में एक अहम कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल का मकसद नियमित माइग्रेशन को बढ़ावा देना और अवैध प्रवास पर रोक लगाना है। कार्यक्रम को उत्तर-पूर्व क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय मोबिलिटी नेटवर्क से जोड़ने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रवास और रोजगार के अवसरों को व्यवस्थित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। विदेश मंत्रालय ने यूरोपीय संघ और असम सरकार के साथ मिलकर गुवाहाटी में एक अहम कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल का मकसद नियमित माइग्रेशन को बढ़ावा देना और अवैध प्रवास पर रोक लगाना है। कार्यक्रम को उत्तर-पूर्व क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय मोबिलिटी नेटवर्क से जोड़ने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

क्या है भारत-ईयू माइग्रेशन अवसर?

विदेश मंत्रालय ने 12 फरवरी 2026 को गुवाहाटी में भारत-ईयू माइग्रेशन अवसर और उत्तर-पूर्व मार्ग शीर्षक से स्टेट एंगेजमेंट प्रोग्राम आयोजित किया। यह कार्यक्रम भारत ईयू माइग्रेशन और मोबिलिटी सहयोग एवं संवाद ढांचे के तहत रखा गया। इसका मुख्य उद्देश्य भारत और यूरोपीय संघ के बीच नियमित प्रवास, कौशल आधारित रोजगार और कानूनी मोबिलिटी के रास्तों को मजबूत करना है। इसके जरिए उत्तर-पूर्व क्षेत्र को भी इस अंतरराष्ट्रीय माइग्रेशन ढांचे से जोड़ने पर जोर दिया गया।

किन संस्थाओं की भागीदारी?

यह कार्यक्रम भारत-ईयू सहयोग और संवाद ऑन माइग्रेशन एंड मोबिलिटी परियोजना के तहत आयोजित हुआ। इस परियोजना को भारतीय परिषद विश्व मामलों, इंटरनेशनल सेंटर फॉर माइग्रेशन पॉलिसी डेवलपमेंट और इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन मिलकर लागू कर रहे हैं। यह पूरी पहल भारत और यूरोपीय संघ द्वारा 2016 में अपनाए गए माइग्रेशन और मोबिलिटी के साझा एजेंडा के समर्थन में चलाई जा रही है। इसका फोकस कानूनी और सुरक्षित माइग्रेशन चैनल को मजबूत करना है।

इस कार्यक्रम का मकसद भारत-ईयू कॉरिडोर पर प्रवास को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाना है। इसके तहत नियमित प्रवास के अवसर बढ़ाने, रोजगार के वैध रास्ते खोलने और अवैध माइग्रेशन को रोकने के लिए सहयोग बढ़ाया जा रहा है।

खालिस्तानी पन्नू हत्याकांड के दोषी निखिल गुप्ता का भारत सरकार से कोई संबंध नहीं

दिल्ली से अमेरिका को मिला जवाब

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी नागरिक और खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या मामले में अब भारतीय अधिकारियों ने एक बार फिर से अपने रुख को दोहराया है। भारतीय अधिकारियों ने साफ-साफ कहा है कि पन्नू हत्याकांड के दोषी निखिल गुप्ता का भारत सरकार से कोई संबंध नहीं है। अधिकारी ने कहा कि भारत सरकार 2023 में न्यूयॉर्क में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुखर आलोचक और अमेरिकी नागरिक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश में शामिल नहीं थी। बता दें कि 54 वर्षीय निखिल गुप्ता ने शुक्रवार को खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या के प्रयास से जुड़े तीन आरोपों में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। मोदी सरकार ने पन्नून को आतंकवादी घोषित कर उसके समूह पर प्रतिबंध लगा दिया है।

सूत्रों के मुताबिक, सरकार आगे की कार्रवाई तय करने के लिए न्यूयॉर्क की अदालत में चल रही कार्यवाही से और अधिक जानकारी मिलने का इंतजार कर रही है। मोदी सरकार ने पन्नू को आतंकवादी घोषित कर उसके समूह पर प्रतिबंध लगा दिया है।

कौन था खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू

गुरपतवंत सिंह पन्नू, हरदीप सिंह निज्जर का सहयोगी था, जिसे जून 2023 में पश्चिमी कनाडा के एक सिख मंदिर के बाहर नकाबपोश बंदूकधारियों ने गोली मार दी थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारतीय सरकारी अधिकारियों पर हत्या में संलिप्तता का आरोप लगाया था, जिसे मोदी प्रशासन ने नकार दिया था। मार्क कार्नी, जिन्होंने पिछले साल ट्रूडो के बाद पदभार संभाला, भारत के साथ संबंधों को फिर से स्थापित करने और निज्जर की हत्या से उत्पन्न राजनयिक संकट से उबरने का प्रयास कर रहे हैं। कार्नी के आने वाले हफ्तों में भारत दौरे पर जाने की उम्मीद है।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल ने कनाडा का दौरा किया

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल ने फरवरी की शुरुआत में कनाडा का दौरा किया और वहां की राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नताली ड्रोइन से बातचीत की। दोनों पक्षों ने आपसी चिंता के मुद्दों पर संचार और सहयोग को बेहतर बनाने के लिए सुरक्षा और कानून प्रवर्तन मामलों के लिए संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति पर सहमति व्यक्त की।

टीएमसी सासंद डेरेक ओ ब्रायन का पीएम मोदी पर निशाना, कहा टेलीप्रॉम्प्टर टाइकून

कोलकाता, 16 फरवरी (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने आज पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए खोखले शाब्द का इस्तेमाल किया। पीएम मोदी के संसद पीटीआई के साथ इंटरव्यू पर उन्होंने निशाना साधा। राज्यसभा में टीएमसी नेता ने भी प्रधानमंत्री पर तंज कसते हुए उन्हें टेलीप्रॉम्प्टर टाइकून कहा।

उन्होंने कहा पीएम मोदी, उर्फ टेलीप्रॉम्प्टर टाइकून, जो संसद में बोलने से भागते हैं, उनके और भी खोखले शब्द हैं। लोकसभा ने हाल ही में खत्म हुए बजट सेशन के दौरान विपक्षी सदस्यों की लगातार नारेबाजी के बीच प्रधानमंत्री के हमेशा की तरह जवाब के बिना ही मोशन ऑफ थैंक्स पास कर दिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बाद में कहा कि उनके पास पक्की जानकारी है कि कांग्रेस के कई सदस्य प्रधानमंत्री मोदी की सीट की ओर बढ़ सकते हैं। जिसके चलते उन्होंने पीएम से राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देने के लिए सदन में न आने का अनुरोध किया था। मोदी ने राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस का जवाब दिया था, जिसके दौरान विपक्षी पार्टियों ने वॉकआउट किया था। एन न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में मोदी ने बड़े ट्रेड एग्रीमेंट करने में नाकाम रहने के लिए यूपीए सरकार की आलोचना की, और कहा कि विकसित भारत में महिलाएं सबसे अहम भूमिका निभाएंगी।

भुवनेश्वर में छत पर धमाका सीसीटीवी में घटना कैद

बदला लेने के लिए बम बना रहा था परिवार; 4 लोग बुरी तरह झुलसे, दो की मौत

भुवनेश्वर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के आजाद नगर में 27 जनवरी को एक घर की छत पर जोरदार धमाका हुआ। इसका सीसीटीवी फुटेज अब सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, मां-बेटा सहित 4 लोग किसी से बदला लेने के लिए छत पर बम बना रहे थे। इसी दौरान ब्लास्ट हो गया। इससे चारों लोग बुरी तरह झुलस गए। इनमें दो की मौत हो गई है। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। इसमें दिखा की छत पर 4 पानी की टंकियां लाइन से रखी हैं। टंकियों के पीछे अचानक से धमाके के साथ धुएं का गुबार उठा। फिर झुलसे लोग एक-एक कर भागते नजर आए। घायल हुए लोगों की पहचान शहनवाज मलिक (26), उसकी मां लिलातुन बीबी, मंगेतर तृप्तिमयी महल (23) और दोस्त अमीया मल्लिक (27) के रूप में हुई। शहनवाज मलिक और उसकी मां की मौत हो गई है। वहीं दो अन्य अभी जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं।

खून में नशे की गोलियां घोलकर इंजेक्शन ले रहे युवा

इस गांव में 35 से अधिक की मौत; हालात भयावह

सिरसा, 16 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में नशा अब सिर्फ आदत नहीं बल्कि ऐसा जख्म बन चुका है जिसे सिस्टम की लापरवाही और समाज की चुप्पी सींच रही है। हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि युवा नशे के लिए इंसानियत की आखिरी हदें भी पार कर रहे हैं। पहले अपनी नसों से खून निकालते हैं। उसमें गुलाबी गोलियां घोलते हैं और फिर उसी जहर को वापस शरीर में घोल लेते हैं। यह कोई फिल्मी कहानी नहीं बल्कि गांव-गांव में फैली वह सच्चाई है जिसे देखकर रूह कांप जाए।

सिरसा जिले के रानियां हलके के तकरीबन छह हजार आबादी वाले गांव ओटू में ग्रामीणों ने जो दास्तान सुनाई उसने गांवों में गुपचुप तरीके से पहुंचते नशे, मौत से खेल रहे युवाओं, लाचारी में फंसे उनके बुजुर्ग मां-बाप, पत्नी व बच्चों और आंखें मूंदकर बैठे जिम्मेदारों की हकीकत सामने ला दी।

पानी न मिलने पर अपने ही खून में नशा घोलते हैं

ओटू के पड़ोसी गांव ढाणी प्रताप की महिला सरपंच के पति सुनील कुमार ने बताया कि वह तकरीबन 15 वर्ष से ओटू गांव में फोटो स्टूडियो चला रहे हैं। ज्यादातर समय ओटू गांव में ही बीतता है। सुनील के मुताबिक, सिर्फ ओटू ही नहीं बल्कि आसपास के कई गांव

में नशे की लत में फंसे युवाओं की मानसिक स्थिति खराब होने लगी है। कई बार पानी नहीं होने पर वे अपने खून में नशे की गोलियां मिलाकर इंजेक्शन लगा रहे हैं। गांव के श्मशान घाट के पास देर शाम या रात में अक्सर ऐसा करते युवा देखने को मिल जाते हैं।

गांव में 35 से अधिक युवाओं की मौत, सबकी उम्र 16 से 25

ओटू गांव निवासी बूटा सिंह ने बताया कि नशे की लत में गांव में काफी युवा फंसे थे। कोविड-19 के बाद ये काला सच तेजी से उजागर हुआ। दरअसल, कोरोना काल में नशा नहीं मिलने के कारण युवाओं की मौत शुरू हो गई। कोविड-19 के बाद से अब तक मेडिकल नशे में फंसे 35 से अधिक युवाओं की मौत हो चुकी है। नशे के दलदल में फंसे युवाओं की जान की कीमत नहीं बची है। ढाणी प्रताप के पूर्व सरपंच होशियार सिंह के मुताबिक नशे के दलदल में ओटू सहित कई गांवों के युवा फंस चुके हैं। गांव में नशे के कारण लगातार मौत हो रही है।

युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए नौ साल में नहीं बन पाया खेल मैदान

ओटू के रहने वाले ब्लॉक समिति के सदस्य गुरुदेव सिंह के मुताबिक युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए स्थानीय प्रशासन ने 2017-18 में गांव में खेल मैदान बनाने की घोषणा की थी। इसके लिए पंचायत की ओर से दो एकड़ जमीन भी उपलब्ध करवाई गई थी लेकिन अब तक खेल मैदान का काम नहीं हुआ है। उस दो एकड़ जमीन पर अब कूड़ाघर बना हुआ है। इस संबंध में जब सीईओ डॉ. सुभाष से बात की गई तो उन्होंने कहा कि गांव में खेल मैदान बनाने का काम प्रक्रियाधिन है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस स्टेशन पर हमला

2 की मौत, 14 घायल

इस्लामाबाद, 16 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में पुलिस स्टेशन के पास एक जोरदार धमाका हुआ। इस धमाके में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य लोग घायल हो गए। मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल है।

पुलिस के बयान के मुताबिक, मोटरसाइकिल में विस्फोटक पदार्थ लगा हुआ था जिसे धमाके से उड़ा दिया गया। मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल है। रेस्क्यू अधिकारियों ने बताया कि इमरजेंसी टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। उन्होंने मृतकों के शव और घायलों को पास के अस्पतालों में पहुंचाया।

बांग्लादेश में हिंदू नेता को मंत्री बना सकते हैं रहमान

30 साल पहले भी मिनिस्टर रहे थे गोयेश्वर, इस बार 2 हिन्दुओं ने जीता चुनाव

ढाका, 16 फरवरी (एजेंसियां)। चुनाव में भारी बहुमत हासिल करने के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) नई सरकार बनाने की तैयारी में है। सरकार ने निर्वाचित सांसदों की आधिकारिक गजट अधिसूचना जारी कर दी है।

पार्टी से 2 हिंदू सांसद भी चुने गए हैं। इनमें से ढाका-3 सीट से जीत दर्ज करने वाले गोयेश्वर चंद्र रॉय को नई कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है। रॉय बीएनपी के प्रभावशाली नेता माने जाते हैं। वह खालिदा जिया की बीएनपी सरकार में लगभग 30 साल पहले (1991-1996) राज्य मंत्री थे।

बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक, तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद समेत रक्षा मंत्रालय और दूसरे पांच मंत्रालय अपने पास रख सकते हैं। संविधान के अनुच्छेद 148 के मुताबिक, आधिकारिक नतीजे आने के तीन दिन के भीतर निर्वाचित प्रतिनिधियों को शपथ लेनी होती है।

13वें संसदीय चुनाव के निर्वाचित सदस्य मंगलवार को शपथ लेंगे, जबकि कैबिनेट भी उसी दिन बाद में शपथ लेगी। यह जानकारी चुनाव आयोग के सचिव अख्तर अहमद ने शनिवार को प्रेस ब्रीफिंग में दी।

जिया परिवार के करीबी माने जाते हैं गोयेश्वर चंद्र रॉय

गोयेश्वर चंद्र रॉय बांग्लादेश की राजनीति में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के सबसे प्रमुख चेहरों में से एक माने जाते हैं। उनका जन्म 1 नवंबर 1951 को ढाका जिले के केरानीगंज में एक बंगाली हिंदू परिवार में हुआ था।

वे 1978 से ही बीएनपी से जुड़े हुए हैं और वर्तमान में पार्टी की स्थायी समिति के सदस्य हैं, जो बीएनपी का सर्वोच्च नीति-निर्माण निकाय है। 1990 के दशक में खालिदा जिया की सरकार में उन्होंने राज्य मंत्री के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जहां वे पर्यावरण, वन, मत्स्य एवं पशुपालन मंत्रालयों के प्रभार में रहे।

हाल ही में 12 फरवरी 2026 को हुए 13वें संसदीय चुनाव में उन्होंने ढाका-3 निर्वाचन क्षेत्र से बीएनपी के टिकट पर भारी बहुमत से जीत हासिल की, जहां उन्होंने जमात-ए-इस्लामी के उम्मीदवार मोहम्मद शाहिनुर इस्लाम को लगभग 17,000 वोटों से हराया।

वे खुद को धरती का बेटा बताते हैं और जोर देते हैं कि बांग्लादेश में हिंदू या अन्य अल्पसंख्यक अलग नहीं हैं, बल्कि सभी नागरिक समान अधिकारों वाले हैं। जिया परिवार से उनके गहरे संबंध हैं और नई सरकार में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की संभावना है।

बांग्लादेश के आम चुनाव में 4 अल्पसंख्यक समुदाय के उम्मीदवार सांसद चुने गए हैं। इनमें दो हिंदू, जबकि दो अन्य बौद्ध समुदाय से हैं।

हिंदू नेता में गोयेश्वर चंद्र रॉय और उनके समधी निताई रॉय चौधरी बीएनपी की टिकट से चुनाव जीतकर संसद पहुंचे।

अमेरिका बनना चाहता है नई ईस्ट इंडिया कंपनी?

मार्को रुबियो के भाषण से दुनिया में मची हलचल, यूरोप को बताई रेडलाइन

वॉशिंगटन, 16 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी विदेश मंत्री ने म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में अपने भाषण में कई बातें कही हैं, जो दुनिया का ध्यान खींच रही हैं। रुबियो ने वेस्ट से फिर से मुकाबला करने और ग्लोबल साउथ की इकॉनमी में मार्केट शेयर जीतने के लिए कहा है। एक्सपर्ट ने इसे ट्रंप प्रशासन की ईस्ट इंडिया की तरह से कॉलोनाइजेशन की कोशिश के तौर पर देखा है। एक्सपर्ट ने कहा है कि यह बयान 18वीं और 19वीं सदी में यूरोपियन ताकतों के मार्केट और कच्चे माल की रेस में एशिया और अफ्रीका को बांटकर अपनी कॉलोनी बनाने की याद दिलाता है।

मार्को रुबियो ने म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए इसे 'नई वेस्टर्न सदी' बनाने की बात कही है। रुबियो ने ट्रंप की यूरोप के लिए रेड लाइन बताते हुए कहा, 'अमेरिका में हमें पश्चिम की मैनेज्ड गिरावट के विनम्र और व्यवस्थित रखवाले बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। हम सख्त बॉर्डर, इंडस्ट्री को फिर से शुरू करने और राष्ट्रीय संप्रभुता को फिर से लागू करने की मांग करते हैं। म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस फॉरेन और सिक्योरिटी पॉलिसी पर दुनिया के असरदार फोरम में एक है। 70 से ज्यादा देशों के सैकड़ों हेड ऑफ स्टेट, मिनिस्टर, मिलिट्री चीफ, डिप्लोमैट और पॉलिसी एक्सपर्ट इस मंच से ग्लोबल सिक्योरिटी चैलेंज पर बहस करते हैं।

रूबियो के नजरिए ने कई लोगों को सतर्क किया है क्योंकि ग्लोबल साउथ के बड़े हिस्से के कॉलोनी बनने के जख्म अभी ताजा हैं। इससे यह सवाल भी उठा है कि क्या ग्लोबल साउथ आर्थिक दबदबे के नए दौर का सामना कर रहा है। इसे सीधे अमेरिका लीड करना चाहता है। ग्लोबल साउथ से मतलब विकासशील देशों के ग्रुप से है, जो मुख्य रूप से अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, एशिया और ओशिनिया में है।

रुबियो का बयान अमेरिकी आर्मी के वेनेजुएला के प्रेसिडेंट निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ने और देश के एनर्जी ट्रेड पर कंट्रोल करने के कुछ हफ्ते बाद आया है। 18वीं सदी में लंदन-बेस्ड ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह आज ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन ग्लोबल ट्रेड पर हुक्म चलाने की कोशिश कर रहा है। हालिया महीनों में यह रवैया लगातार देखा गया है।

जियोपॉलिटिकल एक्सपर्ट ब्रह्मा चेलानी ने कहा कि पहचान और सभ्यता की बहाली के नजरिए से पश्चिम के भविष्य को देखकर रुबियो ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के आइडेंटिटेरियन विचारों को इंटेलेक्चुअल रूप देने की कोशिश की है।

हवा में उड़ता परमाणु रिएक्टर अमेरिका ने रचा इतिहास

वॉशिंगटन, 16 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने परमाणु रिएक्टर को एक जगह से दूसरी जगह एयरलिफ्ट कर इतिहास रच दिया है। अभी तक यह माना जाता रहा है कि परमाणु रिएक्टर एक स्थिर और परमानेंट स्ट्रक्चर होते हैं, जिन्हें एक जगह से दूसरी जगह शिफ्ट नहीं किया जा सकता है। लेकिन, अमेरिका ने ऑपरेशन विंडलॉर्ड के जरिए वार्ड 250 परमाणु रिएक्टर के आठ मॉड्यूल को तीन C-17 ग्लोबमास्टर ट्रांसपोर्ट प्लेन ने कैलिफोर्निया के मार्च एयर रिजर्व बेस से यूटा के हिल एयर फोर्स बेस तक एयरलिफ्ट किया है। वार्ड 250 माइक्रोरिएक्टर को कैलिफोर्निया के वैलर एटॉमिक्स का बनाया है। हालांकि, ट्रांसपोर्ट करते वक्त उसमें न्यूक्लियर फ्यूल नहीं था।

वार्ड 250 एक कॉम्पैक्ट न्यूक्लियर रिएक्टर है, जो लगभग एक बड़ी वैन के साइज का है। अपनी पूरी क्षमता पर यह रिएक्टर लगभग 5 मेगावाट की बिजली बना सकता है, जो लगभग 5000 घरों को उजाला करने के लिए काफी है। इस साल के आखिर में यह मशीन 100 किलोवाट की क्षमता पर काम शुरू करेगी और धीरे-धीरे 250 किलोवाट तक अपनी उत्पादकता बढ़ाएगी। ऐसे ही धीरे-धीरे यह अपने पूरी क्षमता से काम करना शुरू कर देगी।

इस न्यूक्लियर रिएक्टर का सबसे बड़ी खूबी इसकी डिजाइन है, जो इसे पारंपरिक रिएक्टर से अलग बनाता है। यह रिएक्टर TRISO (TRi-स्ट्रक्चरल ISOtropic पार्टिकल) फ्यूल का इस्तेमाल करता है।

किम-जोंग की बहन या बेटी: अगली तानाशाह कौन?

एक्सपर्ट बोले- भाई जितनी ही खूंखार, राष्ट्रपति को छोड़ सबको फांसी दे सकती हैं

प्योंगयांग, 16 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया में तानाशाह किम जोंग की बाद अगला तानाशाह बनने के लेकर उनकी बहन और बेटी में संघर्ष छिड़ सकता है। यह दावा दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने अपनी एक रिपोर्ट में किया है।

दरअसल किम जोंग पिछले कुछ समय से लगातार अपनी 13 साल की बेटी 'किम जू ऐ' के साथ सर्वजनिक कार्यक्रमों में नजर आ रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि वो किम जू-ऐ को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर सकते हैं।

इसे लेकर दक्षिण कोरिया के पूर्व राजदूत राह जोंग-यिल ने कहा कि किम जू-ए के लिए रास्ता बिल्कुल आसान नहीं होगा। उनकी सबसे बड़ी चुनौती किम जोंग-उन की छोटी बहन 'किम यो-जुंग' होंगी, जो अपने भाई जितनी ही खूंखार मानी जाती हैं।

38 साल की किम यो-जुंग को उत्तर कोरिया में दूसरी सबसे ताकतवर शख्स हैं। पार्टी से लेकर सेना तक उनकी मजबूत पकड़ है। यहां तक कहा जाता है कि वे राष्ट्रपति को छोड़कर पार्टी की 250 सदस्यीय केंद्रीय समिति के किसी भी नेता को मौत की सजा दे सकती हैं।

राह जोंग-यिल का कहना है कि अगर किम यो-जुंग को लगा कि उनके पास शीर्ष नेता बनने का मौका है, तो वे बिल्कुल पीछे नहीं हटेंगी। यानी सत्ता संघर्ष की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। अन्य एक्सपर्ट्स का भी कहना है कि अगर अचानक किम जोंग-उन को कुछ हो जाता है या वे शासन करने की हालत में नहीं रहते, तो किम यो-जुंग तुरंत सत्ता संभालने की कोशिश कर सकती हैं। किम यो-जुंग को बचपन में 'स्वीट प्रिंसेस यो-जोंग' कहा जाता था। 2014 से वह प्रोपेगेंडा एंड एगिटेशन डिपार्टमेंट (पीएडी) की हेड हैं। इस विभाग का काम उत्तर कोरिया में सरकारी विचारधारा को फैलाना है।

जापानी शेफ केंजी फुजिमोटो, जिन्होंने 13 साल तक किम जोंग-इल के लिए काम किया, उनके मुताबिक वे बचपन से ही मजबूत इरादों वाली थीं। उन्हें 'प्रिंसेस' कहकर बुलाया जाता था और भोजन के समय वह पिता (किम जोंग-इल) के बगल में बैठती थीं। किम जोंग उन के पिता किम जोंग-इल ने अपने बच्चों को जिनेवा, बर्न और मॉस्को में पढ़ने भेजा था। 2004 में मां को योंग-हुई की मौत के बाद भी किम यो-जुंग को सत्ता के लिए तैयार किया जाता रहा। 2009 में वह अपने भाइयों के साथ वोनसान एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी में पिता के साथ दिखीं।

महाशिवरात्रि मेले में गोलगप्पा खाने से 20 बच्चे बीमार

पलामू, 16 फरवरी (एजेंसियां)। पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र के द्वारिका पंचायत अंतर्गत रघुआखाड़ गांव में महाशिवरात्रि मेले के दौरान गोलगप्पा खाने के बाद लगभग 20 बच्चे बीमार पड़ गए। इन सभी बच्चों में उल्टी, दस्त और डिहाइड्रेशन के लक्षण पाए गए हैं। फिलहाल, सभी प्रभावित बच्चों का इलाज पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, महाशिवरात्रि के अवसर पर रघुआखाड़ में एक मेला आयोजित किया गया था। इसमें द्वारिका, यादव टोला, जमुआटांड़ सहित आसपास के कई गांवों के बच्चों ने गोलगप्पा खाया था। रविवार रात से ही बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी और सोमवार सुबह तक कई बच्चों की हालत गंभीर हो गई।

ग्रामीणों ने तत्काल पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की एक टीम एंबुलेंस के साथ गांव पहुंची। बीमार बच्चों को तुरंत स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां उनका उपचार शुरू किया गया।

द्वारिका निवासी ध्रुव कुमार गुप्ता ने बताया कि उनके बेटे ने भी मेले में गोलगप्पा खाया था, जिसके बाद उसकी तबीयत खराब हो गई। उनका बेटा फिलहाल स्थानीय स्तर पर इलाज करा रहा है। पांकी के चिकित्सा प्रभारी महेंद्र प्रसाद ने पुष्टि की कि बच्चों के बीमार होने की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम और एंबुलेंस को प्रभावित गांव भेजा गया था। जिले के सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रभावित गांव में लगभग 100 बच्चों की जांच की गई, जिनमें से 20 बच्चे बीमार पाए गए। उन्होंने यह भी बताया कि सभी का इलाज जारी है और स्थिति नियंत्रण में है।

बांग्लादेश-यूनुस के खिलाफ जांच आयोग बैठा सकती है रहमान सरकार

18 मंत्रियों की संपत्ति में इजाफा, यूनुस की प्रॉपर्टी 12 करोड़ हुई, पेरिस जाने की तैयारी में

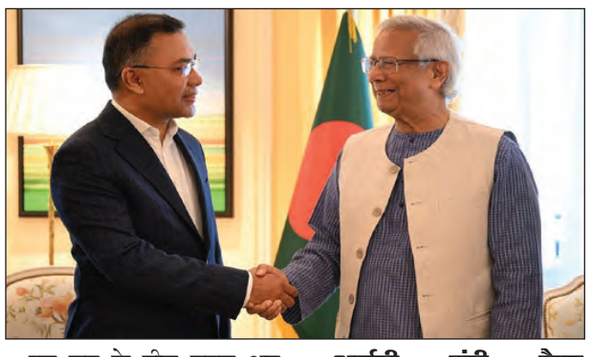

ढाका, 16 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद गठित मोहम्मद यूनुस सरकार के मंत्रियों की संपत्ति में उछाल आया है। सरकार के मुखिया यूनुस की संपत्ति में एक साल में लगभग 11 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

यूनुस की संपत्ति अब कुल साढ़े 12 करोड़ रुपए हो गई है, इसमें लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपए का उछाल आया है। अंतरिम सरकार के टॉप 4 मंत्रियों में सबसे ज्यादा संपत्ति की वृद्धि यूनुस की हुई है।

दूसरे नंबर पर आवास मंत्री अदिलुर रहमान की संपत्ति में 1 करोड़ 23 लाख रुपए की वृद्धि हुई। यूनुस के 21 में से 18 मंत्रियों की संपत्ति बढ़ी है। सूत्रों के अनुसार नए पीएम रहमान अंतरिम सरकार के मंत्रियों की संपत्ति में इजाफे की जांच के लिए कमेटी गठित कर सकते हैं।

इस सब के बीच यूनुस अब फिर से पेरिस में बसने की तैयारी में हैं। बता दें कि यूनुस बांग्लादेश के एकमात्र नोबेल अवॉर्ड विजेता हैं। बांग्लादेश में माइक्रो फाइनेंस के क्षेत्र में बड़ा नाम यूनुस का शेख हसीना सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के मामले दर्ज हुए थे। लेकिन यूनुस ने अपनी सरकार बनने पर केस वापस कर लिए थे।

आईटी मंत्री फैज नीदरलैंड्स लौटे

तारिक रहमान की जीत के साथ ही यूनुस सरकार में आईटी मंत्री रहे फैज अहमद तैयब नीदरलैंड्स लौट गए हैं। फैज के कार्यकाल के दौरान आईटी सेक्टर में उनके द्वारा विदेशी कंपनियों के पक्ष में दिए गए कुछ फैसलों को लेकर आपत्तियां भी आई थीं।

उन पर अनावश्यक हाई-कैपेसिटी इक्विपमेंट खरीद के लिए कुछ कंपनियों को टेंडर जारी करने के भी आरोप हैं। यूनुस सरकार में पर्यावरण मंत्री सैयदा रिजवाना का कहना है कि फैज अपने परिवार के साथ नीदरलैंड्स में ही रहते हैं, वे यूनुस सरकार में शामिल होने के लिए बांग्लादेश लौटे थे।

बांग्लादेश के नवनिर्वाचित पीएम रहमान ने रविवार देर शाम जमात के अमीर (प्रमुख) शफीकुर रहमान के साथ मुलाकात की।

सूत्रों के अनुसार रहमान ने संसद के सुचारु संचालन के लिए जमात के साथ समझौते पर सहमति भी बनाई है। बता दें कि जमात ने 32 सीटों में धांधली का आरोप लगाया है।

रमजान के चांद पर भी 'लड़ने' लगे सऊदी अरब और यूएई

अलग-अलग दिन शुरू हो सकते हैं रोजे, भारत में कब?

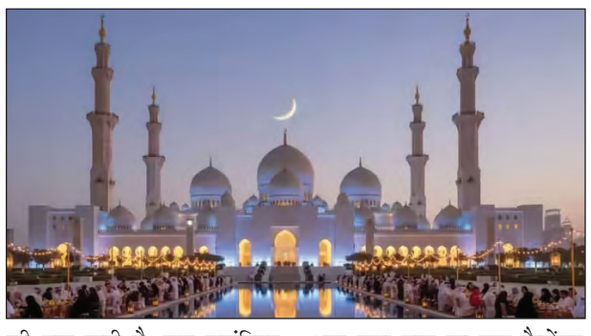

रियाद, 16 फरवरी (एजेंसियां)। खाड़ी के दो ताकतवर पड़ोसी देशों यूएई और सऊदी अरब में इस साल रमजान का महीना अलग-अलग शुरू हो सकता है। दोनों देशों का साझा बॉर्डर है लेकिन चांद दिखने के मामले में दोनों देशों में एक राय नहीं है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के टॉप एस्ट्रोनॉमर्स ने कहा है कि मंगलवार, 17 फरवरी को चांद नहीं दिखेगा। वहीं सऊदी अरब इसी दिन चांद दिखने और रमजान की शुरुआत का ऐलान कर सकता है। इस मुद्दे को एक्सपर्ट दोनों देशों की तनातनी से भी जोड़ रहे हैं। दोनों देशों के रिश्ते हालिया महीनों में तनावपूर्ण रहे हैं।

मिडिल ईस्ट आई के मुताबिक, इस साल यूनाइटेड अरब अमीरात रिवाज तोड़कर सऊदी अरब के एक दिन बाद रमजान शुरू कर सकता है। सालों से सऊदी अरब ने कुछ ऐसे दिनों में चांद दिखने की बात कही है, जब साइंटिस्ट और एस्ट्रोनॉमर्स का कहना है कि चांद देखना नामुमकिन है। हालांकि सऊदी अधिकारियों ने इन आलोचनाओं पर ध्यान नहीं दिया है।

मुसलमान लूनर कैलेंडर को मानते हैं, जिसमें 12 महीने होते हैं। ये महीने 29 या 30 दिनों के होते हैं। रमजान के महीने की शुरुआत चांद दिखने पर निर्भर करती है। सऊदी अरब उम्म अल-कुरा नाम का एक कैलेंडर इस्तेमाल करता है, जो कैलकुलेशन पर आधारित है। यह कैलेंडर सालों पहले खास तारीखों को मार्क कर देता है।

उम्म अल-कुरा कैलेंडर के अनुसार, इस साल रमजान का पहला दिन बुधवार 18 फरवरी को होगा। दूसरी ओर यूएई में शारजाह यूनिवर्सिटी में शारजाह एकेडमी फॉर एस्ट्रोनॉमी स्पेस साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी (एसएएएसएसटी) ने कहा है कि मंगलवार 17 फरवरी को क्रिसेंट मून देखना साइंटिफिक रूप से नामुमकिन होगा। ऐसे में रमजान गुरुवार 19 फरवरी से शुरू होगा।

यूएई के फैसले पर नजर

अबू धाबी के एस्ट्रोनॉमर मोहम्मद ओदेह ने कहा है कि यूएई या सऊदी अरब में मंगलवार को चांद नहीं दिखेगा। दूसरी ओर माना जा रहा है कि सऊदी अरब बुधवार से रमजान शुरू होने की घोषणा करेगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि यूएई भी सऊदी के साथ ही रमजान शुरू करेगा या फिर वह इसे नहीं मानेगा।

भारत में रमजान अमूमन सऊदी अरब के एक दिन बाद शुरू होता है। सऊदी में रमजान का चांद 17 फरवरी 2026 को दिखने की उम्मीद की जा रही है।

स्कूटी सवार ने स्वर्णरेखा नदी में लगाई छलांग, मौत

सरायकेला, 16 फरवरी (एजेंसियां)। सरायकेला जिले के आदित्यपुर और कपाली थाना क्षेत्र की सीमा पर स्थित सांपड़ा पुल से सोमवार दोपहर एक स्कूटी सवार युवक ने स्वर्णरेखा नदी में छलांग लगा दी। इस घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही आदित्यपुर और कपाली थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक को नदी से बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया।

मृतक युवक की पहचान तमोलिया निवासी वरुण के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, वरुण स्कूटी से पुल पर पहुंचा था।

भारत के खिलाफ टी-20 वर्ल्डकप में करारी हार से पाकिस्तान में रार

पीसीबी चेयरमैन पर भड़के आर्मी चीफ असीम मुनीर?

इस्लामाबाद, 16 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड में मिली हार ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर को नाराज कर दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन को लेकर असीम मुनीर ने कथित तौर पर क्रिकेट बोर्ड (PCB) के चेयरमैन मोहसिन नकवी पर खीज निकाली है। मोहसिन नकवी पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार में गृहमंत्री भी हैं। ऐसे में आर्मी चीफ की उन पर नाराजगी ने इसे सरकार और सेना के बीच तनाव का मामला बना दिया है।

पाकिस्तान के टी-20 वर्ल्डकप में भारत से खेलने से मना करने फिर कुछ दिन बाद इसके लिए राजी होने और आक्रामक बयानबाजी ने चीजों को बद से बदतर कर दिया। मोहसिन नकवी ने मैच से पहले बड़ी-बड़ी बातें करते हुए सेना का जिक्र अपने बयान में किया था।

भारत से मैच और आईसीसी की 'धमकियों' को लेकर पाकिस्तान के रवैये के बारे में पूछे जाने पर नकवी ने कहा था कि ना तो वह, ना पाकिस्तान सरकार और ना असीम मुनीर किसी से डरते हैं। इस तरह की आक्रामक बयानबाजी के बाद करारी हार के चलते पाकिस्तान को शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है। इसने मुनीर की नाराजगी को बढ़ाया है।

दावा किया गया है कि मैच से पहले की गई बातों के लिए मोहसिन नकवी ने सेना से हरी झंडी नहीं ली थी। सरकार के करीबी सूत्रों का कहना है कि असीम मुनीर इस बात से नाराज थे कि उन्हें उस मामले में घसीटा जा रहा है। मुनीर का कहना है कि यह मामला नकवी को क्रिकेट और एडमिनिस्ट्रेटिव तक रखना चाहिए था।

असीम मुनीर पहले ही नकवी के बयानों से खुश नहीं थे। भारत से बड़ी मिली हार ने मामले को और बढ़ा दिया। आर्मी लीडरशिप ने नतीजे को सामान्य खेल से ज्यादा माना है।

भारतीय मूल के व्यक्ति को पांच महीने की सजा

महिला के साथ छेड़छाड़ करने का था आरोप

सिंगापुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। सिंगापुर में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को पांच महीने जेल की सजा सुनाई गई है। आरोप है कि भारतीय मूल के व्यक्ति ने एक महिला के साथ आपराधिक बल प्रयोग किया था। सोमवार को एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने उसकी मर्यादा भंग की।

42 वर्षीय ओम कुमार राय ने आरोप स्वीकार कर लिया है। स्ट्रेट्स टाइम्स ने बताया कि पीड़ित का नाम और घटना स्थल की जानकारी अदालती दस्तावेजों से हटा दी गई थी।

महिला के पिता का सहकर्मी था आरोपी

राय, जिसे शुक्रवार को सजा सुनाई गई। उसने 17 जून, 2025 की सुबह 22 वर्षीय महिला से संपर्क किया। राय ने दावा किया कि वह उसके पिता का सहकर्मी था। उसने उससे बातचीत शुरू करने की कोशिश की। अभियोजन पक्ष के अनुसार, राय ने बातचीत के बहाने महिला को एक सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ छेड़छाड़ की।

महिला ने उसे धक्का देकर भगा दिया और खुद भाग गई। बाद में उसने घटना के बारे में अपने माता-पिता को बताया और उसी दिन सुबह लगभग 9 बजे पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। सिंगापुर के दैनिक समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, अभियोजकों ने ओम के लिए पांच से छह महीने की जेल की सजा की मांग की, क्योंकि पीड़ित के साथ उसका संपर्क निस्संदेह दखलंदाजी भरा था। किसी की मर्यादा भंग करने के इरादे से आपराधिक बल का प्रयोग करने पर, अपराधी को तीन साल तक की कैद, जुर्माना, बेंत से पिटाई या ऐसे किसी भी दंड का संयोजन दिया जा सकता है।

सूर्य ग्रहण: फाल्गुन अमावस्या पर नहीं रहेगा सूर्य ग्रहण का सूतक

मंगलवार, 17 फरवरी (फाल्गुन अमावस्या) को सूर्य ग्रहण हो रहा है, लेकिन ये ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा, इसकारण देश में इस ग्रहण का सूतक नहीं रहेगा। पूरे दिन फाल्गुन अमावस्या से जुड़े शुभ काम किए जा सकेंगे।

17 फरवरी को सूर्य ग्रहण होगा। ये सूर्य ग्रहण वलयाकार दिखेगा यानी जब चंद्रमा सूर्य को पूरी तरह ढक नहीं पाता और सूर्य का बाहरी भाग एक चमकदार अंगूठी (रिंग ऑफ फायर) के रूप में दिखाई देता है।

यह खगोलीय घटना तब होती है जब चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच से गुजरता है और सूर्य का प्रकाश आंशिक रूप से पृथ्वी तक पहुंचने से रोक लेता है। वलयाकार ग्रहण में चंद्रमा सूर्य के आकार से थोड़ा छोटा दिखाई देता है, इसलिए सूर्य के केंद्र को ढकते हुए भी सूर्य पूरी तरह छिप नहीं पाता, जिससे प्रकाश की चमक एक वलय की तरह बनती है।

कहां-कहां दिखेगा यह ग्रहण

यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। सूर्य ग्रहण अंटार्कटिका में वलयाकार दिखेगा। दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में आंशिक सूर्य ग्रहण दिखेगा। महासागरों हिंद, अटलांटिक और पेसिफिक के कुछ क्षेत्रों में भी ग्रहण के आंशिक रूप से दिखाई देगा।

भारतीय समयानुसार ग्रहण दोपहर में लगभग 3.26 बजे शुरू होगा। ग्रहण की समाप्ति शाम को लगभग 7.57 बजे होगा।

मान्यता है कि ग्रहण के समय जब सूर्य का प्रकाश पृथ्वी पर नहीं पहुंचता है, तब तीन लोकों स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल पर प्रभाव पड़ता है। ग्रंथों में इस समय को अशुभ माना गया है। इसलिए सूर्य ग्रहण के समय विवाह, जनेऊ संस्कार, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक काम नहीं किए जाते हैं। इस दौरान पूजा-पाठ भी नहीं की जाती है। ग्रहण के समय में मानसिक रूप से मंत्र जप किए जाते हैं और जरूरतमंद लोगों को दान-पुण्य किया जाता है।

सूतक काल वह समय है जो सूर्य ग्रहण शुरू होने से करीब 12 घंटे पहले शुरू हो जाता है और ग्रहण खत्म होने के साथ खत्म होता है। चूंकि 17 फरवरी का ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए यहां सूतक काल भारत में मान्य नहीं होगा।

फाल्गुन अमावस्या पर करें ये शुभ काम

हैदराबाद के ज्योतिषाचार्य पढरीनाथ नर्सीकर के मुताबिक, इस सूर्य ग्रहण का सूतक नहीं रहेगा, इसलिए पूरे दिन फाल्गुन पूर्णिमा से जुड़े धर्म-कर्म किए जा सकेंगे। इस दिन नदी स्नान, दान-पुण्य, पूजा-पाठ, पितरों के लिए श्राद्ध-तर्पण कर सकते हैं।

हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ करें।

शिवलिंग पर जल-दूध चढ़ाएं। बिल्व पत्र, आंकड़े के फूल, धतूरा, गुलाब चढ़ाएं। भगवान को चंदन का लेप लगाएं। धूप-दीप जलाएं। मिठाई का भोग लगाएं। आरती करें। ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें।

भगवान विष्णु और महालक्ष्मी का अभिषेक करें। ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें।

बाल गोपाल को माखन-मिश्री का भोग लगाएं। कृं कृष्णाय नमः मंत्र का जप करें।

गुस्से की वजह से टूट जाते हैं रिश्ते:संत की सीख

झगड़े की जड़ गुस्सा है, अगर कोई एक व्यक्ति शांत रहे तो झगड़ा बढ़ता नहीं है

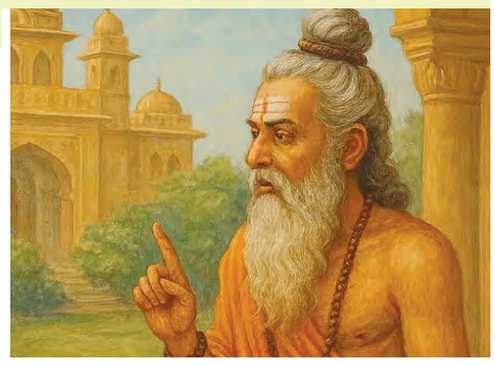

गुस्सा एक ऐसी बुरी आदत है, जो पल भर में रिश्तों को तोड़ देती है। ये बात एक लोक कथा से समझ सकते हैं। पुराने समय में एक संत भिक्षा मांगते हुए एक सेठ के घर पहुंचे। सेठ धार्मिक स्वभाव का था। उसने आदर से संत को एक चावल दान में दे दिया। दान देने के बाद सेठ ने विनम्रता से कहा कि गुरुदेव, मैं आपसे एक सवाल पूछना चाहता हूं।

संत बोले कि ठीक है, पूछो क्या पूछना चाहते हो?

सेठ ने कहा कि गुरुजी, लोग लड़ाई-झगड़ा क्यों करते हैं?

संत ने अचानक कठोर आवाज में कहा कि मैं यहां भिक्षा लेने आया हूं, तुम्हारे बेकार सवालों का जवाब देने नहीं।

संत के मुंह से ऐसा सुनते ही सेठ का चेहरा लाल हो गया। उसे बहुत बुरा लगा। वह सोचने लगा कि मैंने इन्हें दान दिया और ये मुझसे ऐसे बात कर रहे हैं।

सेठ का गुस्सा बढ़ गया और उसने संत को खूब खरी-खोटी सुना दी। आवाज ऊंची हो गई, शब्द कठोर हो गए।

कुछ देर बाद जब सेठ का गुस्सा थोड़ा शांत हुआ, तब संत मुस्कुराए और बोले कि तुमने अभी पूछा था कि लोग झगड़ा क्यों करते हैं। जैसे ही मैंने तुम्हें कुछ बुरा कहा, तुम्हें गुस्सा आ गया। तुम मुझ पर चिल्लाने लगे। अगर मैं भी तुम्हारी तरह गुस्सा करता, तो बात यहीं से झगड़े में बदल जाती।

सेठ चुप हो गया। उसे अपनी गलती समझ में आने लगी।

संत ने समझाया कि झगड़े की जड़ गुस्सा है। अगर दो पक्षों में से कोई एक भी शांत रहे, तो झगड़ा बढ़ता नहीं है। गुस्से में हम सही-गलत नहीं सोच पाते। छोटी बात बड़ी बन जाती है।

सेठ ने संत से माफी मांगी और संकल्प लिया कि वह आगे से अपने गुस्से पर काबू रखेगा।

किस्से की सीख

इस छोटी सी घटना ने सेठ को जीवन की बड़ी सीख दी- गुस्से में नहीं, धैर्य में ताकत होती है। हमें भी गुस्से को काबू करना चाहिए और हर स्थिति धैर्य बनाए रखना चाहिए। गुस्सा काबू करना चाहते हैं, तो ये बातें आपके काम आ सकती हैं...

रुक कर सोचें

जब भी गुस्सा आए, तुरंत जवाब न दें। कुछ बोलने से पहले सोच-विचार जरूर करें। थोड़ा रुकने से दिमाग शांत होता है और गलत शब्द मुंह से नहीं निकलते।

गहरी सांसें लें

4-5 बार लंबी गहरी सांस लें और धीरे-धीरे छोड़ें। इससे दिल की धड़कन सामान्य होती है और मन शांत हो जाता है।

जगह बदल लें

अगर माहौल ज्यादा ही गरम हो रहा है, तो कुछ देर के लिए वहां से हट जाएं। थोड़ी सी दूरी कई बार बड़ी लड़ाई को रोक देती है।

अपनी बात शांत तरीके से रखें

चिल्लाने से बात नहीं बनती। अपनी बात स्पष्टता के साथ और आराम से कहें। दूसरों को उत्तेजित करने वाले शब्दों से बचें।

हर बात दिल पर न लें

कई बार लोग गुस्से में कुछ भी बोल देते हैं। हर बात को अपने ऊपर लेना सही नहीं है। सामने वाला भी किसी तनाव में हो सकता है, उसकी परेशानी समझें और धैर्य से बात करें।

अपनी नींद और सेहत का ध्यान रखें

कम नींद, ज्यादा तनाव और थकान भी गुस्से की वजह बनते हैं। सही खान-पान और पूरी नींद से स्वभाव शांत रहता है।

माफी मांगना सीखें

अगर आपसे गलती हो जाए तो सॉरी बोलने में देर न करें। इससे रिश्ता बच जाता है और मन हल्का हो जाता है।

धैर्य को आदत बनाएं

हर दिन खुद से वादा करें कि छोटी-छोटी बातों पर परेशान नहीं होंगे। धीरे-धीरे यह आपकी आदत बन जाएगी।

भगवान को ढूंढा और दुनिया की वस्तुओं को खोजा जाए

ढूंढना और खोजना, दो अलग-अलग बातें हैं। ढूंढा उसे जाता है, जो पहले से प्राप्त हो और आप कहीं रखकर भूल गए। खोजा उसे जाता है, जो अप्राप्त हो। इसलिए भगवान को ढूंढा जाए और दुनिया की वस्तुओं को खोजा जाए। क्योंकि परमात्मा की प्राप्ति, प्राप्त की ही प्राप्ति है और संसार की वस्तुएं अप्राप्त की प्राप्ति हैं। आजकल एआई के माध्यम से अप्राप्त की प्राप्ति बहुत आसान हो गई। इसका जन्म कोई आज नहीं हुआ। लगभग 75

साल पहले एलन ट्यूरिंग ने दिमाग वाली मशीन बना दी थी और उसी के माध्यम से द्वितीय विश्व युद्ध में हिटलर को हराया गया। दुनिया के देश जान चुके हैं कि एआई के जो फायदे होंगे वो अपनी जगह, पर जो नुकसान है- वह बहुत बड़ा विस्फोट होगा।

हमें एक निजी अनुशासन बना लेना चाहिए कि हम किस सीमा तक इस भस्मासुर का सदुपयोग करें। और उसके बाद एक लक्ष्मण रेखा खींच ली जाए कि न तो यह रावण अंदर आ सके और न ही हमारी शांति, शक्ति और भक्ति रूपी सीता बाहर जा सके।

क्यों फुलेरा दूज पर राधा-कृष्ण ने खेली थी पहली फूलों वाली होली

ब्रज की माटी में जब फाल्गुन की बयार बहती है, तो कण-कण राधे-कृष्ण के प्रेम रंग में रंग जाता है। इसी पावन मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को फुलेरा दूज का पर्व मनाया जाता है, जो इस वर्ष 19 फरवरी 2026 को है। यह केवल एक तिथि नहीं, बल्कि प्रेम की वह पराकाष्ठा है जहां रंगों से पहले खुशबूदार फूलों से होली खेलने की परंपरा शुरू हुई। अक्सर लोग इसे अबूझ मुहूर्त या विवाह के सबसे शुभ दिन के रूप में जानते हैं, लेकिन इसके पीछे छिपी पौराणिक कथा हृदय को छू लेने वाली है। तो आइए जानते हैं क्यों फुलेरा दूज के दिन फूलों से होली खेलने की परंपरा शुरू हुई।

क्यों खेली गई थी पहली फूलों वाली होली ?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक समय भगवान श्री कृष्ण अपनी व्यस्तताओं के कारण लंबे समय तक राधा रानी से मिलने वृंदावन नहीं जा पाए थे। कृष्ण के वियोग में राधा रानी अत्यंत उदास रहने लगीं। उनकी उदासी का प्रभाव पूरे ब्रज की प्रकृति पर पड़ने लगा। फूल मुरझा गए, पत्तियां सूखने लगीं और प्रकृति की हरियाली लुप्त होने लगी। जब श्री कृष्ण को इस बात का आभास हुआ, तो वे तुरंत राधा जी से मिलने पहुंचे। राधा रानी को सामने पाकर कृष्ण ने पास ही खिले एक फूल को तोड़कर उन पर फेंक दिया। जवाब में राधा जी ने भी कृष्ण पर फूल फेंके। देखते ही देखते वहां मौजूद गोप-ग्वालों ने भी एक-दूसरे पर फूलों की वर्षा शुरू कर दी। कहते हैं कि उस दिन समूचे ब्रज में फूलों की इतनी वर्षा हुई कि सूखी हुई प्रकृति फिर से खिल उठी। तभी से फाल्गुन की इस द्वितीया को 'फुलेरा दूज' कहा जाने लगा और फूलों की होली की परंपरा शुरू हुई।

फुलेरा दूज का आध्यात्मिक और ज्योतिषीय महत्व

साक्षात अबूझ मुहूर्त

हिंदू धर्म शास्त्र के अनुसार, फुलेरा दूज का पूरा दिन 'अबूझ मुहूर्त' माना जाता है। इसका अर्थ है कि इस दिन कोई भी शुभ कार्य करने के लिए पंचांग देखने या किसी ज्योतिषी से मुहूर्त पूछने की आवश्यकता नहीं होती। यह दिन स्वयं में ही अत्यंत शुद्ध और दोषमुक्त है।

प्रेम और वैवाहिक सुख का वरदान

जो लोग वैवाहिक जीवन में तनाव का सामना कर रहे हैं या जिनके विवाह में देरी हो रही है, उनके लिए यह दिन वरदान समान है। इस दिन राधा-कृष्ण की संयुक्त पूजा करने से प्रेम संबंधों में मधुरता आती है।

वसंत ऋतु का पूर्ण प्रभाव

यह दिन शीत ऋतु के जाने और वसंत के पूर्ण रूप से छा जाने का प्रतीक है। आयुर्वेद के नजरिए से भी यह समय मन को प्रसन्न करने वाला और स्वास्थ्यवर्धक माना गया है।

जब सूर्य देव ने बुझाई समुद्र की प्यास

विषादग्रस्त समुद्र को देख कर सूर्यदेव ने प्रश्न किया, ''हे रत्नाकर, आपकी यह दशा क्यों हुई ? यदि मैं आपके दुख निवारण में किंचित सहायक हो सका तो अपने आपको सौभाग्यशाली समझूंगा।''

समुद्र ने अपनी व्यथा प्रकट करते हुए कहा, ''हे आदित्य, मेरे पास अथाह जल का भंडार है, परंतु मैं इस जल राशि से एक पक्षी की भी प्यास नहीं बुझा सकता। मैं लोक कल्याण हेतु जल का उपयोग करने में असमर्थ हूं। बस इसी पीड़ा से मैं अत्यधिक व्यथित रहता हूं।''समुद्र के दुख का कारण जानकर सूर्य ने कहा, ''हे महासागर ! ऐसी संपदा जो अपनी विशालता प्रदर्शित करने के लिए ही संचित की जाए और उसे लोक कल्याण में व्यय न किया जाए, वह सम्पत्ति इस खारे जल के समान ही अनुपयोगी और व्यर्थ सिद्ध होती है तथा अनेकानेक दुखों का कारण भी बनती है इसलिए बुद्धिमान को चाहिए कि अपने द्वारा संचित धन का समुचित अंश जन कल्याण हेतु समर्पित कर यश का भागी बने।''समुद्र ने शंका प्रकट की, ''परंतु मित्र मैं इस खारे पानी को किस प्रकार उपयोगी और हितकर बना सकता हूं। आदित्य, यदि आप कुछ उपाय करें तो मैं भी परमार्थ करके अपने को कृतकृत्य समझूंगा।''

सूर्य ने कहा, ''मैं अपनी तेज ऊष्मा से महान जलराशि का कुछ अंश वाष्पित कर दूंगा। ये वाष्प समूह ऊपर उठकर घटाओं के रूप में परिवर्तित हो जाएंगे। वायु के वेग से ये घटाएं सुदूर क्षेत्र में भिन्न-भिन्न स्थलों में वर्षा करके धरती और समस्त प्राणियों को तृप्त कर देंगी।''

तुरंत ही दोनों ने मिल कर पवन देव को इस योजना की जानकारी देकर सहयोग के लिए प्रार्थना की। वह सहर्ष इस पुनीत कार्य में सहयोग देने के लिए तैयार हो गए। फिर क्या था, सूर्य ने प्रचंड गर्मी से समुद्र के जल को वाष्पित करना शुरू किया। वाष्पकणों से निर्मित काली घनी घटनाओं को वायु ने तीव्र गति से विभिन्न दिशाओं की ओर पहुंचाया।रिमझिम बारिश से प्यासी धरा की तृषा शांत हो गई। पृथ्वीवासी सभी प्राणी प्रसन्न हो गए। अनेकानेक जीव-जंतु अपनी मधुर आवाज से हर्षयुक्त कोलाहल करने लगे। वास्तव में वह कोलाहल मात्र न होकर अपने जल प्रदाता के निमित कृतज्ञता ज्ञापन और उसका यशगान था। नवांकुरित पौधों से सारी वसुधा हरी-भरी हो गई। शुष्क सरोवर जल से परिपूर्ण हो गए। नदियां पर्याप्त जल सम्पदा से उफनने लगीं और अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए तीव्र गति से दौड़ पड़ीं, महान परोपकारी समुद्र की ओर। मार्ग में तालाबों, झरनों और छोटे नदी नालों ने भी समुद्र के लिए जल दान किया और उसकी प्रशंसा की। बड़ी नदियां एकत्रित जल लेकर चल पड़ीं। मीठी जल राशि का विशाल भंडार ले जाकर नदियों ने परोपकारी सागर को सर्वस्व समर्पित कर दिया। मीठे जल से संतृप्त उस महासागर को तब कितना संतोष और शांति मिली, यह उसके सिवा और कौन जान सकता है ? सूरज ने देखा कि समुद्र के जल स्तर में रत्ती भर की कमी नहीं आई थी और न ही स्वयं के तेज में। इस कार्य में सहयोगी हवा भी सोंधी महक से सुरभित हो गई थी।

ऑफिस में बढ़ रही है टेंशन और बॉस से अनबन ?

बस अपनी डेस्क पर कर लें ये 3 छोटे वास्तु बदलाव

आज के भागदौड़ भरी जिंदगी में ऑफिस का तनाव और काम का दबाव एक ऐसी सच्चाई बन गया है, जिससे लगभग हर कामकाजी व्यक्ति जूझ रहा है। कई बार हम दिन-रात मेहनत करते हैं, फिर भी परिणाम उम्मीद के मुताबिक नहीं मिलते। कभी काम का बोझ पहाड़ जैसा लगने लगता है, तो कभी बॉस के साथ बिना वजह की अनबन मानसिक शांति छीन लेती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, हम जिस स्थान पर बैठकर अपने दिन के 8 से 9 घंटे बिताते हैं, वहां की ऊर्जा सीधे तौर पर हमारे सोचने की क्षमता और प्रदर्शन को प्रभावित करती है। एक अव्यवस्थित डेस्क या गलत दिशा में बैठना न केवल आपके काम में बाधा डालता है, बल्कि नकारात्मकता को भी आमंत्रित करता है। यदि आप भी ऑफिस में भारीपन महसूस करते हैं, तो अपनी डेस्क पर ये 3 छोटे वास्तु बदलाव करें, जो आपके करियर की दिशा बदल सकते हैं।

बैठने की दिशा और डेस्क की स्थिति

वास्तु में दिशाओं का बहुत महत्व है। यदि आपकी पीठ ऑफिस के मुख्य दरवाजे की ओर है, तो यह तनाव और असुरक्षा की भावना पैदा करता है। हमेशा कोशिश करें कि काम करते समय आपका चेहरा उत्तर या पूर्व दिशा की ओर हो। उत्तर दिशा धन और अवसरों की मानी जाती है, जबकि पूर्व दिशा नई ऊर्जा और रचनात्मकता लाती है। अपनी पीठ के पीछे एक मजबूत दीवार रखें, यह आपको मानसिक सहारा और आत्मविश्वास प्रदान करती है।

डेस्क पर बांस का पौधा या क्रिस्टल रखे

आपकी डेस्क पर रखी चीजें आपकी मानसिक स्थिति को प्रभावित करती हैं। एक बिखरी हुई और अव्यवस्थित मेज मानसिक भ्रम पैदा करती है। अपनी डेस्क के उत्तर-पूर्वी कोने में एक छोटा Lucky Bamboo का पौधा रखें। यह न केवल हवा को शुद्ध करता है, बल्कि आपके आस-पास की नकारात्मक ऊर्जा को भी सोख लेता है। यदि बॉस के साथ रिश्ते तनावपूर्ण हैं, तो डेस्क पर एक क्रिस्टल ग्लोब या क्विंट्ज़ क्रिस्टल रखें। यह Communication में सुधार लाता है और बिगड़े हुए रिश्तों को संभालने में मदद करता है।

गैजेट्स और फाइलों का सही प्रबंधन

अक्सर हम अपनी डेस्क पर इलेक्ट्रॉनिक सामान और पुरानी फाइलों का ढेर लगा लेते हैं, जिससे ऊर्जा का प्रवाह रुक जाता है। वास्तु के अनुसार, कंप्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स को डेस्क के दक्षिण-पूर्व कोने में रखना चाहिए। यह अग्नि की दिशा है जो आपको ऊर्जावान बनाए रखती है। काम पूरा होने के बाद अपनी मेज को साफ करना न भूलें। रुकी हुई फाइलें और बंद पड़ी घड़ियां या पेन तरक्की में बाधा बनते हैं। अपनी टेबल के Central Space हमेशा खाली रखें ताकि विचारों का आदान-प्रदान सुगम हो सके।

वास्तु दोष से पाना चाहते हैं छुटकारा तो चावल के डिब्बे में छिपाएं ये शुभ वस्तु

चावल के डिब्बे में रखें ये तीन चीजें

चांदी का सिक्का

चावल का संबंध चंद्रमा और शुक्र ग्रह से है। शुक्र धन और वैभव का कारक है। चावल के डिब्बे के अंदर एक साफ चांदी का सिक्का नीचे की ओर छिपा कर रख दें। ऐसा करने से घर में शुक्र ग्रह मजबूत होता है और धन के नए स्रोत खुलते हैं। यदि चांदी का सिक्का न हो, तो आप साधारण सिक्का भी रख सकते हैं, लेकिन चांदी सर्वोत्तम है।

साबुत हल्दी की गांठ

हल्दी को शुभता और शुद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसका संबंध बृहस्पति ग्रह से है। चावल के डिब्बे में हल्दी की एक साबुत गांठ रख दें। यह उपाय घर से वास्तु दोष और नकारात्मक ऊर्जा को सोख लेता है। यह परिवार के सदस्यों के बीच सामंजस्य बढ़ाता है और कार्यों में आने वाली बाधाओं को दूर करता है।

लाल रेशमी कपड़े में पांच इलायची

हरी इलायची बुध ग्रह और शुक्र दोनों को प्रभावित करती है। पांच छोटी इलायची को एक छोटे से लाल रेशमी कपड़े में बांधकर चावल के ढेर के बीच में दबा दें। यह बरकत का टोटका माना जाता है। इससे घर में फिजूलखर्ची रुकती है और अन्नपूर्णा माता का आशीर्वाद सदैव बना रहता है।

चावल से जुड़े कुछ खास वास्तु नियम

चावल का डिब्बा कभी भी पूरी तरह खाली नहीं होना चाहिए। इसे खत्म होने से पहले ही दोबारा भर दें। खाली डिब्बा दुर्भाग्य का संकेत माना जाता है।

चावल के डिब्बे को हमेशा उत्तर-पूर्व या दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना शुभ होता है। डिब्बे के आसपास गंदगी न रहने दें। पूजा में हमेशा साबुत चावल (अक्षत) का ही प्रयोग करें, टूटे हुए चावल वास्तु दोष बढ़ाते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
मंगलवार, 17 फरवरी - 2026

बहुध्रुवीय विश्व और भारत

आज वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहाँ पुराने ढांचे कमजोर दरकने लगे हैं तो नई शक्तियाँ उभरने लगी हैं। ऐसे समय में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का भारत को लेकर दिया गया विश्वास न सिर्फ एक औपचारिक बयान है, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था का संकेत भी है। अब भारत केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक समाधान देने वाला देश बनने लगा है। गुटेरेस का कथन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं रहा। डिजिटल टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप इकोसिस्टम और तेज आर्थिक विकास ने भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को उभार दिया है। आज दुनिया को ऐसी अर्थव्यवस्थाओं की जरूरत है जो विकास के साथ स्थिरता और समावेशिता भी सुनिश्चित कर सकें तो भारत उसी दिशा में आगे सरपट दौड़ता नजर आ रहा है। विश्व अब बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। लंबे समय तक वैश्विक निर्णयों पर कुछ ही शक्तियों का प्रभाव रहा, लेकिन अब आर्थिक और राजनीतिक संतुलन बदल रहा है। लेकिन भारत की नई सोच का संकेत है जिसमें विकासशील देशों को निर्णय प्रक्रिया में बराबरी का स्थान मिले। भारत जैसे देश, जो लोकतांत्रिक ढांचे और तेज विकास का संयोजन प्रस्तुत करते हैं, इस बदलाव के स्वाभाविक दावेदार बन रहे हैं। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नई तकनीकों के दौर में यह चिंता भी है कि लाभ केवल विकसित देशों तक सीमित न रह जाए। इसके लिए आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती में जहां देश की पहली यूनिवर्सिटी खुलने जा रही है तो विशाखापत्तनम एआई डेटा सिटी। डिजिटल सार्वजनिक ढांचे, सस्ती तकनीक और बड़े पैमाने पर नवाचार के जरिए भारत ने दिखाया है कि तकनीक का फायदा आम नागरिक तक कैसे पहुँचाया जा सकता है? यही मॉडल दुनिया के कई देशों के लिए प्रेरणा बन सकता है। वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है। सुरक्षा परिषद जैसी संस्थाओं की वर्तमान संरचना आज के भू-राजनीतिक यथार्थ को पूरी तरह प्रतिबिंबित नहीं करती। जब महासचिव स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि सुधार जरूरी हैं, तो यह उन देशों के पक्ष को मजबूती देता है जो लंबे समय से प्रतिनिधित्व और संतुलन की मांग कर रहे हैं। भारत इस मुद्दे पर लगातार आवाज उठाता रहा है और अब उसे व्यापक समर्थन भी मिलने लगा है। इस बढ़ते विश्वास के साथ जिम्मेदारियाँ भी बढ़ती हैं। भारत को अपनी आर्थिक प्रगति, सामाजिक समावेशन और तकनीकी नवाचार की गति बनाए रखनी होगी। केवल बड़ी अर्थव्यवस्था बनना काफी नहीं, बल्कि ऐसी विकास यात्रा दिखानी होगी जो विश्व के लिए आदर्श बन सके। व्यापार, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के मजबूत नेटवर्क के बिना यह संभव नहीं है। आज दुनिया संघर्षों, आर्थिक असमानताओं और जलवायु चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे में भारत की भूमिका केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक और कूटनीतिक भी होनी चाहिए। शांति, सहयोग और बहुपक्षीयता की जिस नीति को भारत लंबे समय से आगे बढ़ाता आया है, वही वैश्विक स्थिरता के लिए जरूरी आधार बन सकती है। अंततः, यह कहना गलत नहीं होगा कि दुनिया भारत को अब नए नजरिए से देख रही है। यह अवसर भी है और परीक्षा भी। अगर भारत अपनी नीतिगत स्पष्टता, तकनीकी प्रगति और वैश्विक सहयोग की भावना को बनाए रखता है, तो वह आने वाले वर्षों में विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था का केंद्रीय स्तंभ बन सकता है।

‘वंदे मातरम’: देशप्रेम का जयघोष

प्रदीप कुमार वर्मा

‘वंदे मातरम’ जैसा कालजयी गीत कभी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्ति और बलिदान की भावना जगाने का यह सबसे बड़ा माध्यम था। भारत माता को अंग्रेजी सरकार की गुलामी की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए आजादी के मतवालों द्वारा इस गीत के जरिये भारत माता की वंदना की जाती थी लेकिन स्वाधीनता सेनानियों द्वारा गाया जाने वाला गीत ‘वंदे मातरम्’ आज एक बार फिर से चर्चा में है। केंद्र सरकार द्वारा ‘वंदे मातरम्’ के गायन को अनिवार्य किए जाने के बाद देश में आज इसके अनिवार्य गायन औचित्य एवं उपयोगिता को लेकर एक और फिर से नई बहस छिढ़ गई है। एक तरह से यह भारत देश का दुर्भाग्य ही माना जाएगा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत की संकल्प की ओर बढ़ते भारत में आज भी ₹राष्ट्र गीत₹ के गायन को लेकर चर्चा चरम पर है। देश की संसद से लेकर सड़क तथा सरकार से लेकर सामाजिक मंचों पर यही विमर्श चल रहा है।

देश में एक पक्ष का कहना है कि ‘वंदे मातरम्’ केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है। यह राष्ट्रभक्ति और एकता की भावना को जगाने वाला गीत है, जिसे हर नागरिक को सम्मानपूर्वक गाना चाहिए। ‘वंदे मातरम’ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की संजीवनी और देशप्रेम का जय घोष भी है जो नई पीढ़ी को देश की प्राचीन संस्कृति से आत्मसात कराएगा। वही,दूसरे पक्ष में शामिल कांग्रेस समेत देश विपक्षी दलों और मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड जैसे संगठनों का कहना है कि यह संवैधानिक रूप से दी गई धार्मिक स्वतंत्रता के अनुच्छेद 25 के खिलाफ है।

इसलिए वंदे मातरम’ गायन की अनिवार्यता और इसे जबरन थोपना लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला है। मुस्लिम संगठनों का मुख्य विरोध 'वंदे मातरम' के गायन में भारत को देवी के रूप में प्रस्तुत करने में कथित तौर पर मूर्ती पूजा और आनंदमठ उपन्यास के अन्य संदर्भों से है,जिसे वे अपनी आस्था के खिलाफ मानते हैं। मुस्लिम पक्ष का कहना है कि वंदे मातरम में भारत भूमि की पूजा का भाव है जबकि इस्लाम में अल्लाह के सिवाय किसी अन्य की इबादत की अनुमति नहीं है। यही वजह है कि आज यह मुद्दा देशभक्ति और धार्मिक स्वतंत्रता के बीच एक संवेदनशील बहस बना हुआ है। ‘वंदे मातरम्’ के गायन एवं उपयोग के इतिहास पर गौर करें तो पता चलता है कि पुराने जमाने में भी वंदे मातरम के कुछ छंदों को लेकर विवाद होता रहा है। यही वजह रही कि स्वाधीनता संग्राम में इस गीत की निर्णायक भागीदारी के बावजूद जब आज़ाद भारत मे राष्ट्रगान के चयन की बात आई, तो वन्दे मातरम् के स्थान पर रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा लिखे व गाये गये गीत ₹जन गण मन₹ को ही वरीयता दी गयी। तब भी इस चयन की वजह यही थी कि कुछ मुसलमानों को ₹वन्दे मातरम्₹ गाने पर आपत्ति थी क्योंकि इस गीत में देवी दुर्गा को राष्ट्र के रूप में देखा गया है।

इसके अलावा उनका यह भी मानना था कि यह गीत जिस आनन्दमठ उपन्यास से लिया गया है, वह मुसलमानों के खिलाफ लिखा गया है। इन आपत्तियों के मद्देनजर सन 1937 में कांग्रेस ने इस विवाद पर गहरा चिन्तन किया। जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता तथा मौलाना अबुल कलाम आजाद की मौजूदगी में गठित समिति ने पाया कि इस गीत के शुरूआती दो पद तो मातृभूमि की प्रशंसा में कहे गये हैं लेकिन बाद के पदों में हिन्दू देवी-देवताओं का जिक्र होने लगता है;

इसलिये समिति ने यह निर्णय लिया गया कि इस गीत के शुरुआती दो पदों को ही राष्ट्र-गीत के रूप में प्रयुक्त किया जाएगा। और इस तरह गुरुदेव रवीन्द्र नाथ ठाकुर के जन-गण-मन अधिनायक जय हे, को यथावत राष्ट्रगान ही रहने दिया गया और बंकिमचन्द्र चटर्जी द्वारा रचित प्रारम्भिक दो पदों का गीत वन्दे मातरम राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकृत हुआ।

पाकिस्तान की जनता पर लग रहे है झटके पर झटके

अशोक भाटिया

पाकिस्तान की जनता पर लग रहे है झटके पर झटके एक तो भारत के धुरंधर क्रिकेट टीम ने T20 वर्ल्डकप में पाकिस्तान को 61 रनों से करारी हार दी है तो वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान में अब डीजल-पेट्रोल और महंगा हो गया है। पाकिस्तानी सरकार ने अगले 15 दिनों के लिए पेट्रोल की कीमत 5 रुपये प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 7.32 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दी है। यह जानकारी पाकिस्तानी न्यूज चैनल, Geo News ने दे रही है। नई रेट सोमवार, 16 फरवरी से लागू होंगी।

अब पाकिस्तान में पेट्रोल 258.17 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर में मिलेगा, जो पहले 253.17 रुपये था। वहीं डीजल की कीमत बढ़कर 275.70 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर हो गई है, जो पहले 268.38 रुपये थी। बता दें कि पाकिस्तान में फ्यूल की कीमतों की समीक्षा हर 15 दिन में की जाती है। ये कीमतें अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में उतार-चढ़ाव, डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति और देश के अंदर टैक्स में बदलाव के आधार पर तय की जाती हैं।

पाकिस्तान में हाई-स्पीड डीजल की कीमतें ज्यादा चिंता का विषय रहती हैं, क्योंकि इसका इस्तेमाल परिवहन, खेती और बिजली उत्पादन में बड़े पैमाने पर होता है। डीजल महंगा होने से महंगाई बढ़ती है और जरूरी सामानों की कीमतें भी ऊपर जाती हैं।

Geo News के मुताबिक पेट्रोल का इस्तेमाल छोटी गाड़ियों, रिक्शा और दोपहिया वाहनों में ज्यादा होता है। पेट्रोल की कीमतें डीजल जितनी बड़ी समस्या नहीं मानी जातीं, लेकिन इससे मध्यम और निम्न-मध्यम वर्ग के परिवारों के बजट पर असर पड़ता है, जो रोजमर्रा की आवाजाही के लिए पेट्रोल वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। इससे पहले 1 फरवरी की 15 दिन वाली समीक्षा में पाकिस्तान सरकार ने हाई-स्पीड डीजल की कीमत 14 रुपये प्रति लीटर घटाई थी। तब डीजल की कीमत 282.38 रुपये से घटाकर 268.38 रुपये प्रति लीटर कर दी गई थी, जबकि पेट्रोल की कीमत 253.17 रुपये प्रति लीटर पर ही रखी गई थी। पाकिस्तान में इस समय सिर्फ बारूदी बम ही नहीं बल्कि महंगाई वाले बम भी फट रहे हैं, जो शहबाज शरीफ और जनरल मुनीर के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। आर्थिक मोर्चे पर देश गंभीर संकट में है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में गेहूं की कीमतों में एक महीने में 30 से 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्व बैंक ने भी 2025-26 के लिए पाकिस्तान की जीडीपी वृद्धि दर केवल 2.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। देश में आम जनता महंगाई से बुरी तरह प्रभावित है। स्थिति ऐसी है कि चिकन से भी महंगा टमाटर बिक रहा है। चिकन की कीमत जहां 600 प्रति किलोग्राम है, वहीं लाहौर, कराची और

पेशावर जैसे शहरों में टमाटर 700 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। दूसरी ओर बलूचिस्तान में एक बार फिर बलूच विद्रोहियों ने पाकिस्तानी सेना और सुरक्षाबलों को निशाना बनाते हुए बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। इन हमलों को बलूचिस्तान की आजादी की मांग करने वाले बलूच विद्रोही गुटों ने अंजाम दिया है। कई इलाकों में पाकिस्तानी सुरक्षाबल बैकफुट पर नजर आए और कुछ स्थानों पर सरकारी संस्थानों को आग के हवाले कर दिया गया।ये हमले चार शहरों में किए गए- तुरबत, केच, क्वेटा और पंजगुर। तुरबत के डी बलोच इलाके में पाकिस्तानी सुरक्षाबलों पर ग्रेनेड हमला हुआ। अभी तक हताहतों या नुकसान की पुष्टि नहीं हो सकी है। वहीं केच जिले के बुलेदा इलाके में जोरदार विस्फोटों और भारी गोलीबारी की खबरें हैं। इस क्षेत्र में संचार सीमित होने के कारण विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है।

बलूचिस्तान की राजधानी कोटा में हजारगंजी और फैजाबाद इलाकों में पाकिस्तानी सेना की चौकियों पर दो ग्रेनेड हमले किए गए। पंजगुर के वाशबोद इलाके में CPEC हाइवे को बंद कर हथियारबंद लोगों ने वाहनों की तलाशी ली और यात्रियों की पहचान जांची गई। बताया जाता है कि पाकिस्तान में दो पुलिस वाहन जब्त किए गए और उनमें मौजूद हथियार कब्जे में लिए गए। इसके अलावा एक पुलिस थाने को कब्जे में लेकर उसमें आग लगा दी गई। बोनिस्तान इलाके की एक चेकपोस्ट भी हमलावरों के नियंत्रण में आ गई। सरकारी समर्थन प्राप्त मिलिशिया 'डेथ स्क्वाड' के कमांडर कासिम के नेतृत्व में काम करने वाले कुछ सदस्यों के घायल होने की खबर है। हाल ही में हौशाब जिले में एक बड़ा सशस्त्र अभियान हुआ, जिसमें विद्रोहियों ने इलाके का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। NADRA कार्यालय और लेविज स्टेशन को जला दिया गया। इसके अलावा M8 CPEC हाइवे पर एक नाकेबंदी के दौरान 10 गैर-स्थानीय नागरिकों को बंधक बना लिया गया।

बहरहाल मैदान पर टीम इंडिया के गेंदबाजों ने विकेट उखाड़े, तो उधर पाकिस्तान में न जाने कितने टीवी टूटे होंगे। कोलंबो में भारत से मिली शर्मनाक हार के बाद एक पाकिस्तानी फैन का वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि कैसे एक शख्स हार की 'बेइज्जती' बर्दाश्त नहीं कर पाया और हाथ में बल्ला लेकर अपने ही घर के टीवी के परखच्चे उड़ा दिए।

दरअसल, पाकिस्तानी फैन वकार आजम ने जो वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने गुस्से वाले दो इमोजी और एक दिल टूटने वाला इमोजी लगाया। इतना ही उन्होंने अपने कैप्शन में लिखा, भारत ने पाकिस्तान को फिर हरा दिया और मैंने गुस्से में अपना टीवी तोड़ दिया। वीडियो वायरल होने पर लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया भी दी। वहीं, पाकिस्तान में एक यू-ट्यूब चैनल के शो के दौरान भी फैन ने गुस्से में टीवी तोड़ दिया। मालूम हो कि पाकिस्तान में भारत से हार के बाद टीवी तोड़ना अब आम बात हो गई है। हर बार जब पाकिस्तान टीम को हार मिलती है तो पड़ोसी मुल्क में इसी तरह टीवी तोड़े जाते रहे हैं। गौरतलब है कि पाकिस्तान की टीम टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ अब तक इतिहास में केवल एक ही बार जीत हासिल कर पाई है।

सत्ता, सेवा और समाज के त्रिकोण में हिंदुत्व की भूमिका

आरके जैन

सौ वर्षों की यात्रा केवल समय की गणना नहीं होती, बल्कि वह विचारों की साधना, संघर्षों की तपस्या और आत्ममंथन की निरंतर प्रक्रिया होती है। हिंदुत्व की शताब्दी भी इसी ऐतिहासिक चेतना की प्रतीक है, जहां अतीत की स्मृतियां, वर्तमान की चुनौतियां और भविष्य की आकांक्षाएं एक-दूसरे में घुलकर नई दिशा रचती हैं। 27 सितंबर 1925 को नागपुर में केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज केवल एक संगठन नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा से जुड़ा एक व्यापक सांस्कृतिक आंदोलन बन चुका है। एक सदी बाद यह आंदोलन स्वयं से प्रश्न कर रहा है—क्या उसकी वैचारिक दिशा समय के अनुरूप विकसित हो पाई है, या उसे नए संदर्भों में पुनर्परिभाषित करना आवश्यक है? यह शताब्दी केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण, पुनर्संयोजन और नवसृजन का ऐतिहासिक क्षण है, जहां हिंदुत्व अपनी नई पहचान को गढ़ने की प्रक्रिया में दिखाई देता है।

शताब्दी वर्ष में सरसंघचालक मोहन भागवत के विचार इस वैचारिक परिवर्तन की धुरी बनकर उभरे हैं। उनके भाषणों में हिंदुत्व को संकीर्ण धार्मिक दायरों से मुक्त कर एक व्यापक, समावेशी और मानवीय सांस्कृतिक चेतना के रूप में प्रस्तुत किया गया है। वे स्पष्ट करते हैं कि हिंदू होना किसी पूजा-पद्धति तक सीमित नहीं, बल्कि वह एक सभ्यतागत स्वभाव है, जो भारत की विविधता को एक सूत्र में बांधता है। मुस्लिम, ईसाई या सिख—जो भी इस भूमि की साझा विरासत पर गर्व करता है, वह इस परंपरा का अभिन्न अंग है। यह दृष्टिकोण पुराने टकरावपूर्ण नैरेटिव से अलग एक नए संवादात्मक युग की घोषणा करता है, जहां सहअस्तित्व, सहयोग और सम्मान को प्राथमिकता दी जाती है। यही कारण है कि युवा पीढ़ी इस विचारधारा से जुड़ाव महसूस कर रही है और इसे भविष्य की राह के रूप में देख रही है।

री-कैलिब्रेशन की यह प्रक्रिया तब और अधिक स्पष्ट होती है, जब संघ ‘पंच परिवर्तन’ जैसे अभियानों के माध्यम से सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्यों को केंद्र में लाता है। जब भागवत जी भीमराव अंबेडकर के करुणा, पवित्रता और अनुशासन के विचारों का उल्लेख करते हैं, तो हिंदुत्व लोकतांत्रिक और मानवीय मूल्यों से जुड़ता हुआ दिखाई देता है। यह दृष्टि युवाओं को यह सिखाती है कि राष्ट्रवाद केवल भावनात्मक नारों का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक आचरण की मांग करता है। आज की पीढ़ी इस सोच को डिजिटल मंचों, स्टार्टअप संस्कृति, स्वदेशी नवाचार और पर्यावरणीय आंदोलनों से जोड़ रही है। परिणामस्वरूप, हिंदुत्व एक आधुनिक, सक्रिय और रचनात्मक पहचान के रूप में उभर रहा है, जो परंपरा और प्रगति के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास करता है।

फिर भी, यह वैचारिक परिवर्तन बिना सवालों और शंकाओं के नहीं है। आलोचक लगातार पूछते हैं कि क्या यह बदलाव वास्तव में आत्ममंथन का परिणाम है, या केवल समय के अनुरूप अपनाई गई एक रणनीति? क्या हिंदुत्व अपने प्रारंभिक चिंतकों जैसे विनायक दामोदर सावरकर और एम. एस. गोलवलकर की वैचारिक परंपरा से सचमुच आगे निकल पाया है, या केवल उसकी भाषा और प्रस्तुति बदली गई है? इन जटिल प्रश्नों के बीच मोहन भागवत की संवाद, मेल-मिलाप और विश्वास की अपील विशेष महत्व रखती है। वे स्वीकार करते हैं कि इतिहास ने समाज को गहरे घाव दिए हैं, लेकिन उन्हें भरने का रास्ता टकराव नहीं, बल्कि आपसी समझ और धैर्य से होकर जाता है। यह स्पष्टता हिंदुत्व को एक आत्मविश्वासी, परिपक्व और जिम्मेदार विचारधारा के रूप में स्थापित करने का प्रयास प्रतीत होती है।

समाज में उभरते नए नैरेटिव इस परिवर्तन को और अधिक मजबूती प्रदान कर रहे हैं। आज हिंदुत्व धीरे-धीरे किसी एक जाति, वर्ग या समुदाय की पहचान से ऊपर उठकर सामाजिक एकता और सामूहिक चेतना का प्रतीक बनने की कोशिश कर रहा है। सेवा भारती, ग्राम विकास योजनाएं और शिक्षा अभियान इस दिशा में ठोस उदाहरण हैं, जहां सेवा को विचारधारा से जोड़ा गया है। युवा इन पहलों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और राष्ट्र निर्माण को केवल राजनीतिक सत्ता तक सीमित नहीं रखते, बल्कि समाज के हर स्तर से जोड़कर देखते हैं। उनके लिए हिंदुत्व अब मंदिर-मस्जिद की बहसों से आगे बढ़कर रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी आत्मनिर्भरता का व्यापक मंच बन चुका है, जो इसे एक जीवंत सामाजिक आंदोलन का स्वरूप देता है।

डिजिटल युग में यह विचारधारा और भी नए रूपों में सामने आ रही है। सोशल मीडिया, पॉडकास्ट, ब्लॉग और ऑनलाइन अभियानों के माध्यम से युवा अपनी सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत कर रहे हैं। वे स्वदेशी उत्पादों, हरित ऊर्जा और भारतीय ज्ञान-परंपरा को आधुनिक संदर्भों से जोड़कर एक नए राष्ट्रवादी विमर्श का निर्माण कर रहे हैं। हालांकि, इसके साथ-साथ इस्लामोफोबिया, असहिष्णुता और जातीय श्रेष्ठता जैसे आरोप भी उभरते हैं, जो इस आंदोलन की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। संघ नेतृत्व इन प्रवृत्तियों से स्वयं को अलग रखते हुए सेवा, अनुशासन और समावेश पर निरंतर जोर देता है। इससे यह संदेश जाता है कि पुनर्संयोजन केवल भाषणों और नारों तक सीमित नहीं, बल्कि व्यवहार, सोच और सामाजिक आचरण में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए।

वैश्विक मंच पर हिंदुत्व को कई बार फार-राइट आंदोलन के चश्मे से देखा जाता है, किंतु भारत के भीतर यह स्वयं को राष्ट्र निर्माण की एक जीवंत प्रयोगशाला के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। शिक्षा में भारतीय दृष्टिकोण का पुनर्स्थापन, ग्रामोदय की अवधारणा, स्वदेशी अर्थव्यवस्था का विस्तार और सांस्कृतिक कूटनीति के नए प्रयोग इसके उभरते आयाम हैं। इन सभी प्रयासों के केंद्र में युवा शक्ति खड़ी है, जिनकी ऊर्जा, तकनीकी दक्षता और नवाचारशीलता इस विचारधारा को भविष्य की दिशा में ले जा रही है। यही वह संक्रमणकाल है, जो तय करेगा कि हिंदुत्व एक सीमित और बंद विचार-प्रणाली बनकर रह जाएगा या एक खुला, संवादशील और वैश्विक समाधान प्रस्तुत करने वाला व्यापक दर्शन के रूप में विकसित होगा।

हिंदुत्व की शताब्दी एक ऐतिहासिक मोड़ का प्रतीक बनकर सामने आती है। यह वह क्षण है, जहां अतीत की विरासत और भविष्य की आकांक्षाएं आमने-सामने खड़ी होकर नई दिशा की मांग कर रही हैं। यदि समावेश, संवाद और सेवा को वास्तव में इस विचारधारा का केंद्र बनाया गया, तो हिंदुत्व विविधता में एकता का सशक्त और प्रेरक उदाहरण बन सकता है। किंतु यदि पुराने विभाजन, संकीर्णता और अविश्वास हावी रहे, तो यह ऐतिहासिक अवसर हाथ से निकल भी सकता है। युवाओं की भागीदारी, नेतृत्व क्षमता और वैचारिक परिपक्वता इस प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाएगी। संभवतः यही इस शताब्दी का सबसे बड़ा संदेश है—कि हिंदुत्व स्वयं को नए सिरे से गढ़ रहा है, और उसका भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वह अपने पुनर्संयोजन को कितनी ईमानदारी, संवेदनशीलता और दूरदृष्टि के साथ अपनाता है।

स्टेथोस्कोप का विलाप

डॉ. सुरेश कुमार

मैं उस सरकारी डॉक्टर के चेहरे को गौर से देख रहा हूँ। चेहरा क्या है, मानो किसी पुराने ज़मींदार की 'बही' का अंतिम पन्ना है, जिस पर साल भर के घाटे का हिसाब लिखा हो। उनकी आँखें हमेशा ऐसी सिकुड़ी रहती हैं जैसे वे सामने वाले मरीज के भीतर बीमारी नहीं, बल्कि उसकी जेब में रखा बटुआ ढूँढ रही हों।

भ्रष्ट आदमी दो तरह के होते हैं—एक 'सात्विक भ्रष्ट' और दूसरा 'तामसिक भ्रष्ट'। सात्विक भ्रष्ट वह है जो रिश्वत लेकर मुस्कुराता है और दुआ देता है। तामसिक भ्रष्ट वह है जो पैसे भी लेता है और ऐसा मुँह बनाता है जैसे उसने आपका काम करके ज़हर का घूँट पी लिया हो। डॉक्टर साहब दूसरी श्रेणी के शिखर पुरुष हैं। उनका मुँह हमेशा 'नथुने फुलाए' हुए रहता है, मानो वे हर वक्त किसी अखाड़े में कुश्ती लड़ने को तैयार हों।

वे खाँसकर अपना गला साफ करते हैं और अपनी मेज पर रखे स्टेथोस्कोप को ऐसे सहलाते हैं जैसे वह कोई यंत्र न होकर उनकी 'कामधेनु' हो। आज एक नए पटवारी साहब अपना मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने आए हैं। पटवारी साहब ऐसे तनकर खड़े हैं जैसे वे गवाही देने नहीं, बल्कि यमराज को 'बेदखली' का नोटिस थमाने आए हों।

डॉक्टर साहब ने पटवारी की नब्ज़ पकड़ी और ऐसे शून्य में देखने लगे जैसे सीधे ब्रह्मलोक से बात कर रहे हों। डॉक्टर ने पूछा, अमुक तारीख को तुम्हें क्या हुआ था? पटवारी ने सधा-सधाया जवाब दिया, साहब, पेट में ऐसा मरोड़ा उठा था कि लगा जैसे अंतड़ियों में 'चकबंदी' हो रही है। डॉक्टर ने एक पुरानी शीशी दिखाई, क्या यही वह दर्द था? पटवारी ने उसे किसी पुराने रिश्तेदार की तरह पहचान लिया, हाँ साहब, बिल्कुल यही! इसकी गंध मेरे दादा की पुरानी लाठी जैसी है।

मैंने बगल में खड़े कंपाउंडर से पूछा, यार, यह क्या तमाशा है? कोई दर्द की गंध को कैसे पहचान सकता है? उसने फुसफुसाकर कहा, चुप रहिए, यह 'मेडिकल मैनुअल' के हिसाब से बिल्कुल फिट है। जब तक जेब ढीली है, तब तक हर झूठ फिट है।

डॉक्टर ने अब एक पुराना एक्स-रे दिखाया जिसमें हड्डियाँ ऐसी दिख रही थीं जैसे गंज की टूटी हुई सड़कें। पटवारी ने उसे भी पहचान लिया, यही मेरा दाहिना फेफड़ा है साहब! इसकी बनावट मेरे गाँव के नक्शे से मिलती है। कंपाउंडर ने फिर इशारा किया, चुप! मेडिकल मैनुअल!

मैंने सोचा—अब डॉक्टर साहब एक खाली इंजेक्शन दिखाएंगे और पूछेंगे, इस हवा को पहचानते हो? पटवारी कहेगा, जी हुज़ूर! यह वही हवा है जो उस दिन मेरे कमरे में रुकी हुई थी। मैंने इसे इसकी सीटी से पहचान लिया। इसकी आवाज़ मेरी सास के खर्राटों से मिलती है।

'मेडिकल मैनुअल'! इसका कमाल अद्भुत है। अगर श्रवण कुमार के पिता को आज अपनी आँखों का इलाज सरकारी हस्पताल में कराना पड़ता, तो डॉक्टर उनसे भी 'फिटनेस सर्टिफिकेट' माँगते। वे कहते, महाराज, हमारे पास दो गवाह हैं जिन्होंने हमें दशरथ के तीर लगने के वक्त रोते हुए देखा था। डॉक्टर पूछता, उस वक्त तुम कहाँ थे? गवाह कहते, साहब, हम भी उसी करुण रस के विज्ञापन में थे।

तभी 'चीफ मेडिकल ऑफिसर' साहब राउंड पर आए। यह भयंकर चीज़ है। एक बार मेरा भी ब्लड प्रेशर उन्होंने नाप लिया था। मैं बिल्कुल स्वस्थ था, पर उनके देखते ही मेरा खून खौलने के बजाय जमने लगा था। उन्होंने दो मिनट में मेरी सेहत को 'इमरजेंसी' घोषित कर दिया था।

युवाओं में डिजिटल लत

राजेश जैन

भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। देश की लगभग दो-तिहाई आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है। यही युवा भारत की आर्थिक वृद्धि, सामाजिक बदलाव और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की असली ताकत हैं लेकिन यही पीढ़ी आज एक ऐसे संकट की गिरफ्त में है, जो दिखता कम है और असर गहरा करता है- डिजिटल लत।

इकोनॉमिक सर्वे 2025–26 ने पहली बार इस समस्या को सिर्फ़ सामाजिक नहीं, बल्कि आर्थिक खतरे के रूप में रेखांकित किया है। सर्वे बच्चों और युवाओं के 5 से 10 घंटे तक के स्क्रीन टाइम पर गंभीर चिंता जताता है और साफ़ कहता है कि अगर यह प्रवृत्ति यूं ही बढ़ती रही तो आने वाले वर्षों में इसका असर जीडीपी पर भी दिख सकता है। यही वजह है कि रिपोर्ट में छात्रों को साधारण फोन देने, सोशल मीडिया के लिए उम्र-सीमा तय करने और उम्र आधारित डिजिटल एक्सेस पॉलिसी बनाने जैसी बड़ी सिफारिशें की गई हैं।

सर्वे का आकलन साफ़ है—छोटे बच्चे और किशोर इस लत के सबसे आसान शिकार हैं। वे जल्दी फंसते हैं, गलत कंटेंट तक पहुंच जाते हैं और धीरे-धीरे स्क्रीन पर निर्भर हो जाते हैं। इसलिए, ज़रूरी है कि ऐप्स और प्लेटफॉर्म्स पर उम्र के हिसाब से पाबंदियां हों, ऑनलाइन कंपनियों को उम्र सत्यापन और बच्चों के लिए सुरक्षित सेटिंग्स की कानूनी ज़िम्मेदारी दी जाए और खासकर सोशल मीडिया, जुए से जुड़े ऐप्स, ऑटो-प्ले वीडियो और आक्रामक विज्ञापनों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। यह चेतावनी हल्के में लेने लायक नहीं है।

पिछले एक दशक में भारत ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में ऐतिहासिक छलांग लगाई है। इंटरनेट कनेक्शन 25 करोड़ से बढ़कर करीब 97 करोड़ हो चुके हैं। 5जी नेटवर्क, भारतनेट और सस्ते डेटा ने गांव-गांव तक डिजिटल सेवाएं पहुंचा दी हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था का योगदान राष्ट्रीय आय में 13 प्रतिशत से ज्यादा होने का अनुमान है और लगभग 85 प्रतिशत घरों में कम से कम एक स्मार्टफोन मौजूद है। यह उपलब्धि है लेकिन इसके समानांतर स्क्रीन टाइम भी विस्फोटक रफ्तार से बढ़ा है। करोड़ों युवा दिन का बड़ा हिस्सा मोबाइल पर बिताते हैं-ओटीटी, सोशल मीडिया और गेमिंग के बीच झूलते हुए। यहीं से सुविधा आदत बनती है और आदत कब लत बन जाती है, पता ही नहीं चलता।

इकोनॉमिक सर्वे डिजिटल लत को स्मार्टफोन, इंटरनेट, गेमिंग और सोशल मीडिया से जुड़ा नशे जैसा व्यवहार बताता है जहां व्यक्ति लगातार, अत्यधिक और जुनूनी ढंग से स्क्रीन से जुड़ा रहता है। इसके नतीजे साफ़ दिख रहे हैं: ध्यान भटकना, नींद की कमी, चिड़चिड़ापन, पढ़ाई और काम में गिरावट, सामाजिक अलगाव और भावनात्मक अस्थिरता। सबसे चिंताजनक असर 15 से 24 वर्ष के युवाओं में देखा जा रहा है। सोशल मीडिया एडिक्शन, गेमिंग डिसऑर्डर, चिंता और अवसाद के मामले तेजी से बढ़े हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही गेमिंग डिसऑर्डर को मानसिक बीमारी के रूप में मान्यता दे चुका है। यह साफ़ संकेत है कि मामला अब व्यक्तिगत आदतों तक सीमित नहीं रहा-यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है।

डिजिटल लत का पहला शिकार शिक्षा व्यवस्था बन रही है। रील संस्कृति और शॉर्ट वीडियो ने युवाओं की गहन अध्ययन क्षमता को खोखला कर दिया है। लंबे समय तक ध्यान केंद्रित करने की आदत टूट रही है। शिक्षक बताते हैं कि छात्र किताबों से ज़्यादा स्क्रीन पर निर्भर हो गए हैं। असाइनमेंट कॉपी-पेस्ट हो रहे हैं, आलोचनात्मक सोच घट रही है। यह असर केवल परीक्षा परिणामों तक सीमित नहीं रहेगा। अत्यधिक डिजिटल निर्भरता से काम की उत्पादकता घटेगी, स्वास्थ्य खर्च बढ़ेगा और जोखिम भरे ऑनलाइन व्यवहार से आर्थिक नुकसान होगा। सवाल सीधा है-अगर युवा मानसिक रूप से थके और असंतुलित होंगे, तो देश की कार्यक्षमता कैसे बचेगी?

दुनिया के कई देश इस चुनौती को गंभीरता से ले चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट पर रोक लगाई है। चीन ने बच्चों के गेमिंग समय को सीमित किया है। इग्लैंड स्कूलों के लिए डिजिटल रेजिलिएंस फ्रेमवर्क बना रहा है और सिंगपुर मीडिया साक्षरता व साइबर वेलनेस को राष्ट्रीय प्राथमिकता दे चुका है। इन सभी प्रयासों का सार यही है कि तकनीक को हटाया नहीं जा सकता, लेकिन उसके उपयोग को दिशा दी जा सकती है।

भारत में भी पहल शुरू हुई है। सीबीएसई के सुरक्षित इंटरनेट दिशानिर्देश, प्रज्ञाता फ्रेमवर्क, टेली मानस हेल्पलाइन और कुछ राज्यों की डिजिटल डी-एडिक्शन योजनाएं स्वागतयोग्य हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि ये प्रयास बिखरे हुए हैं। डिजिटल लत पर कोई समग्र राष्ट्रीय डेटा नहीं है। स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य काउंसलर लगभग न के बराबर हैं। शिक्षक और अभिभावक दोनों ही इस नई चुनौती के लिए पर्याप्त रूप से तैयार नहीं हैं। समस्या राष्ट्रीय है, लेकिन जवाब अब भी टुकड़ों में बंटा हुआ है। अब वक्त आ गया है कि भारत डिजिटल सुविधा के साथ-साथ डिजिटल स्वास्थ्य को भी नीति के केंद्र में रखे। एक प्रभावी राष्ट्रीय डिजिटल वेलनेस नीति में स्कूल पाठ्यक्रम में डिजिटल साक्षरता और मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा, हर ज़िले में डिजिटल लत काउंसलिंग केंद्र, उम्र के अनुसार स्क्रीन टाइम गाइडलाइन, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के एल्गोरिदम पर जवाबदेही, अभिभावकों के लिए बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान और बच्चों-युवाओं को स्क्रीन से बाहर लाने के लिए खेल व सामुदायिक गतिविधियों को बढ़ावा जैसे कदम शामिल होने चाहिए।

डायबिटीज मरीजों को चावल खाने से क्या होता है? एक लापरवाही पड़ सकती है भारी

भारतीय खान-पान की परंपरा में चावल केवल एक भोजन नहीं हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक अधिकांश घरों में थाली बिना चावल के अधूरी मानी जाती है। मगर जब बात एक डायबिटीज रोगी की आती है, तो यही सफेद चावल उनकी सेहत के लिए एक 'मीठा जहर' साबित हो सकती है।

चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, सफेद चावल का ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत अधिक होता है, जिसका अर्थ है कि इसे खाते ही शरीर में ग्लूकोज का लेवल बिजली की गति से बढ़ने लगता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा तो बहुत अधिक होती है, लेकिन रिफाइनिंग प्रक्रिया के कारण फाइबर न के बराबर रह जाता है। इसकी वजह से यह पेट में बहुत जल्दी पच जाता है और खून में शुगर की मात्रा को अचानक अनियंत्रित कर देता है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए यह लापरवाही इसलिए जानलेवा हो सकती है क्योंकि शुगर का लगातार बढ़ा रहना भविष्य में किडनी फेलियर, आंखों की

रोशनी कम होने और हृदय रोगों के खतरे को कई गुना बढ़ा देता है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं कि आप चावल को हमेशा के लिए त्याग दें, बल्कि इसे खाने के वैज्ञानिक तरीके और सही मात्रा को समझना ज्यादा जरूरी है।

सफेद चावल और ब्लड शुगर का संबंध

सफेद चावल पॉलिश किया हुआ होता है, जिससे इसके ऊपर की फाइबर वाली परत हट जाती है। बिना फाइबर के कार्बोहाइड्रेट सीधे शुगर में बदल जाता है। जब कोई डायबिटीज रोगी सफेद चावल खाता है, तो उसके शरीर में इंसुलिन का संतुलन बिगड़ जाता है। इससे न सिर्फ शुगर बढ़ती है, बल्कि बार-बार भूख लगना और थकान जैसे लक्षण भी पैदा होते हैं।

चावल खाने का सही तरीका और विकल्प

अगर आप चावल के बिना नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस या लाल चावल का चुनाव करें। इनमें फाइबर अधिक होता है जो शुगर के अवशोषण को धीमा कर देता है। इसके अलावा चावल को हमेशा खूब सारी हरी सब्जियों और दाल के साथ मिलाकर खाएं। इससे भोजन का संपूर्ण ग्लाइसेमिक लोड कम हो जाता है और शुगर लेवल अचानक नहीं बढ़ता।

पकाने की विधि है महत्वपूर्ण

डायबिटीज में चावल की 'क्वांटिटी' सबसे ज्यादा मायने रखती है। विशेषज्ञों की सलाह है कि एक बार में एक छोटी कटोरी से ज्यादा चावल न लें। साथ ही चावल को 'प्रेशर कुकर' के बजाय खुले बर्तन में मांड निकालकर पकाएं। पके हुए चावल को ठंडा करके खाने से भी इसका 'रेसिस्टेंट स्टार्च' बढ़ जाता है, जो शुगर कंट्रोल में मदद करता है।

क्या करें?

डायबिटीज एक 'मैनेजमेंट' वाली बीमारी है। चावल खाने में थोड़ी सी भी लापरवाही आपके अंगों को स्थायी नुकसान पहुंचा सकती है। हमेशा अपने डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही डाइट चार्ट का पालन करें। ध्यान रखें स्वाद से ज्यादा आपकी सेहत की सुरक्षा जरूरी है। सही चुनाव और सीमित मात्रा ही आपको इस बीमारी के खतरों से बचाकर एक एक्टिव और स्वस्थ जीवन जीने में मदद करती है।

क्या आप भी ऑफिस में 7-8 घंटे बैठे रहते हैं? हो जाएं सावधान नहीं तो हो सकता है बीमारियों का खतरा

लाइफस्टाइल की गड़बड़ी को दुनियाभर में तेजी से बढ़ती गंभीर क्रॉनिक बीमारियों का प्रमुख कारण माना जाता है। हम जो कुछ खाते-पीते हैं, जिस तरह से दिनभर की दिनचर्या रहती है इन सबका सेहत पर सीधा असर होता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सेंडेंटरी लाइफस्टाइल यानी लंबे समय तक बैठे रहना, शारीरिक गतिविधियां कम होना सेहत के लिए बड़ी समस्याओं का कारण है।

ऑफिस में लगातार बैठकर काम करना हमारी दिनचर्या का आम हिस्सा बन चुका है। कई अध्ययन इस बात को लेकर अलर्ट करते रहे हैं कि दिनभर में 7-8 घंटे तक बैठे रहना डायबिटीज, हृदय रोग और ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं के खतरे को बढ़ाने वाला हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कंप्यूटर-लैपटॉप और मोबाइल स्क्रीन के सामने घंटों बैठकर काम करने से न केवल मांसपेशियों और रीढ़ की हड्डी पर दबाव पड़ता है, बल्कि यह मेटाबॉलिज्म को भी धीमा कर देता है। जो लोग रोजाना 7–8 घंटे या उससे ज्यादा समय तक लगातार बैठे रहते हैं, क्रॉनिक बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है।

शारीरिक निष्क्रियता और इसके खतरे

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, शारीरिक निष्क्रियता दुनिया भर में होने वाली समय से पहले मौतों के प्रमुख कारणों में से एक है। जब शरीर लंबे समय तक एक ही स्थिति में रहता है, तो खून का संचार प्रभावित हो जाता है, जिससे ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की सप्लाई प्रभावित होती है। यही वजह है कि ऑफिस में काम करते समय छोटे-छोटे ब्रेक लेना सिर्फ

आराम के लिए नहीं, बल्कि सेहत की सुरक्षा के लिए भी बेहद जरूरी है।

लगातार बैठे रहने से कैलोरी बर्न कम हो जाती है, जिससे शरीर में फैट जमा होने लगता है। लंबे समय तक बैठने वालों में टाइप-2 डायबिटीज और हार्ट डिजीज का जोखिम ज्यादा होता है, भले ही आप रोद व्यायाम क्यों न करते हों।

लंबे समय तक बैठे रहने के और क्या नुकसान हैं?

लंबे समय तक बैठे रहना आपकी सेहत को कई तरह से

प्रभावित करने वाली हो सकती है।

गलत पोस्चर में घंटों बैठना रीढ़ की हड्डी पर दबाव डालता है। इससे पीठ दर्द, सर्वाइकल पेन और कंधों में जकड़न की समस्या आम हो जाती है।

लगातार बैठे रहने से शरीर का मेटाबॉलिक रेट कम होता है। इससे वजन बढ़ने और पेट के आसपास चर्बी जमा होने लगती है।

शारीरिक गतिविधि की कमी का असर दिमाग पर भी पड़ता है। लंबे समय तक एक जगह बैठे रहने से तनाव, चिड़चिड़ापन और एंग्जायटी बढ़ सकती है।

मानसिक स्वास्थ्य पर हो सकता है असर

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लगातार काम करते रहने से न सिर्फ शारीरिक, बल्कि मानसिक समस्याएं भी हो सकती हैं इसलिए बीच में ब्रेक जरूरी है।

कई लोग काम के दबाव के कारण ब्रेक लेना भूल जाते हैं और लगातार देर तक काम करते रहते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं। कि लगातार काम करने की आदत मस्तिष्क के लिए अच्छी नहीं है, इससे शारीरिक के साथ-साथ मानसिक समस्याएं भी हो सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की साल 2000 से 2016 की ग्लोबल मॉनिटरिंग रिपोर्ट के अनुसार, जो लोग हफ्ते में 55 घंटे से ज्यादा काम करते हैं, उन्हें मानसिक तनाव हो सकता है, हृदय रोग का खतरा बढ़ सकता है, स्टेस हार्मोन बढ़ने के कारण उनमें अनिद्रा की समस्या भी हो सकती है। जब दिमाग थक जाता है, तो चिड़चिड़ापन महसूस होता है, काम में मन नहीं लगता और तनाव महसूस होता है। यह समस्या समय के साथ एग्जाइटी डिसऑर्डर में बदल सकती है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. प्रदीप कुमार शैलत कहते हैं, 90 मिनट काम करें, फिर 20 मिनट का ब्रेक जरूर लें। ब्रेक में बाहर टहलें, गहरी सांस लें या फिर हल्का संगीत सुने इससे स्ट्रेस हार्मोन नहीं बढ़ते हैं और मोटिवेशन बना रहता है। लगातार काम करने से आप न खुद पर ध्यान दे पाते हैं, न सामाजिक संबंध बना पाते हैं और न ही आराम कर पाते हैं। इससे मन में नकारात्मक विचार आने लगते हैं और व्यक्ति तनाव या अवसाद का शिकार होने लगता है। ब्रेक की कमी से स्लीप पैटर्न भी खराब होने लगता है और मूड डिसआर्डर हो सकते हैं।

खर्राटि बंद करने के घरेलू उपाय, इन चीजों को खाने से दूर होगी समस्या

खर्राटे आना सिर्फ नींद से जुड़ी समस्या नहीं है बल्कि ये शरीर में पनप रही कई बीमारियों का भी संकेत है। खर्राटे दूर करने के लिए क्या उपाय करने चाहिए। स्वामी रामदेव से जानिए खर्राटे बंद करने के लिए क्या खाएं।

खर्राटे रोकने के उपाय

खर्राटे लेना किसी के लिए मजाक, किसी के लिए रातभर की सजा, लेकिन अब ये सिर्फ नींद में आने वाली आवाज नहीं रह गई। अब खर्राटे लेना शरीर के अंदर चल रही गंभीर बीमारी की चेतावनी भी है, क्योंकि ये सिर्फ नींद टूटने का मामला नहीं है। ये मामला दिल और फेफड़ों पर पड़ते उस दबाव का है जो धीरे-धीरे शरीर को अंदर से कमजोर कर रहा है। दरअसल जब कोई खर्राटे लेता है, तो कई बार नींद के दौरान सांस बार-बार रुकती है, जिसे 'ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एप्निया' कहते हैं। इससे शरीर में ऑक्सीजन का लेवल गिरता है और फेफड़ों की धमनियों पर दबाव बढ़ता है। लेटेस्ट रिसर्च के मुताबिक खर्राटे लेने वाले करीब '72% मरीजों में पल्मोनरी हाइपरटेंशन' पाया गया है। जो हार्ट फेल्योर और स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ा रहा है।

समय तक खर्राटे लेने की समस्या से जूझना 'फेफड़ों की कपैसिटी' घटाता है और COPD जैसी गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। डरने वाली बात ये है कि देश में करीब 11 करोड़ से ज्यादा लोगों को स्लीप एप्निया है और ज्यादातर लोग इसे सिर्फ 'खर्राटे की आदत' समझकर नजरअंदाज कर रहे हैं। दरअसल जब सांस बार-बार रुकती है तो दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, ब्लड प्रेशर बढ़ता है और हार्ट की मसल्स पर लगातार दबाव पड़ता है। रात की यही आवाज दिन में थकान, सिरदर्द

और सांस फूलने की वजह बन जाती है।

खर्राटे दूर करने के उपाय

बदलते मौसम में ये परेशानी और बढ़ सकती है। इस मौसम में धूल, पोलन और प्रदूषण तेजी से बढ़ते हैं जिससे एलर्जी, ब्रोंकाइटिस और अस्थमा के मामले ज्यादा सामने आते हैं। मतलब अगर किसी को पहले से खर्राटे और सांस की परेशानी है, तो ये सीजन चेंज उसे और सीरियस बना सकता है। इसलिए अगली बार जब आपको खर्राटों की आवाज सुनाई दे तो उसे मजाक समझकर नजरअंदाज न करें।

खर्राटे कैसे बंद करें
खर्राटों के लिए घरेलू उपाय

पुदीना- इसके लिए पुदीना का इस्तेमाल करें। खर्राटे में पुदीना रामबाण है। पुदीने के तेल की कुछ बूंदें पानी में डालें और इस पानी से गरारे करें। इससे नाक की सूजन कम होगी और सांस लेना आसान हो जाएगा। आप चाहें तो 1 कप पानी में पुदीने के पत्ते डालें और गुनगुना करके पी लें।

लहसुन- खर्राटे आते हैं तो लहसुन खाना भी फायदेमंद होता है। 1-2 लहसुन की कली लें और उसे पानी के साथ खा लें। इससे हार्ट की ब्लॉकेज कम होती है और रात में चैन की नींद आती है।

अन्य उपाय- जिन्हें खर्राटे आने की शिकायत है उन्हें रात हल्दी दूध पीना चाहिए। ऐसे लोगों को गुनगुने पानी से दालचीनी पाउडर लेना फायदेमंद होगा। इलायची वाला गुनगुना पानी पीएं और रात में सोने से पहले स्टीम लें। इससे खर्राटे में काफी फायदा होगा।

खर्राटे की वजह : मोटापा,थायराइड, टॉन्सिल्स, हाइपरटेंशन, डायबिटीज, अस्थमा

खर्राटों के साइड इफेक्ट : अनिद्रा की बीमारी,शुगर-बीपी इम्बैलेंस, कोलेस्ट्रॉल बढ़ना, साइलेंट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक

अच्छी नींद कैसे आए : ताजा खाना ही खाएं, तले-भुने खाने से परहेज करें, 5-6 लीटर पानी पीएं, रोजाना वर्क आउट करें, दूर करें हाइपरटेंशन , खूब पानी पीएं, स्ट्रेस, टेंशन कम लें, खाना समय से खाएं, जंक फूड ना खाएं।

बच्चों की लंबाई कैसे बढ़ाएं

बढ़ती उम्र के बच्चों को रोजाना किसी न किसी तरह की एक्सरसाइज जरूर करवाएं। इससे ग्रोथ हार्मोन एक्टिव होते हैं। व्यायाम से स्पाइन डीकंप्रेशन, मसल स्ट्रेचिंग, पॉश्चर में सुधार, हड्डियां मजबूत बनती हैं। इससे मोटापा भी कंट्रोल होता है। बेहतर होगा कि घर पर बना खाना बच्चों को खिलाएं। खाने में फल-सब्जी की मात्रा बढ़ाएं। जंक फूड बंद कर दें और वर्कआउट, योग कराएं। फिजिकल एक्टिविटी के लिए स्क्रीन

टाइम कम रखें। बच्चों को हेल्दी आदतें सिखाएं जैसे सुबह जल्दी उठें, रात में समय से सोएं, टाइम टेबल बनाएं, 30 मिनट वर्कआउट उसमें जरूर शामिल करें। इसके साथ ही बच्चों को दूध शतावर, केले का शेक, खजूर-अंजीर शेक बनाकर पिलाएं।

भारत में क्यों घट रही है लंबाई

भारत में आखिर बच्चों की लंबाई क्यों घट रही है। अगर आप भी इसी सवाल को लेकर परेशान हैं तो इसकी वजह बिल्कुल साफ है। बचपन में प्रोटीन की कमी,आयरन, जिंक जैसे माइक्रो-न्यूट्रिएंट्स की कमी, गेम्स और प्लेग्राउंड से बच्चों की बढ़ती दूरी और लगातार बढ़ रहा स्क्रीन टाइम इसका कारण बन रहे हैं। क्योंकि 8 से 18 साल यही वो गोल्डन एज है, जब ग्रोथ प्लेट्स खुली होती हैं। अगर इस उम्र में शरीर को सही खाना, सही धूप, सही नींद और सही एक्सरसाइज नहीं मिली तो फिर हाईट बढ़ाने का मौका दोबारा नहीं मिलेगा। ये सिर्फ लंबाई का सवाल नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ी की ताकत का सवाल है।

रूखी त्वचा व झुर्रियों का उपचार

प्रश्न : मेरी उम्र 21 वर्ष है। मेरी आंखों के नीचे काले धब्बे पड़ गए हैं, साथ ही त्वचा भी रूखी और झुर्रियों वाली हो गई है । थोड़ा सा काम करते ही थक जाता हूं। उचित सलाह देवें।

- उमाशंकर दीक्षित, सिकंदराबाद

उत्तर : भोजन में पोषक तत्वों की कमी नींद की कमी, जीवन में व्यायाम का अभाव, चाय - कॉफी ज्यादा पीने की आदत आदि से समय से पहले ही बुढ़ापा शरीर पर आक्रमण करता है। इन ₹अर्ली एजिंग₹ के सारे लक्षणों को उल्टाया जा सकता है। इसके लिए आपका आत्म बल मजबूत होना चाहिए और साथ ही स्वाद पर अंकुश लगाना चाहिए।

आप हर रोज ऊंझा चवनप्राश सुप्रीम या रजवाड़ीप्राश या कोहिनूरप्राश का सुबह-शाम सेवन करें। नित्य कसरत किया करें । टहले, घूमे या फिर तैरें। योगिक व्यायाम भी किए जा सकते हैं। भोजन में ऋतु अनुकूल सब्जियां और मौसमी फल शामिल करें। भोजन के बाद ऊंझा द्राक्षासव, ऊंझा अश्वगंधारिष्ट एवं सारस्वतारिष्ट (प्रत्येक 10 -10 मिलीलीटर) को दोगुने पानी में मिलाकर सेवन करें। हर दिन सुबह उठते ही शौच आदि से निवृत होने के बाद ऊंझा चंदनबलालाक्षादि तैल या नारायण तैल से पूरे शरीर की मालिश करें । रात्रि सोने से पहले औरा टेंसट्रिम एवं ऊंझा ब्राह्मी वटी की टिकिया दूध से लेकर सोए। सुखकारी नींद लेने से आंख के नीचे आए धब्बे या झांई धीरे-धीरे धूमिल पड़ जाएगी ।शरीर में चुस्ती - फुर्ती आने लगेगी । नयी उमंग और नया उत्साह आपके जीवन को सकारात्मकता देगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। सिर में बाल चकत्तो के रूप में तेजी से झड़ रहे हैं। झड़ने की तेजी से लगता है जल्दी ही गंजा हो जाऊंगा। कृपा कर मुझे इसका उपचार बताएं।

- जयकुमार वर्मा, हैदराबाद

उत्तर : बालों का चकत्तो के रूप में झड़ना आयुर्वेद में ₹इंद्रलुप्त₹ नाम से जाना जाता है। यह एक प्रकार का फफूंद यानी फंगस का संक्रमण है। इसे ही ₹एलोपेसियाश्₹ के नाम से पाश्चात्य जानते हैं। इलाज नहीं होने पर यह गंजापन का कारण बनता है।

इसका आयुर्वेद में सही इलाज है। ऊंझा करंजादि तैल इंद्रलुप्त की कारगर दवा है । जहां बाल गिर गए हैं उस स्थान में इस तेल से मालिश करें। ऐसा नित्य करते रहने से नए बाल उगने लगते हैं।

* गुंजा बीज से सिद्ध किया हुआ तेल भी लगाने से बाल उगने लगते हैं। जपाकुसुम तेल का उपयोग भी लाभकारी है।

औषधि में महामंजिष्ठादि घन, ऊंझा पंचतिक्त घृत गुग्गुलु एवं ऊंझा गंधक रसायन टिकिया लेवें।

भोजन के बाद रक्तशोधक सिरप 15 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने पानी में मिलाकर पीने से फफूंद का संक्रमण समूल नष्ट हो जाता है।

चिकित्सा काल के दौरान नमक, नमकीन, खटाई, मिठाई व गरिष्ठ भोजन से बचें। मौसमी फल व सब्जियां जरूर खाएं। पानी उबालकर एवं छानकर पीएं।

प्रश्न : मेरी उम्र 76 वर्ष है। मेरे घुटनों में भयंकर दर्द होता है । उठने-बैठने, चलने -फिरने में कठिनाई होती है। पेट साफ नहीं रहता। कब्ज की शिकायत है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- रामलिंगय्या, करीमनगर

उत्तर : बढ़ती उम्र में संधिवात की समस्या आम हो गई है। इसे ही ₹आस्टियों आर्थराइटिस₹ कहते हैं। घुटनों की संधियों में स्थित श्रेष्ठ कफ 'सायनोवियल फ्लुइड' कम हो जाने से हड्डियों में घर्षण होने के कारण संधिशोथ और तीव्र पीड़ा होने लगती है। इसका आयुर्वेद में उपचार है। ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु, वातगजांकुश रस व ऊंझा नवरत्न कल्पामृत रस की गोली भोजन के बाद पानी से लेवें। भोजन के बाद ही ऊंझा महारास्नादि क्वाथ १५-१५ मिलीलीटर को 3 गुने निवाए पानी में मिलाकर लेवें। दर्द व सूजन दोनों ही कम होने लगेंगे।औरा रुमाटाईज टिकिया या ऊंझा रुमूव कैप्सूल को सोंठ मिश्रित दूध से लेने पर दर्द में बहुत जल्दी राहत मिलने लगती है। ऊंझा महानारायण तेल या रुमाटाईज तैल की मालिश करें। ऐसा करने से तुरंत फायदा होने लगता है।

गरिष्ठ भोजन, भोजन पर भोजन, तीखे मिर्च मसालेदार भोजन, बासी भोजन, वात वर्धक आहार-विहार का त्याग करें। ताजा ,संतुलित, सुपाच्य व पौष्टिक भोजन करें। तनाव, चिंता से दूर रहें। हलका व्यायाम करना प्रारंभ कर दें। धीरे-धीरे दर्द में आराम होने लगेगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

क्या आपकी रोज खाने वाली रोटी सेहतमंद है?

सबसे फायदेमंद रोटी

क्या आप जो रोटी रोज खाते हैं वो आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छी है? खासतौर से अगर आप किसी बीमारी से जूझ रहे हैं। आपको अपना वजन कम करना है तो दिन में 2-3 बार खाई जाने वाली रोटी काफी महत्वपूर्ण हो जाती है। अगर आप शुगर के मरीज हैं तो आपकी रोटी ब्लड शुगर को कम ज्यादा करने में अहम रोल प्ले करती है। रोटी से अनजाने में डायबिटीज के मरीज का ब्लड शुगर लेवल को नुकसान हो सकता है। जान लें कौन से आटे की रोटी खाना फायदेमंद होता है।

क्या आपकी रोटी सेहतमंद है?

एक डॉक्टर ने हाल ही में एक

पोडकास्ट में रोटी के बारे में बात की और बताया कि आपकी सेहत को रोजाना खाई जाने वाली रोटी कितना प्रभावित करती है। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट ने लोगों को सिर्फ गेहूं की रोटियां खाने पर सलाह दी है। डॉक्टर ने बताया कि सिर्फ गेहूं की रोटी खाने से शरीर में ब्लड शुगर का स्तर तेजी से बढ़ सकता है। उन्होंने तो यहां तक सुझाव दिया कि गेहूं की रोटी खाना पूरी तरह बंद कर दें। इसके बदले में आप बाजरा और ज्वार या दूसरे आटे की रोटी खाना शुरू कर दें।

डॉक्टर वत्स्या ने बताया कि गेहूं एक कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट है और ये शुगर के मॉलीक्यूल्स से बने होते हैं, जो लंबी और मुश्किल श्रृंखलाओं में एक साथ जुड़े होते हैं। सीडीसी के अनुसार, नियमित रूप से कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट खाने से ब्लड शुगर का स्तर धीरे-धीरे बढ़ता है क्योंकि इनमें फाइबर और दूसरे कॉम्प्लेक्स स्टार्च होते हैं जिन्हें शरीर को पचाने में अधिक समय लगता है। अगर आप प्योर गेहूं की रोटी खाना बंद कर सकते हैं तो कर देना चाहिए।

गेहूं की रोटी की जगह क्या खाएं?

अगर आपको डायबिटीज है, तो ज्वार आपके लिए बहुत फायदेमंद है। गेहूं से इंसुलिन का स्तर बढ़ जाता है, इसलिए ज्वार मधुमेह रोगियों के लिए बहुत अच्छा है। प्रोटीन की मात्रा बढ़ाने के लिए आप बाजरा की रोटी खा सकते हैं। अगर आयरन की कमी है, तो रागी की रोटी आपके लिए अच्छी है। अगर आप किसी एक अनाज की रोटी नहीं खा सकते हैं तो मल्टीग्रेन आटे की रोटियां बनाकर खा लें।

क्या लीक हुआ विजय-रश्मिका की शादी का कार्ड? 26 तारीख को एक-दूसरे के हो जाएंगे कलाकार

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में हैं। कुछ ही महीने पहले विजय की टीम ने कंफर्म किया था कि उनकी शादी होने वाली है। हालांकि टीम ने शादी की तारीख नहीं बताई थी। दोनों कलाकारों के फैंस जानना चाहते हैं कि उनकी शादी कब होगी। इस बीच सोशल मीडिया पर एक शादी का कार्ड वायरल हो रहा है। दावा है कि यह कार्ड विजय और रश्मिका की शादी का है।

किस तारीख को होगी शादी?

सोशल मीडिया पर वायरल शादी के कार्ड में लिखा है कि कपल 26 फरवरी को एक छोटी वेडिंग सेरेमनी में शादी करेंगे। वेडिंग रिसेप्शन 4 मार्च को हैदराबाद में होगा।

कार्ड में क्या लिखा है?

विजय और रश्मिका के कथित शादी के कार्ड में लिखा है 'मैं कुछ खास खबर शेयर करने और आपको एक बड़े पल का हिस्सा बनने के लिए लिख रहा हूं। हमारे परिवारों के प्यार और आशीर्वाद से, रश्मिका और मैं 26.02.26 को एक छोटी सी सेरेमनी में शादी करेंगे। हम इस नए चैप्टर की शुरुआत कर रहे हैं। अपने मिलन का जश्न मना रहे हैं। हमारे लिए उन लोगों के साथ जश्न मनाना बहुत मायने रखेगा जो हमारे सफर का हिस्सा रहे हैं। आपकी मौजूदगी और आशीर्वाद इस मौके को और भी खास बना देंगे।'

तलाक के बाद माही विज ने किसके साथ मनाया वेलेनटाइन डे?

टीवी एक्ट्रेस माही विज बीते दिनों जय भानुशाली के साथ हुए तलाक को लेकर सुर्खियां बटोरती रहीं थीं। इसके बाद उनके कुछ पोस्ट के लिए भी उन्हें खूब ट्रोल किया गया था। अब माही ने हाल ही में निकला वेलेनटाइन अपने सबसे प्यारे इंसान के साथ मनाया है। माही ने इसकी तस्वीरें भी अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों को देख फैन्स के मुंह से भी क्यूट ही निकला है।

तलाक के बाद माही ने अपनी बेटी संग वेलेनटाइन मनाया है। माही ने अपनी बेटी तारा के साथ वैलेंटाइन डे सेलिब्रेशन की तस्वीरें शेयर की हैं। मां-बेटी की जोड़ी इस खास दिन को साथ मनाते हुए बेहद प्यारी लग रही थी। माही ने अपने इंस्टाग्राम पर बेटी तारा के साथ कई तस्वीरें शेयर कीं। दोनों अपने-अपने आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। माही के हाथ में गुलाब का गुलदस्ता था, वहीं बेटी तारा ने उनके साथ बेहद प्यारे अंदाज में पोज दिए। फैंस ने कमेंट सेक्शन में खूब प्यार बरसाया। माही ने हाल ही में एक नई कार खरीदी और बताया कि यह उनकी बेटी तारा का सपना था, इसलिए उन्होंने इसे खरीदने का फैसला किया। इससे पहले, उन्होंने जय भानुशाली से अपने अलगाव और अपनी बेटी की सह-पालन-पोषण के बारे में खुलकर बात की थी।

बच्चों के लिए सेट किए अच्छे उदाहरण

माही ने बताया कि उनके बच्चे अपने माता-पिता से यह सीखेंगे कि उन्होंने लड़ाई-झगड़े के बजाय 'अच्छे और शांतिपूर्ण तरीके' से अपने रिश्ते को खत्म किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह बच्चों के लिए भी एक बहुत अच्छा उदाहरण है कि अगर चीजें ठीक नहीं चल रही हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि जब अलग होने का समय आए, तो आप एक-दूसरे को अदालत में घसीटकर, बुरा व्यवहार करके या बच्चों को इसमें शामिल करके रिश्ते को नकारात्मकता की ओर ले जाएं।' मुझे लगता है कि मेरे बच्चे मुझ पर और जय पर गर्व करेंगे कि भले ही मम्मी और पापा शादी जारी नहीं रखना चाहते थे, फिर भी उन्होंने इसे शांत और बेहतर तरीके से संभाला। यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। एक समय ऐसा आता है जब आपको एहसास होता है कि शांति से बढ़कर कुछ भी नहीं है, और आपकी आंतरिक शांति से बढ़कर कोई भी व्यक्ति महत्वपूर्ण नहीं है।

तलाक के बाद कौन उठाता है बच्चों की जिम्मेदारी?

माही ने बच्चों के बारे में भी बात की और बताया कि वे दोनों बराबर जिम्मेदारियां निभाएंगे। अभिनेत्री ने कहा, 'इसलिए जय और मैं हमेशा दोस्त बने रहेंगे। हमारी एक बेटी है, हमारे तीन बच्चे हैं। इस बात का कोई सवाल ही नहीं है कि कौन जिम्मेदारी लेगा और कौन नहीं। हम दोनों बराबर जिम्मेदारी लेंगे, और हम दोनों उनसे बराबर प्यार करते हैं। ऐसा नहीं है कि बच्चों को अकेला छोड़ दिया गया है और उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। उन्हें पहले की तरह ही सब कुछ मिलता रहेगा।'

सलमान के केस की सुनवाई से हटे जज हिरण शिकार मामले में होनी थी सुनवाई

सहआरोपियों के खिलाफ 'लीव टू अपील' पर नई बेंच करेगी फैसला

राजस्थान हाईकोर्ट में बहुचर्चित काला हिरण शिकार मामले में सोमवार को नया मोड़ आ गया। जस्टिस बलजिंदर सिंह संधू ने इस मामले की सुनवाई करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने फाइल को किसी अन्य बेंच के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। अब इस मामले की अगली सुनवाई दूसरी बेंच करेगी।

दरअसल, साल 1998 के इस मामले में फिल्म अभिनेता सलमान खान की सजा के खिलाफ अपील और राज्य सरकार की ओर से सह-आरोपियों को बरी करने के खिलाफ दायर 'लीव टू अपील' पर संयुक्त सुनवाई होनी थी। तकनीकी प्रक्रियाओं और बेंच बदलने के कारण अब इस मामले की कानूनी प्रक्रिया में नया समय तय होगा।

हम साथ-साथ हैं की शूटिंग के दौरान शिकार का मामला

मामला सितंबर-अक्टूबर 1998 का है, जब फिल्म 'हम साथ साथ हैं' की शूटिंग के दौरान कांकाणी गांव की सरहद पर दो काले हिरणों का शिकार किया गया था। निचली अदालत ने सलमान खान को दोषी मानते हुए 5 साल के कारावास और 25 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया था।

वहीं, सह-आरोपी सैफ अली खान, नीलम, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और दुष्यंत सिंह को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया गया था। राज्य सरकार ने इन कलाकारों को बरी किए जाने के आदेश को राजस्थान हाईकोर्ट में 'लीव टू अपील' के माध्यम से चुनौती दी थी।

ट्रांसफर पिटीशन और कोर्ट की कार्यवाही

सलमान खान के वकीलों ने पूर्व में एक ट्रांसफर पिटीशन दायर की थी, ताकि उनकी सजा के खिलाफ लंबित अपील को राज्य सरकार की अपील के साथ जोड़कर (संलग्न कर) एक साथ सुना जा सके।

पूर्व की सुनवाई में जस्टिस मनोज कुमार गर्ग ने निर्देश दिया था कि तकनीकी कारणों से रुकी इस प्रक्रिया को पूरा कर दोनों प्रकरणों को संयुक्त रूप से लिस्ट किया जाए।

'हर कोई उनसे बहुत डरता है': विशाल भारद्वाज ने बताया कि कई सालों से जानने के बावजूद उन्होंने नाना पाटेकर के साथ काम क्यों नहीं किया?

फिल्म 'ओ रोमियो' 13 फरवरी को रिलीज हुई। फिल्म को मिले-जुले रिव्यू मिले हैं। हाल ही में फिल्म के प्रमोशन के लिए एक्टर शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी, फरीदा जलाल और डायरेक्टर विशाल भारद्वाज 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में पहुंचे थे। गौरतलब है कि फिल्म 'ओ रोमियो' में नाना पाटेकर भी अहम भूमिका में हैं और उन्होंने विशाल भारद्वाज के साथ पहली बार काम किया है। वहीं, शो के दौरान कपिल शर्मा ने विशाल से पूछा कि दो दशक से अधिक समय से जानने के बावजूद उन्होंने पहले नाना के साथ काम क्यों नहीं किया।

इस पर विशाल ने कहा, "असल में यह मेरी गलती है। मैं ऐसा रोल पहले कभी उनके पास लेकर नहीं गया। हर कोई नाना पाटेकर से डरता है, जबकि वह बहुत नरम दिल इंसान हैं। मेरे साथ काम न करने को लेकर नाना मुझसे नाराज भी रहे। वह मुझे याद दिलाते थे कि वह एक एक्टर हैं और पूछते थे कि मैं उन्हें कब कास्ट करूंगा। आखिरकार हमने साथ काम किया, लेकिन इसमें समय लगा।"

कपिल ने बातचीत में कहा कि नाना पाटेकर बहुत कम सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिखाई देते हैं और अभी तक वो उनके शो में नहीं आए हैं। उन्होंने हल्के अंदाज में कहा कि आजकल नाना के किसी इवेंट से चले जाने की खबर, उनके इवेंट में आने की खबर से ज्यादा वायरल हो जाती है।

बता दें कि कपिल की यह टिप्पणी हाल ही में 'ओ रोमियो' के ट्रेलर लॉन्च से जुड़ी घटना के संदर्भ में थी। दरअसल, एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, इवेंट में नाना समय पर पहुंचे थे, लेकिन फिल्म की टीम ने उन्हें एक घंटे से अधिक इंतजार कराया। जिसके चलते वह इवेंट शुरू होने से पहले ही चले गए।

विशाल भारद्वाज ने दिया था रिएक्शन

फिल्म के डायरेक्टर विशाल भारद्वाज ने नाना पाटेकर के जल्दी जाने पर रिएक्शन भी दिया था। उन्होंने इवेंट में नाना पाटेकर पर कहा था, 'नाना यहां से चले गए हैं, लेकिन उनके लिए बोलना चाहिए। नाना जो हैं, जैसे स्कूल में बदमाश बच्चा होता है न जो सबका मजाक उड़ाता है, जो सबसे ज्यादा एंटरटेन करता है और जिसके साथ सब रहना चाहते हैं, नाना के अंदर वो है। 27 साल की दोस्ती है हमारी और पहली बार साथ में काम किया है। अगर वो होते तो बहुत अच्छा होता, लेकिन वो अपने सिग्नेचर स्टाइल में उठे कि 'एक घंटा मुझे वेट करवाया, मैं जा रहा हूं' और हमें कुछ बुरा नहीं लगा, क्योंकि हम जानते हैं कि यही वो चीज है, जो उन्हें नाना पाटेकर बनाती है।'

बता दें कि विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी और नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित 'ओ रोमियो' में शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी, फरीदा जलाल, नाना पाटेकर, विक्रांत मैसी, दिशा पाटनी, तमन्ना और अविनाश तिवारी नजर आए हैं। फिल्म ने पहले दो दिनों में 23.51 करोड़ रुपए का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है।

क्या रणवीर सिंह के जाने के बाद फरहान अख्तर खुद बनेंगे डॉन 3?

कुछ दिनों पहले रणवीर सिंह ने इस प्रोजेक्ट से किनारा कर लिया। इसके बाद इस फिल्म के लीड रोल को लेकर कई कयास लगाए जा रहे हैं। रणवीर के छोड़ने के बाद ऐसा कहा जा रहा था कि ऋतिक रोशन अब डॉन के किरदार में नजर आएंगे। लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि वे कभी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं थे। अब ऐसी चर्चाएं सामने आ रही हैं कि फरहान खुद डॉन का किरदार निभाएंगे।

क्या फरहान बनेंगे डॉन?

जो रिपोर्ट्स कह रही हैं कि रणवीर के जाने के बाद फरहान खुद डॉन का किरदार निभाएंगे, वो गलत हैं। इससे पहले ये रिपोर्ट सामने आई थी कि शाहरुख फिर से इस रोल को निभाने के लिए मान गए थे, लेकिन वे चाहते थे कि बतौर डायरेक्टर एटली इस फिल्म में काम करें। सूत्रों के मुताबिक, डॉन फ्रेंचाइजी फरहान की है, तो वो कैसे डायरेक्टर का पद छोड़ सकते हैं। अभी ये सारी चर्चाएं सिर्फ अफवाहें बताई जा रही हैं क्योंकि किसी की भी तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान

हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान वहीं, फरहान इन दिनों अपने दूसरे प्रोजेक्ट्स पर ध्यान दे रहे हैं। इनमें लंबे समय से चर्चा में रही 'जी ले जरा' और उनका हाल ही में घोषित हॉलीवुड डेब्यू भी शामिल है। हॉलीवुड फिल्म 'द बीटल्सः ए फोर फिल्म सिनेमैटिक इवेंट' से फरहान अख्तर का हॉलीवुड डेब्यू होने वाला है।

राजपाल यादव को एचसी से मिली राहत लेकिन सरेंडर करना पड़ेगा पासपोर्ट

एक्टर राजपाल यादव से जुड़े 9 करोड़ रुपये के चेक बाउंस मामले में 12 फरवरी सुनवाई हुई थी। एक पक्ष की बात सुनने के बाद नई तारीख दी गई। आज यानी 16 फरवरी 2026 को उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने राजपाल यादव को निर्देश दिए कि 1.5 करोड़ रुपये की राशि शिकायतकर्ता के खाते में जमा कराएं। एक्टर ने कोर्ट आदेश माना है और उन्हें अंतरिम जमानत मिल गई है। कोर्ट ने उनके सामने कई शर्तें भी रखी हैं, जिसे उन्हें पूरा करना होगा। फिलहाल एक्टर को अपना पासपोर्ट भी सरेंडर करना होगा। इस मामले पर अगली सुनवाई 18 मार्च को होगी, जिसमें एक्टर वो या तो फिजिकली या फिर वर्चुअली मौजूद रहना होगा।

अदालती रिकॉर्ड के अनुसार फिल्म के निर्माण के लिए लगभग 5 करोड़ रुपये का कर्ज लिया गया था। बताया जाता है कि फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर असफल रहने के कारण यह ऋण समय पर नहीं चुकाया जा सका। इसके बाद कर्ज देने वाले पक्ष ने कानूनी कार्रवाई शुरू की। सालों से इस मामले में कई सुनवाई हो चुकी हैं, जिनमें अदालत ने बकाया राशि का भुगतान करने के निर्देश दिए थे और अपने आदेशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा था। निर्धारित समयसीमा में भुगतान न होने पर अदालत ने सख्त रुख अपनाया।

साल 2018 में अदालत के आदेशों की अवहेलना के चलते राजपाल यादव को सजा सुनाई गई थी और उन्हें कुछ समय के लिए तिहाड़ जेल भी भेजा गया था। एक लोकप्रिय कॉमिक अभिनेता के रूप में उनकी पहचान को देखते हुए, यह घटनाक्रम फिल्म इंडस्ट्री के लिए चौंकाने वाला था। इसी मामले में अदालत ने उन्हें 6 फरवरी 2026 को दोबारा तिहाड़ जेल में सरेंडर करने का निर्देश दिया था। फिलहाल की कार्यवाही कानूनी राहत और पूर्व अदालत आदेशों के अनुपालन से जुड़ी है। आज जमानत याचिका पर सुनवाई हुई और एक्टर को अंतरिम जमानत मिल गई है।

धनुष के साथ शादी की अटकलों पर मृणाल ठाकुर ने दी प्रतिक्रिया, इस बात के लिए लोगों को कहा 'धन्यवाद'

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'दो दीवाने सहर में' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनका नाम अभिनेता धनुष के साथ जोड़ा गया। कुछ रिपोर्ट्स में तो यह भी दावा किया गया कि वह और धनुष वैलेंटाइन डे पर शादी कर रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में, मृणाल ने कहा कि उन्हें ये अफवाहें मजेदार लगीं और उन्होंने इसे फैलाने वालों के लिए एक मैसेज शेयर किया।

मृणाल ने कहा धन्यवाद

मृणाल ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चल रही अफवाहों पर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि उनका मानना है कि सही समय आने पर प्यार हो जाएगा। सोशल मीडिया पर चल रही चर्चा पर उन्होंने हंसते हुए कहा, 'उनके हिसाब से तो वो शादी हो रही है।' मृणाल ने मजाक में कहा, 'मुझे एहसास हुआ है कि अगर मैं 3 करोड़, 6 करोड़ या 10 करोड़ रुपये भी खर्च कर दूं, तो भी मुझे इतनी पब्लिसिटी कभी नहीं मिलेगी। इसलिए, उन सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद जो फर्जी अफवाहें फैला रहे हैं।

पर्सनल लाइफ पर बोली मृणाल

पर्सनल लाइफ के बारे में चल रही चर्चाओं के बारे में पूछे जाने पर मृणाल ने कहा 'मैं यह कहना चाहती हूं कि मैं बहुत ओपन इंसान हूं। अगर मेरी लाइफ में कुछ भी होगा, तो मैं उसे सबके सामने रखूंगी। अभी मेरा पार्टनर सिर्फ कैमरा है।' हाल के दिनों में धनुष के साथ मृणाल के अफेयर की अटकलों के बावजूद, ना तो मृणाल ने और ना ही धनुष ने कुछ कहा है।

'बदतमीजी के खिलाफ हमेशा आवाज उठानी चाहिए' नयनार नागेंद्रन के बयान पर आया तृषा कृष्णन का रिएक्शन

तमिलनाडु में चुनावी प्रचार-प्रसार के दौरान नयनार नागेंद्रन ने एक विवादित बयान दिया। ये बयान उन्होंने विजय को लेकर दिया, लेकिन इसमें उन्होंने एक्ट्रेस तृषा को भी घसीट दिया। जिसके बाद ये सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अब इस पर तृषा का भी कड़ा रिएक्शन सामने आया है।

क्या था बयान ?

दरअसल, तमिलनाडु में चुनावी माहौल गरम है। इसी बीच नागेंद्रन ने विजय की राजनीतिक अनुभव पर विवादित बयान दिया। उन्होंने विजय को बेचारा बताया और उन पर हंसते हुए कहा, 'पहले उन्हें घर से बाहर आना होगा। वह पहले तृषा के घर से बाहर आएं, तभी कुछ हो सकता है।' यह बयान सामने आते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और इसकी भाषा और लहजे को लेकर लोग नागेंद्रन पर सवाल उठाने लगे।

बयान पर तृषा का रिएक्शन

बयान के वायरल होने पर तृषा कृष्णन का भी पोस्ट सामने आया। उनका नाम बेवजह घसीटने पर उन्होंने एक्स पर लिखा 'अपमान को हमेशा उजागर किया जाएगा।' तृषा की ओर से यह भी साफ किया गया कि उनका किसी भी राजनीतिक पार्टी से कोई संबंध नहीं है और न ही उनका राजनीति में आने का कोई इरादा है।

आधिकारिक स्टेटमेंट भी किया जारी

इसके बाद उनके लीगल एडवाइजर नित्थ्येश नटराज ने भी एक आधिकारिक स्टेटमेंट जारी किया। स्टेटमेंट में लिखा, 'मेरी क्लाइंट चाहती हैं कि उन्हें सिर्फ उनके काम से पहचाना जाए, किसी कथित राजनीतिक जुड़ाव से नहीं। निजी जिंदगी को सार्वजनिक बहस का मुद्दा नहीं बनाना चाहिए, खासकर जब बात जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों की हो। स्टेटमेंट के आखिर में यह भी अनुरोध किया गया कि तृषा का नाम उन मामलों में न जोड़ा जाए जिनसे उनका कोई लेना-देना नहीं है।

साथ में कई फिल्मों में काम कर चुके हैं तृषा-विजय

तृषा कृष्णन तमिल सिनेमा की सबसे लोकप्रिय और सफल अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह पिछले दो दशकों से भी ज्यादा समय से फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय हैं और आज भी बड़ी फिल्मों की लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आती हैं। अपने करियर में तृषा ने कई हिट और यादगार फिल्में दी हैं। तृषा और विजय की जोड़ी तमिल सिनेमा की सबसे पसंदीदा ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में गिनी जाती है। दोनों ने साथ में कई सफल फिल्मों में काम किया है, जिनमें 'घिल्ली', 'कुरुवी', 'लियो' और 'आथी' फिल्म शामिल हैं।

'हम सब आगे बढ़ चुके हैं', अक्षय और शिल्पा के साथ रिश्तों पर बोलीं रवीना टंडन

90 के दशक में अक्षय कुमार और रवीना टंडन इंडस्ट्री के सबसे चर्चित कपल हुआ करते थे। यही नहीं खबरें तो यहां तक हैं कि दोनों ने सगाई भी कर ली थी। लेकिन अंत में दोनों अलग हो गए। इसके बाद अक्षय का नाम शिल्पा शेट्टी से भी जोड़ा गया। इसी वजह से रवीना और शिल्पा के बीच भी तनातनी की खबरें आती रहीं। हालांकि, कई साल बाद अब अक्षय और रवीना आगामी फिल्म 'वेकअप टू द जंगल' में साथ नजर आएंगे। वहीं रवीना का कहना है कि अब शिल्पा से भी उनके रिश्ते अच्छे हैं और सभी अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं।

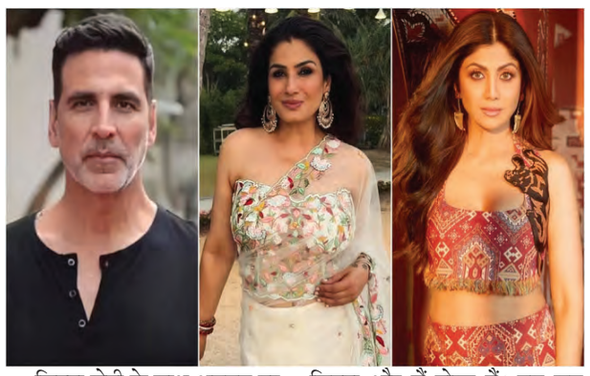

शिल्पा और मैं दोस्त हैं

जूम के साथ बातचीत के दौरान रवीना टंडन ने अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी के साथ अपने संबंधों पर बात की। साथ ही उन्होंने 'वेलकम टू द जंगल' में अक्षय के साथ काम करने के अपने अनुभवों को भी साझा किया।

शिल्पा शेट्टी के साथ अनबन पर रवीना ने कहा, 'कोई समस्या थी ही नहीं। मैं उस माहौल में नहीं थी। हम आज भी कई बातों पर हंसते हैं। सिर्फ शिल्पा और मैं ही नहीं, बल्कि मुझे लगता है कि हम सब दोस्त बन गए। हम सब उस समय जवान थे। हम एक ही इंडस्ट्री में हैं, कौन इन सब चीजों से नहीं गुजरा, कौन लिंक-अप, ब्रेकअप, रिलेशनशिप से नहीं गुजरा?

आज अक्षय और मैं दोस्त हैं। शिल्पा और मैं दोस्त हैं। हम सब दोस्त हैं। हम आगे बढ़ चुके हैं, अपने परिवारों के लिए बहुत खुश हैं। हम अपने बच्चों के लिए खुश हैं।'

अक्षय के साथ फिर से काम करके आया मजा

'वेलकम टू द जंगल' में अक्षय के साथ दोबारा काम करने के बारे में बात करते हुए रवीना ने कहा कि हमने पूरी फिल्म में खूब हंसी-मजाक की। बहुत ही मजेदार फिल्म थी। हमें दोबारा साथ काम करने में बहुत मजा आया। आपको परिपक्व होना पड़ता है, आपको समझदार बनना पड़ता है। हम सब एक-दूसरे के लिए खुश हैं। हम हमेशा से बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं।

रवीना ने गोविंदा, सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफ के साथ अपनी दोस्ती के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि उनकी मुलाकातें आज भी हंसी-मजाक और पुरानी यादों को ताजा करने से भरी होती हैं। उन्होंने आगे कहा कि 90 का दशक बिल्कुल अलग युग था।

इन फिल्मों में नजर आएंगी रवीना

वर्कफ्रंट की बात करें तो रवीना टंडन आखिरी बार साल 2024 में आई फिल्म 'घुड़चढ़ी' में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ संजय दत्त भी थे। इसके अलावा 2024 में ही वो 'पटना शुक्ला' में भी नजर आई थीं। ये ओटीटी पर रिलीज हुई थी। उनकी आगामी फिल्मों में 'वेलकम टू द जंगल' शामिल है।

इंडियन आर्मी के वेस्टर्न कमांड के दौरे पर सर्जियो गोर

भारत-अमेरिका संबंधों में नई मजबूती के संकेत

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर सोमवार को भारतीय सेना के पश्चिमी कमान के दौरे पर पहुंच गए। उन्होंने पश्चिमी कमान के मुख्यालय चंडी मंदिर छावनी पहुंचने के पहले ही एक्स के माध्यम से अपनी यात्रा की जानकारी दी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अपुष्ट दावों की वजह से दोनों देशों में एक तल्खी सी पैदा हुई थी और फिर टैरिफ ने इस तनाव को और बढ़ा दिया था। लेकिन, गोर की वजह से उनके कार्यभार संभालने से पहले से ही दोनों देशों के हित फिर से मेल खाने लगे हैं।

सर्जियो गोर पहुंचे वेस्टर्न कमान

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोमवार को एक्स पर लिखा, 'अभी-अभी चंडीगढ़ में उतरा हूं। इंडियन आर्मी के वेस्टर्न कमांड जाने का इंतजार कर रहा हूं।' एक दिन पहले ही वेस्टर्न कमांड में खरगा कोर के राम डिवीजन ने अश्नी प्रहार के माध्यम से अश्नी प्लाटून की सर्विलांस और टारगेटिंग क्षमताओं को सफलतापूर्वक वैलिडेट किया है। अत्याधुनिक शॉर्ट-रेंज सर्विलांस

सिस्टम और पिनपॉइंट टारगेटिंग मानवरहित एरियल सिस्टम (यूएएस) से लैस, अश्नी स्ट्राइक टीमों ने तेज, फुर्तीले, सटीक और जानलेवा हमले करके दिखाए हैं।

गोर के वेस्टर्न कमांड पहुंचने के मायने

ऐसे में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का वेस्टर्न कमांड पहुंचना भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों में नए आगाज की गवाही देता है। रविवार को ही गोर ने यूएस-इंडो पेसिफिक कमांड के कमांडर सैमुअल पापारो का स्वात किया था। इस मौके पर उन्होंने दोनों देशों की रक्षा भागीदारी को और बढ़ाने पर भी जोर दिया था और इसे बेहद जरूरी बताया।

भारतीय सेना या अमेरिकी दूतावास ने गोर के दौरे को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया है। पाकिस्तान के खिलाफ पश्चिमी कमान भारतीय सेना के लिए एक महत्वपूर्ण कमान है। इसकी जिम्मेदारी जम्मू और कश्मीर में अखनूर की पश्चिमी सीमा से दक्षिण में पंजाब के फाजिल्का तक है। ऑपरेशन सिंदूर में भी पश्चिमी कमान बहुत अहम रोल निभा चुका है।

थोड़ा और पहले चलें तो 3 से 4 फरवरी के बीच दोनों देशों ने दिल्ली के डीआरडीओ मुख्यालय में रक्षा विज्ञान और टेक्नोलॉजी में बेहतर सहयोग पर चर्चा की है। रक्षा मंत्रालय के बयान के अनुसार यह पूरा सत्र इंडो-यूएस मेजर डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क के विजन और पॉलिसी गाइडेंस के आधार पर आयोजित किया गया।

भारत-अमेरिका संबंध और सर्जियो गोर

पिछले साल नवंबर में नौ सेना प्रमख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भारत और अमेरिका के बीच समुद्री साझेदारी बढ़ाने के लिए अमेरिका दौरे पर गए थे। इंडो-पेसिफिक क्षेत्र में दोनों के रणनीतिक हित जुड़े हैं। तब एडमिरल त्रिपाठी ने अमेरिका के कई दिग्गज रक्षा और सैन्य अधिकारियों से भी मुलाकात की थी। हर बातचीत का आधार दोनों देशों के बीच आपसी रक्षा संबंध ही रहा।

लेकिन, यह सबकुछ देखा जा रहा है सर्जियो गोर के सक्रिय होने के बाद, जिनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आवास में सीधी एंट्री बताई जाती है।

बुजुर्ग दंपती की हत्या

घर में पड़ी मिली पति-पत्नी की लाश, शव पर धारदार हथियार से वार के मिले निशान

हजारीबाग, 16 फरवरी (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के बड़कागांव प्रखंड के बाबू पारा गांव में एक बुजुर्ग दंपती की हत्या कर दी गई है। शव पर धारदार हथियार से वार के निशान मिले हैं। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मृतकों की पहचान शिक्षक मुंशी रविदास के पिता वकील राम और माता झुनिया देवी के रूप में हुई है। वकील राम विकलांग थे। घटना का पता सोमवार सुबह तब चला जब पड़ोसियों ने घर में कोई हलचल नहीं देखी। पड़ोसियों ने घर के अंदर जाकर देखा तो दोनों मृत पाए गए। वहीं, इस घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। ग्रामीण जल्द से जल्द मामले का खुलासा चाहते हैं। दंपती घर पर अकेले ही रहते थे। इधर, सूचना मिलने पर डीएसपी पवन कुमार और बड़कागांव थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का जायजा लिया और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हत्या के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है।

पेंट फैक्ट्री में लगी भीषण आग

केमिकल के कारण तेजी से फैली, 3 घंटे बाद पाया काबू, 2 महीने में दूसरी घटना

बिलासपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के तिफरा इंडस्ट्रीयल क्षेत्र में स्थित केमिकल-पेंट फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। अनव इंस्ट्रीज के फैक्ट्री में पेंट, टाइल्स और पुट्टी बनाने का काम होता है। जिसे बनाने के लिए बड़ी मात्रा में केमिकल का इस्तेमाल होता है। बताया जा रहा है केमिकल के कारण आग तेजी से फैली। घटना साढ़े 12 बजे के आसपास की है। 3 घंटे बाद आग पर काबू पा लिया गया है। इस दौरान 4 फायर ब्रिगेड गाड़ियों की मदद ली गई।

घटना सिरगिट्टी थाना क्षेत्र की है। आग की तेज लपटें उठते देखकर लोगों ने दमकल बुलाया। आसपास का इलाका धुआं-धुआं हो गया था। घटना में किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई है। सामान को नुकसान पहुंचा है। बता दें कि 2 महीने में सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में आग की यह दूसरी घटना है। इससे पहले फर्नीचर फैक्ट्री में लगी आग में 2 लोग जिंदा जल गए थे।

जानकारी के अनुसार शहर से लगे तिफरा स्थित अनव इंडस्ट्रीज है, जहां केमिकल के साथ ही पेंट, टाइल्स और पुट्टी बनाया जाता है। रोज की तरह कर्मचारी काम

पर लगे हुए थे। इसी दौरान गोदाम के पास अचानक आग की लपटें उठने लगी। देखते ही देखते आग गोदाम में ज्वलनशील सामग्री तक पहुंच गई, जिससे आग ने भीषण रूप ले लिया। केमिकल की वजह से आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरा इलाका धुआं-धुआं हो गया था। आग लगने के बाद कर्मचारी भी हरकत में आ गए। हालांकि, इस हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है।

इस घटना के बाद आसपास के उद्योग, दुकान संचालक और कर्मचारी दहशत में हैं। हालांकि, अब दमकल के पहुंचने के बाद आग को फैलने से रोक दिया गया है। राहत की बात है कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। लेकिन, इंडस्ट्रीज में सुरक्षा उपाय को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि फैक्ट्री में आग लगने की स्थिति से निटपने के लिए न तो फायर सेफ्टी सिस्टम है और न ही कर्मचारियों के बचाव के लिए उपाय किए गए हैं। औद्योगिक क्षेत्र में इस तरह का कैमिकल और पेंट फैक्ट्री में भंडारण को लेकर भी सवाल उठा है। टीआई किशोर केंवट का कहना है कि, प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि फैक्ट्री में बिजली का काम चल रहा था।

24 फरवरी को पेश होगा झारखंड का बजट

रांची, 16 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 18 फरवरी से शुरू होकर 19 मार्च तक चलेगा। 24 फरवरी को वित्त मंत्री वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट सदन के पटल पर रखेंगे। सत्र को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं।

हालांकि अभी तक किसी भी दल की ओर से विधायक दल की बैठक की आधिकारिक तिथि घोषित नहीं की गई है। सूत्रों के मुताबिक कल दोनों पक्ष बैठक कर सकते हैं। इस सत्र में सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियों को प्रमुखता से रखने की तैयारी में है, वहीं विपक्ष सरकार को घेरने की रणनीति बना रहा है।

बजट सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। पहले दिन शोक प्रस्ताव भी लिया जाएगा। इस बार का सत्र कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि विधानसभा नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन (NeVA) के जरिए डिजिटल और पेपरलेस व्यवस्था की ओर कदम बढ़ा रही है।

सदन की कार्यवाही को तकनीक आधारित बनाने की दिशा में यह बड़ा बदलाव होगा। प्रशासनिक स्तर पर भी सत्र को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं, ताकि कार्यवाही सुचारु रूप से संचालित हो सके।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बजट के जरिए जनकल्याणकारी योजनाओं को उपलब्धि के रूप में पेश करेगी। अबुआ आवास, मंईयां सम्मान योजना और सर्वजन पेंशन जैसी योजनाओं को सरकार अपनी प्राथमिकता बताएगी।

सरकार की कोशिश रहेगी कि बजट के माध्यम से जनता को बड़ी सौगात दी जाए।

असम से केरल तक खींचतान

कैसे चार चुनावी राज्यों में मची सियासी उथल-पुथल को थामेगी कांग्रेस

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में डीएमके साथ सीट शेयरिंग को लेकर जारी खींचतान के बीच कांग्रेस घर के कलह से भी जूझती नजर आ रही है। असम कांग्रेस के सीनियर नेता भूपेन कुमार बोरा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि बोरा ने बाद में इस्तीफा वापस ले लिया। वहीं दूसरी तरफ केरल में मणिशंकर अय्यर के बयान से पार्टी में हलचल पैदा हो गई है। वहीं पश्चिम बंगाल में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सलाहकार रहे संजय बारू ने ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेता बनाने की हिमायत कर दी है। ये सभी घटनाक्रम असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे उन राज्यों में देखने को मिल रहे हैं जहां आने वाले महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

असम में सीनियर लीडर ने पार्टी छोड़ी

बहरहाल, असम की बात करते

हैं, जहां अगला विधानसभा चुनाव मार्च-अप्रैल में होने की संभावना है। असम में पार्टी को तब बड़ा झटका लगा जब पार्टी की राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस अध्यक्ष को भेजे अपने त्यागपत्र में उन्होंने दावा किया कि पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें उपेक्षित किया जा रहा है और राज्य इकाई में उन्हें उनका हक नहीं दिया जा रहा है। बोरा 2021 से 2025 तक असम कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष थे और पिछले साल उनकी जगह गौरव गोगोई को असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कमान सौंप दी गई। वह असम में दो बार विधायक रह चुके हैं। बोरा ने का कहना है कि उन्होंने अपने इस्तीफा में विस्तार से बताया कि उन्हें यह कदम उठाने के लिए क्यों मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा, यह कोई व्यक्तिगत निर्णय नहीं है। मैंने पार्टी को 32 साल दिए हैं। मैं 1994 में पार्टी में शामिल हुआ था। यह कदम केवल व्यक्तिगत नहीं है, यह पार्टी के भविष्य की चिंता से प्रेरित है। इसलिए मैंने कांग्रेस आलाकमान को सब कुछ विस्तार से बताया।" हालांकि मनाने के बाद बोरा ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया। उन्होंने ऐसे समय पर इस्तीफा दिया है जब कांग्रेस कुछ विपक्षी दलों के साथ गठबंधन की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस को पश्चिम बंगाल में एक अलग राय देखने सुनने को मिल रही है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सलाहकार रहे संजय बारू ने ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेता बनाए जाने की वकालत की है। कांग्रेस पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के मुकाबले में अकेले चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी में हैं।

मुंबई बीएमसी की स्टैंडिंग कमेटी में बीजेपी का दबदबा

एआईएमआईएम-मनसे को मिली जगह, तजिंदर तिवाना भी बने सदस्य

मुंबई, 16 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई बीएमसी में मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव संपन्न होने के बाद पॉवरफुल स्टैंडिंग कमेटी के सदस्यों का ऐलान कर दिया गया है। स्टैंडिंग कमेटी में बीजेपी की दबदबा सामने आया है। उसके 10 सदस्यों को जगह मिली है। एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के हिस्से में 4 सदस्य आए हैं। पार्टी ने यामिनी जाधव को स्टैंडिंग का सदस्य बनाया है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली सात सदस्यों को एंट्री मिली है। कांग्रेस के हिस्से में चार और मनसे और एआईएमआईएम के एक-एक पार्षद को स्टैंडिंग में रखा गया है।

मुंबई बीएमसी चुनावों के लिए 15 जनवरी को वोट डाले गए थे। इसके अगले दिन 16 जनवरी को नतीजे घोषित किए गए थे। 28 जनवरी को अजित पवार की प्लेन क्रैश में मौत के बाद मेयर का चुनाव आगे बढ़ गया था। 11 फरवरी को मेयर का चुनाव हुआ था, हालांकि मेयर और डिप्टी मेयर के लिए एक-एक नामांकन से तस्वीर पहले ही साफ हो गई थी। बीजेपी की पार्षद रितु तावड़े मेयर बनीं थी जबकि संजय घाडी को शिंदे की शिवसेना ने डिप्टी मेयर बनाया है।

बीजेपी ने स्टैंडिंग के अपने 10 सदस्यों में पार्षद तेजिंदर सिंह तिवाना को भी जगह दी है। उन्हें बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में 'स्टैंडिंग कमेटी मेंबर' के तौर पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति उनके एक्टिव पब्लिक रिलेशन, एडमिनिस्ट्रेटिव अनुभव और विकास के काम के लिए लगातार कमिटमेंट को देखते हुए की गई है।

वाराणसी में वोट जिहाद: मंत्री रविंद्र जायसवाल के दावों को सीईओ नवदीप रिणवा ने नकारा

वाराणसी, 16 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में वोट जिहाद का मुद्दा गरमा रहा था। यूपी सरकार में मंत्री रविंद्र जायसवाल के दावों ने मुद्दे को हवा दी। अब इस पूरे विवाद को लेकर बड़े दावे किए थे। हालांकि, उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मंत्री के दावों को नकार दिया है। वाराणसी पहुंचे यूपी सीईओ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मंत्री की ओर से दी गई कथित फर्जी मतदाताओं की सूची की जांच रिपोर्ट को सामने रखा। सीईओ ने कहा कि पहले चरण के वेरिफिकेशन में करीब 4500 वोटरों की जांच की गई। इसमें से केवल 9 वोटर ही डुप्लीकेट मिले। सीईओ ने बताया कि वाराणसी डीएम को कुल

9000 नामों की सूची मिली थी।

दरअसल, मंत्री रविंद्र जायसवाल ने एक लाख वोट काटने का आरोप लगाया था। मामला गरमाया तो जांच शुरु हुई। जांच में कुछ नाम मिले, जो दो फार्म भरने या अन्य कारणों से डुप्लीकेट थे। सीईओ ने कहा कि 6 जनवरी को यूपी एसआईआर के तहत ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की गई। इसके आधार पर नो मैपिंग के 1.04 करोड़ और तार्किक विसंगतियों के 2.22 करोड़ मतलब कुल 3.26 करोड़ मतदाताओं को नोटिस जारी किए जाने हैं। अब तक करीब 1.09 करोड़ नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस देने के साथ साथ सुनवाई की प्रक्रिया चल रही है। सुनवाई के बाद एक्शन होगा।

निर्वाचन विभाग की ओर से 10 अप्रैल को फाइनल वोटर लिस्ट जारी की जाएगी। इस संबंध में सीईओ नवदीप रिणवा ने कहा कि यह वोटर लिस्ट भविष्य के सभी चुनावों के लिए स्थायी रिकॉर्ड के रूप में उपयोग में लाई जाएगी। मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रगति और आगामी चरणों का पूरा होमवर्क कर लिया गया है। सीईओ ने साफ किया कि अगर जांच में यह प्रमाणित होता है कि किसी व्यक्ति ने जानबूझकर फर्जी जानकारी दी है, तभी उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सीईओ ने साफ किया कि किसी निर्दोष मतदाता को परेशान नहीं किया जाएगा। केवल ठोस साक्ष्य के आधार पर ही कार्रवाई होगी। पूरे प्रकरण में प्रशासन की प्राथमिकता वोटर लिस्ट की शुद्धता बनाए रखना है।

सनकी बेटे ने पिता को काट डाला

नशा करने पैसे मांगा, नहीं देने पर बाप को फावड़े से मारा, सिर चकनाचूर

बिलासपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सनकी बेटे ने अपने ही पिता को फावड़े से काट डाला। नशे के आदी बेटे ने पहले अपने पिता से पैसे मांगे। पिता ने पैसे नहीं होने की बात कही, तो वो आक्रोशित होकर फावड़े से हमला कर दिया। जिससे उसके वृद्ध पिता की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सिरगिट्टी थाना क्षेत्र की है।

टीआई किशोर केंवट ने बताया कि, घटना सोमवार दोपहर करीब 12.30 बजे की है। मन्नाडोल निवासी मनराखन गोंड (70) अपने बेटे नेतराम गोड़ और दो अन्य बेटों के साथ रहता है।

क्या मेरठ में पकड़ी गई मां-बेटी आईएसआई एजेंट?

राष्ट्रद्रोह का लगा आरोप, नागरिकता-सुरक्षा पर उठे सवाल, जांच जारी

मेरठ, 16 फरवरी (एजेंसियां)। मेरठ के जली कोठी स्थित नादिर अली बिल्डिंग से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जिसने स्थानीय प्रशासन और खुफिया एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। पुलिस ने मां-बेटी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। आरोप है कि दोनों बिना भारतीय नागरिकता के वर्षों से शहर में रह रही थीं और संवेदनशील सूचनाएं पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई तक पहुंचा रही थीं। शिकायत के आधार पर शुरू हुई जांच में कई गंभीर दावे किए गए हैं। तहरीर के अनुसार, वर्ष 1988 में मेरठ निवासी फरहत मसूद ने पाकिस्तान जाकर सबा उर्फ नाजी नाम की महिला से निकाह किया था। बाद में सबा भारत आईं। वर्ष 1993 में पाकिस्तान में जन्मी उनकी बेटी ऐमन फरहत भी कथित रूप से पाकिस्तानी पासपोर्ट पर भारत लाई गई। आरोप है कि इसके बाद ऐमन को यहां स्कूल में दाखिला दिलाया गया, लेकिन भारतीय नागरिकता की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। मामले में यह भी आरोप लगाया गया है कि मां-बेटी ने फर्जी दस्तावेजों का सहारा लेकर अपनी पहचान बदली और सरकारी रिकॉर्ड में हेर फेर कराया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि सबा ने अलग-अलग नामों से मतदाता पहचान पत्र बनवाए और ऐमन के नाम से भारतीय पासपोर्ट हासिल किया। प्रकरण के सार्वजनिक होते ही पुलिस के साथ-साथ एलआईयू और विशेष खुफिया इकाइयां सक्रिय हो गई हैं। अधिकारियों का कहना है कि आरोप अत्यंत गंभीर हैं और हर बिंदु की गहन जांच की जा रही है। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह के अनुसार, शिकायत में ऐसे तथ्य प्रस्तुत किए गए हैं जिनकी पुष्टि के लिए तकनीकी और दस्तावेजी जांच आवश्यक है।

संबंधित रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं और अन्य परिजनों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। इस मामले में खुफिया तंत्र की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह चिंताजनक होगा कि इतने वर्षों तक कथित रूप से संदिग्ध गतिविधियां चलती रहीं और स्थानीय एजेंसियों को भनक तक नहीं लगी।

स्टील गेट सब्जी मंडी में आधी रात भीषण आग

धनबाद, 16 फरवरी (एजेंसियां)। धनबाद शहर के सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित स्टील गेट सब्जी मंडी में रविवार देर रात करीब 12 बजे भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि एक झोपड़ीनुमा घर समेत लगभग 10 से 12 दुकानें जलकर राख हो गईं। जानकारी के अनुसार सबसे पहले एक होटल में आग लगी, जिसके बाद लपटें आसपास की दुकानों तक पहुंच गईं। रात का समय होने के कारण बाजार बंद था।

दुकानदार मौके पर मौजूद नहीं थे। ऐसे में किसी को भी सामान निकालने का मौका नहीं मिला। कुछ ही देर में सब्जी, किराना, राशन, पूजा सामग्री, चप्पल और सैलून की दुकानें आग की चपेट में आ गईं। आग की लपटें दूर से दिखाई दे रही थीं, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग आग बुझाने में जुट गए, लेकिन भीषण लपटों के सामने उनके प्रयास नाकाफी साबित हुए। सूचना पर अग्निशमन विभाग की तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने करीब ढाई बजे तक कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। इस दौरान बाजार क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल बना रहा। आग की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कई दुकानों में रखा सारा सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया। रंजीत साव की राशन दुकान, हीरालाल की आलू-प्याज आढ़त, अरविंद कुमार और प्रकाश साव की राशन दुकान तथा प्रेम कुमार का होटल समेत अन्य दुकानें पूरी तरह नष्ट हो गईं।

प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक इस अग्निकांड में 10 से 15 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हालांकि बाजार बंद रहने के कारण सटीक आकलन अभी नहीं हो सका है। आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। कुछ लोगों ने असामाजिक तत्वों की संलिप्तता की आशंका जताई है। लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना की जानकारी मिलने पर पूर्व विधायक संजीव सिंह भी मौके पर पहुंचे और पीड़ित दुकानदारों से मुलाकात कर हालात का जायजा लिया।

चौकीदार ने गांजा जब्त किया, तस्करों ने बाइक छीनी

गांजा तस्कर आंखों में मिर्च पाउडर डाल बाइक छीनकर फरार हुए

कोडरमा, 16 फरवरी (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के डोमचांच अंचल कार्यालय में कार्यरत एक चौकीदार से गांजा तस्करों ने उनकी मोटरसाइकिल छीन ली। यह घटना रविवार रात उस समय हुई, जब चौकीदार मनोज सिंह अपनी ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहे थे। तस्करों ने चौकीदार की आंखों में मिर्च पाउडर डालकर वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए।

चौकीदार मनोज सिंह ने बताया कि उन्हें रविवार शाम विशेष सूत्रों से सूचना मिली थी कि गिरिडीह से कुछ युवक गांजा तस्करी के लिए नवलशाही की ओर आ रहे हैं। सूचना के आधार पर मनोज सिंह ने

उनका पता लगाया और कानीकेंद जंगल, नवलशाही थाना क्षेत्र में उन्हें रोका।

चौकीदार को देखते ही दोनों युवक स्कूटी से भागने लगे। नवलशाही थाना से कुछ दूरी पर स्थित एक यात्री शेड के पास उन्होंने अपने बैग को फेंक दिया और फरार हो गए। मनोज सिंह ने जब बैग खोला तो उसमें गांजा के दो बड़े पैकेट मिले। चौकीदार मनोज सिंह की डोमचांच में ड्यूटी होने के कारण वे जब्त किए गए गांजे को कहीं सुरक्षित रखकर अपनी ड्यूटी पर चले गए। उनका घर नवलशाही थाना क्षेत्र के पसियाडीह गांव में है। रविवार को ड्यूटी खत्म होने के बाद रात करीब 8 बजे जब मनोज सिंह अपनी बाइक से अपने गांव पसियाडीह लौट रहे थे, तभी उनके गांव के रास्ते में एक छोटी पुलिया के पास पहले से घात लगाए वही दोनों युवक खड़े थे। जैसे ही चौकीदार वहां पहुंचे, दोनों युवकों ने उन्हें घेर लिया। उन्होंने मनोज सिंह की आंखों में मिर्च पाउडर डाल दिया और उनकी मोटरसाइकिल छीनकर वहां से फरार हो गए।

13 राज्यों में वांटेड 3 साइबर ठग गिरफ्तार

रायपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर रेंज की साइबर टीम ने 13 राज्यों में वांटेड और साइबर ठगी करने वाले सिंडिकेट के 3 ठगों को गिरफ्तार किया है। वर्क-फ्रॉम-होम जॉब के नाम पर लाखों रुपए की ऑनलाइन ठगी कर चुके हैं। पुलिस ने उन्हें राजस्थान से पकड़कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों में राजस्थान निवासी भवानी सिंह, उत्पल पंचारिया और महाराष्ट्र निवासी साहित संतोष बताए जा रहे हैं। फिलहाल, पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

दरअसल, राखी निवासी पारस कुमार धीवर और धरसीवां निवासी ललित साहू ने शिकायत की थी। पारस कुमार ने बताया कि, आरोपियों ने वर्क फ्रॉम होम नौकरी देने का झांसा देकर 24 लाख की ठगी कर ली। इसी तरह से धरसीवां निवासी ललित साहू ने पुलिस को बताया कि, आरोपियों ने उससे 34 लाख की ठगी कर ली। पीड़ितों की शिकायत पर साइबर रेंज की टीम ने जांच शुरू की और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपियों के ठिकानों का पता लगाकर उन्हें हिरासत में लिया।

पुलिस की जांच में सामने आया है कि, आरोपी टेलीग्राम चैनल की मदद से ठगी का जाल बिछाते थे।

वित्त मंत्री सीतारमण आधिकारिक दौरे पर नॉर्वे पहुंचीं

नई दिल्ली ,16 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार को दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर नॉर्वे पहुंचीं। इस दौरान वह नॉर्वे के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगी, द्विपक्षीय वार्ता में हिस्सा लेंगी और व्यापार जगत के नेताओं, निवेशकों तथा भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ संवाद करेंगी। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि ओस्लो एयरपोर्ट पर पहुंचने पर भारत की नॉर्वे में राजदूत ग्लोरिया गांगटे ने उनका स्वागत किया। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का नॉर्वे के ओस्लो हवाई अड्डे पर आगमन पर भारतीय राजदूत द्वारा औपचारिक स्वागत किया गया। इस दौरे को भारत - नॉर्वे आर्थिक सहयोग, निवेश संबंधों को मजबूत करने और द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक के नए नियमों से एमएंडए फंडिंग को बढ़ावा

भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकों की कैपिटल मार्केट एक्सपोजर से जुड़े नए नियमों से अब लेंडर्स कॉरपोरेट टेकओवर, मर्जर एंड एक्विजिशन और लेवरेज्ड बायआउट जैसे सौदों में अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे। जेएम फाइनेंशियल की रिपोर्ट के अनुसार, यह नया फ्रेमवर्क बैंकों को अधिग्रहण से जुड़े डील्स को फंड करने की अनुमति देता है, साथ ही जोखिम पर कड़ा नियंत्रण भी सुनिश्चित करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिग्रहण के बाद डेब्ट-टू-इक्विटी रेशियो पर सीमा तय करने और कैपिटल मार्केट एक्सपोजर पर कैप लगाने से केवल मजबूत वित्तीय स्थिति वाली कंपनियों को ही बैंक फंडिंग मिल पाएगी। इससे जोखिम भरे कर्ज पर अंकुश लगेगा और बैंकिंग सिस्टम में स्थिरता बनी रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से सिस्टमेटिक रिस्क में कमी आएगी, यानी वित्तीय अस्थिरता की आशंका घटेगी, साथ ही कॉरपोरेट डील्स के लिए संरचित और सुरक्षित फंडिंग का रास्ता भी खुलेगा।

जापान की अर्थव्यवस्था सुस्त, 2025 की आखिरी तिमाही में महज 0.2% की बढ़त

जापान की अर्थव्यवस्था 2025 की आखिरी तिमाही में बेहद धीमी रफ्तार से बढ़ी और वार्षिक आधार पर सिर्फ 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, यह जानकारी सरकार ने सोमवार को जारी आंकड़ों में दी। पूरे वर्ष 2025 में आर्थिक वृद्धि मात्र 1.1 प्रतिशत रही। अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में निजी खपत में 0.4 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी हुई, लेकिन निर्यात में 1.1 प्रतिशत की गिरावट ने इस बढ़त को कमजोर कर दिया। निर्यात पर निर्भर जापान की अर्थव्यवस्था पर अमेरिकी टैरिफ का असर पड़ा है और पिछले कुछ वर्षों से विकास की रफ्तार सुस्त बनी हुई है। प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने हालिया आम चुनाव में बड़ी जीत के बाद अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए खर्च बढ़ाने और खाद्य पदार्थों पर बिक्री कर निलंबित करने जैसे कदम उठाने का संकेत दिया है।

टूट गई थी उम्मीद कि अचानक आया तूफान अंतिम घंटों में बंपर लिवाली से बाजार ने लगाई छलांग

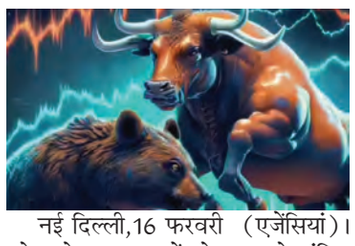

नई दिल्ली,16 फरवरी (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को अंतिम कारोबारी घंटों में कमाल हो गया। इस दौरान तेज लिवाली के झोंके ने सुबह की गिरावट की पूरी भरपाई कर दी। सिर्फ भरपाई ही नहीं की, बाजार अच्छी खासी बढ़त लेने में कामयाब रहा। बीएसई सेंसेक्स 650.39 अंक यानी 0.79% चढ़कर 83,277.15 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी भी 211.65 अंक यानी 0.83% की बढ़त के साथ 25,682.75 अंक पर पहुंच गया।

सुबह के सत्र में बाजार पर मंदड़ियें हावी रहे। सेंसेक्स शुक्रवार को 82,626.76 अंक पर बंद हुआ था। सोमवार को यह 82,480.40 पर कमजोर खुला। दिन के कारोबार में एक समय यह 82,276.95 अंक तक नीचे चला गया था। हालांकि, अंतिम कारोबारी घंटों में इसने जबरदस्त वापसी की। यह 83,333.49 के ऊंचे स्तर तक पहुंच गया था।

बीएसई के 30 शेयरों में पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी और आईटीसी में सबसे ज्यादा फायदा देखने को मिला। वहीं, टेक महिंद्रा, मारुति, बाजाज फाइनेंस के शेयरों को बिकवाली की मार पड़ी।

ज्यादातर सेक्टरों में लिवाली

मीडिया, केमिकल्स और ऑटो सेक्टर को छोड़कर ज्यादा सेक्टरों में खरीदारी हुई। निफ्टी पीएसयू बैंक 1.5% के साथ सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला सेक्टर रहा। एनर्जी (निफ्टी ऑयल एंड गैस) ने भी अपने वेटेज के हिसाब से बड़ा योगदान दिया। एफएमसीजी, फार्मा और रियलिटी सेक्टर में 1.6% तक की तेजी देखी गई।

सेंट्रम फिनवर्स के वाइस प्रेसिडेंट नीलेश जैन ने कहा कि निफ्टी ने एक बुलिश एंगल्फिंग कैंडलस्टिक पैटर्न बनाया है, जो संभावित उलटफेर का संकेत देता है। उन्होंने कहा, 'इंडेक्स ने 25,400 के स्तर को छूने के बाद तेजी से वापसी की और क्लोजिंग बेसिस पर अपने 21-डीएमए (25,480) से ऊपर बना रहा।'

उन्होंने आगे कहा, 'हालांकि, यह 100-डीएमए (25,690) से थोड़ा नीचे बंद हुआ, जो अब इमीडिएट रेजिस्टेंस का काम करेगा। ब्रॉडर स्ट्रक्चर पॉजिटिव बना हुआ है और 25,800 की ओर एक फॉलो-अप मूव देखा जा सकता है, जबकि इमीडिएट सपोर्ट बढ़कर 25,500 के स्तर पर आ गया है।'

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मिला-जुला रुख

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार रहा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.24% गिरकर बंद हुआ, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट 1.3% की गिरावट के साथ बंद हुआ। हांगकांग का हैंग सेंग और सिंगापुर का एफटीएसई स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स तेजी में रहे।

यूरोपीय बाजारों में तेजी देखी गई। ब्रिटेन का एफटीएसई 100 इंडेक्स लगभग 0.17% ऊपर कारोबार कर रहा था। वहीं, स्टॉक्स 600, फ्रेंच सीएसी 40, जर्मनी का डीएएक्स और स्पेन का आईबीईएक्स 1% तक ऊपर थे।

चांदी आज 2,949 सस्ती हुई, कीमत 2.39 लाख सोना 1,315 बढ़कर 1.54 पर पहुंचा

नई दिल्ली,16 फरवरी (एजेंसियां)। चांदी के दाम में आज 16 फरवरी को लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, एक किलो चांदी की कीमत 2,949 रुपए गिरकर 2,39,484 रुपए किलो पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को चांदी की कीमत 2,42,433 रुपए किलो थी।

वहीं, आज 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,315 रुपए बढ़कर 1,54,080 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले शुक्रवार को ये 1,52,765 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। हालांकि, पिछले तीन कारोबारी दिनों में चांदी 26,965 और सोना 3,242 रुपए सस्ता हुआ है।

सर्राफा बाजार में 29 जनवरी को सोने ने 1,76,121 रुपए और चांदी ने 3,85,933 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। तब से अब तक सोना 22,041 रुपए और चांदी 1,46,449 सस्ती हो चुकी है।

अलग-अलग शहरों में रेट्स अलग क्यों होते हैं?

IBJA की सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल RBI सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

सस्ते दामों पर खरीदारी कर रहे लोग

पिछले तीन कारोबारी सत्रों में सोने-चांदी की कीमतों में तेज गिरावट आई है। इस दौरान सोना करीब 15% तक सस्ता हो गया था। अब कीमतें स्थिर होते ही निवेशकों ने निचले स्तर पर खरीदारी शुरू कर दी है। हालांकि, जानकारों का कहना है कि अभी सोने-चांदी में एक मुश्त पैसा लगाने से बचना चाहिए। इसकी जगह धीरे-धीरे निवेश करना ज्यादा फायदेमंद होगा।

अमेरिका और ईयू के साथ डील के बाद चीन को बड़ी छूट देने की तैयारी, क्या है मोदी सरकार का प्लान?

नई दिल्ली,16 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका और ईयू के साथ ट्रेड डील के बाद अब सरकार चीन को बड़ी छूट देने की तैयारी में है। ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सरकार प्रेस नोट 3 की समीक्षा कर रही है और विदेशी निवेश के ऑटोमेटिक अप्रूवल के लिए एक सीमा निर्धारित की जा सकती है। प्रेस नोट 3 के तहत उन देशों से आने वाले एफडीआई के लिए सरकारी मंजूरी जरूरी है जिनकी सीमा भारत से लगती है। यह व्यवस्था अप्रैल 2020 में लाई गई थी ताकि कोरोना काल में घरेलू कंपनियों को विदेशी टेकओवर खासकर चीन से बचाया जा सके।

सूत्रों का कहना है कि सरकार न्यूनतम सीमा की व्यावहारिकता की समीक्षा कर रही है। इस सीमा से नीचे के निवेश को ऑटोमेटिक अप्रूवल दिया जा सकता है। इसका मकसद कंपनियों पर अनुपालन का बोझ कम करना और छोटे निवेश की गति को तेज करना है। खासकर ऐसे सेक्टर्स में इसकी जरूरत है जहां तुरंत फंडिंग की जरूरत है और जहां संवेदनशील तकनीक का मसला नहीं है। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि इस बात की समीक्षा की जा रही है कि भारत में तुरंत निवेश को कैसे आसान बनाया जा सकता है। साथ ही इस बात की भी समीक्षा की जा रही है कि इसमें न्यूनतम सीमा हो सकती है या नहीं।

सरकारी मंजूरी

सूत्रों का कहना है कि अगर इस तरह की कोई सीमा निर्धारित की जाती है तो इससे छोटे निवेश के लिए सरकारी मंजूरी की जरूरत नहीं रह जाएगी। यह सीमा परसेंटेज स्टेक या मॉनीटरी वैल्यू में हो सकती है। इस बारे में कोई भी फैसला सभी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। इसमें सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी शामिल हैं। सरकार ने छह महीने पहले प्रेस नोट 3 में संशोधित करके सभी सेक्टर्स में निवेश के लिए सरकारी मंजूरी को अनिवार्य बना दिया था।

इसके मुताबिक भारत के साथ सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले निवेश प्रस्तावों के लिए गृह और विदेश मंत्रालय से मंजूरी लेना जरूरी है। सूत्रों का कहना है कि प्रेस नोट 3 को किसी भी स्थिति में खत्म नहीं किया जाएगा। एक अधिकारी ने कहा, हम देश में आने वाले हर निवेश को लेकर सतर्क हैं और यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे किसी भी क्रिटिकल सेक्टर्स में जबरन टेकओवर हो।

थोक महंगाई 10 महीने में सबसे ज्यादा

जनवरी में बढ़कर 1.81% पर पहुंची, खाने-पीने की चीजें महंगी हुईं

नई दिल्ली,16 फरवरी (एजेंसियां)। जनवरी में थोक महंगाई बढ़कर 1.81% पर पहुंच गई है। इससे पहले दिसंबर में थोक महंगाई 0.83% पर थी। ये 10 महीनों में सबसे ज्यादा है। मार्च 2025 को ये 2.05% पर थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 16 फरवरी को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं।

रोजाना जरूरत के सामान, खाने-पीने की चीजें महंगी हुईं

रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई 0.21% से बढ़कर 2.21% हो गई। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई माइनस 0.43% से बढ़कर 1.55% हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर माइनस 2.31% से घटकर माइनस 4.01 रही।

मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 1.82% से बढ़कर 2.86% रही।

होलसेल महंगाई के तीन हिस्से

प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62% है। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15% और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23% है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं।

फूड आर्टिकल्स जैसे अनाज, गेहूं, सब्जियां

नॉन फूड आर्टिकल में ऑयल सीड आते हैं, मिनरल्स, क्रूड पेट्रोलियम

रिटेल महंगाई 8 महीनों के हाई पर

जनवरी में रिटेल महंगाई पिछले महीने के मुकाबले बढ़कर 2.75% पर पहुंच गई है। दिसंबर में ये 1.33% पर थी। 8 महीनों में सबसे ज्यादा है। मई 2025 में महंगाई 2.82% पर पहुंच गई थी।

होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए WPI को कंट्रोल कर सकती है।

जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। WPI में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

महंगाई कैसे मापी जाती है?

भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (CPI) भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स (WPI) का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है।

महंगाई मापने के लिए अलग-अलग आइटम्स को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75%, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 22.62% और फ्यूल एंड पावर 13.15% होती है। वहीं, रिटेल महंगाई में फूड और प्रोडक्ट की भागीदारी 45.86%, हाउसिंग की 10.07% और फ्यूल सहित अन्य आइटम्स की भी भागीदारी होती है।

पाक को भारत ने आईना दिखाया, दिल्ली के वैश्विक मंच पर पड़ोसी को जगह नहीं; मायने क्या?

नई दिल्ली,16 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने पाकिस्तान को एक बार फिर आईना दिखाया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित इंडिया-एआई इंपैक्ट समिट 2026 में कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शाम करीब पांच बजे इस शिखर सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। पीएम मोदी वैश्विक कंपनियों और राष्ट्राध्यक्षों की मौजूदगी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में भारत की क्षमताओं को रेखांकित करेंगे। पीएम मोदी नीत सरकार के कार्यकाल में पाकिस्तान के प्रति भारत सख्त नीतियां अपना रहा है, एआई इंपैक्ट समिट में न्योता न भेजना इसकी एक और बानगी है। दिल्ली में हो रहे इस पांच दिवसीय ग्लोबल इवेंट में किन राष्ट्राध्यक्षों को बुलाया गया है? किन देशों की कौन सी बड़ी कंपनियां भारत में एआई से जुड़े इस आयोजन में भाग ले रही हैं? पीएम मोदी नीत सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर क्या नीतियां अपना रही है? बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्यों के बीच भारत का ये प्रयास सही मायने में वैश्विक क्यों है? जानिए ऐसे तमाम सवालों के जवाब इस खबर में

पाकिस्तान को नहीं दिया गया निमंत्रण

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा समेत कई प्रमुख वैश्विक नेता इस समिट में हिस्सा लेंगे। इस समिट के लिए पाकिस्तान को आमंत्रण न दिए जाने को लेकर आधिकारिक रूप से कोई विस्तृत कारण सार्वजनिक नहीं किया गया है। इस समिट के लिए अब तक लगभग तीन लाख प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। सम्मेलन का मकसद केवल तकनीकी विमर्श तक सीमित नहीं है, बल्कि एआई को हेल्थकेयर, कृषि और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में लागू कर आम लोगों के जीवन में वास्तविक और व्यापक सुधार लाना भी है।

एआई क्रांतिः तैयार सॉफ्टवेयर का दौर खत्म : भारतीय आईटी इंडस्ट्री के अरबों डॉलर बिजनेस मॉडल को बदल रहे, डेटा और एआई एजेंट का जमाना

मुंबई,16 फरवरी (एजेंसियां)। ग्लोबल टेक इंडस्ट्री एक निर्णायक मोड़ पर हैं, जहां पुराने अरबों डॉलर के बिजनेस मॉडल तेजी से ध्वस्त हो रहे हैं। क्लाउड, एआई और ऑटोमेशन ने पारंपरिक आईटी सर्विसेज, महंगे सॉफ्टवेयर लाइसेंस और लंबी अवधि के मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट्स को चुनौती दी है। अब कोडिंग, टेस्टिंग और सपोर्ट जैसे काम एआई टूल्स के जरिए तेजी से और कम लागत में किए जा रहे हैं। इससे आईटी कंपनियों के राजस्व पर दबाव पड़ रहा है।

टेक जगत में इस बदलाव को सासपोकैलिप्स कहा जा रहा है, जो पारंपरिक सॉफ्टवेयर-एज-अ-सर्विस कंपनियों के लिए किसी प्रलय से कम नहीं है। इसकी दहशत में भारत समेत दुनियाभर के आईटी कंपनियों के शेयर टूट रहे हैं। भारत में एक माह में आईटी इंडेक्स 14% से अधिक टूट चुका है, जो हालिया वर्षों में सबसे बड़ी गिरावट है। खास बात यह है कि इसकी अगुवाई भारतीय मूल के दिग्गज कर रहे हैं।

एन्थ्रोपिक में चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर राहुल पाटील ने एआई मॉडल क्लाउड को चैटबॉट से आगे बढ़ाकर एक ऑटोनॉमस एआई वर्कफ्लो टूल क्लाउड कोवर्क में बदल दिया। इसमें 11 ऐसे प्लग-इन हैं जो अलग-अलग विभागों (लीगल, सेल्स, मार्केटिंग, डेटा आदि) के काम कर सकते हैं। इसकी लॉन्चिंग के बाद वैश्विक शेयर बाजारों में सॉफ्टवेयर और आईटी कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखी गई।

राहुल ने कंप्यूटर साइंस में बीई बेंगलुरु से किया। अमेरिका की एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी से कम्प्यूटर साइंस में मास्टर किया। राहुल पाटील इससे पहले ओरेकल क्लाउड, अमेजन बेव सर्विसेज, स्ट्राइप और माइक्रोसॉफ्ट में अहम ओहदों पर रह चुके हैं।

स्नोफ्लेक सीईओ श्रीधर रामास्वामी के नेतृत्व में कंपनियों को अलग-अलग स्रोतों (एप्स, वेबसाइट) से डेटा जोड़ने, स्टोर करने और उसी डेटा पर एप्लिकेशन बनाने की सुविधा देता है। कंपनियां अब तैयार सॉफ्टवेयर (जैसे पारंपरिक सीआरएम) खरीदने के बजाय डेटा पर आधारित कस्टम सॉल्यूशंस बना रही हैं। स्नोफ्लेक का मॉडल एमेजन एडब्ल्यूएस, माइक्रोसॉफ्ट एज्योर व गूगल क्लाउड तीनों पर काम करता है। इससे सेल्सफोर्स, ओरेकल जैसे एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर दिग्गज कंपनियों को चुनौती मिली है।

रामास्वामी आईआईटी मद्रास से बीटेक और अमेरिका की ब्राउन यूनिवर्सिटी से पीएचडी हैं। गूगल में लंबे समय तक सीनियर वीपी रहे। 2024 में स्नोफ्लेक के सीईओ बनें।

आईबीएम सीईओ अरविंद कृष्णा कंपनी को पारंपरिक हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर दिग्गज से एआई और हाइब्रिड क्लाउड-फोकस्ड टेक कंपनी में बदल रहे हैं। वॉटसनएक्स प्लेटफॉर्म एंटरप्राइज एआई टूल्स का व्यापक इकोसिस्टम है। ये कंपनियों को एआई मॉडल बनाने, ट्रेन करने और सुरक्षित तरीके से लागू करने की सुविधा देता है।

क्या बदलाव आया? मैनुअल कोडिंग, लंबी डेवलपमेंट प्रक्रिया कम हो रही है। कंपनियां अपने डेटा पर कस्टम एआई मॉडल तैयार कर सकती हैं। बैंकिंग, हेल्थकेयर, सरकारी संस्थान सुरक्षित तरीके से एआई अपना सकते हैं।

कृष्णा ने आईआईटी कानपुर से इंजीनियरिंग व यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉय से पीएचडी। 1990 में आईबीएम से जुड़े। 2020 में सीईओ बने।

फ्लेक्स की सीईओ रेवती अद्वैती मैन्युफैक्चरिंग कंपनी को पारंपरिक इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण से आगे बढ़ाकर इंटेलिजेंट टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन प्रोवाइडर में बदल रही हैं। इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन सिस्टम, हेल्थकेयर उपकरण जैसे प्रोडक्ट में सॉफ्टवेयर और एआई क्षमताएं जोड़ी जा रही हैं, जिससे डिवाइस खुद डेटा प्रोसेस कर सके। निर्णय लेने में सक्षम हो।

क्या बदलाव आया? स्टैंडअलोन सॉफ्टवेयर कंपनियों के लिए बड़ी चुनौती। ग्राहक अलग-अलग समाधान खरीदने के बजाय इंटीग्रेटेड एंड-टू-एंड सिस्टम को प्राथमिकता दे रहे हैं। रेवती ने बिट्स पिलानी से इंजीनियरिंग और अमेरिका के थंडरबर्ड स्कूल से एमबीए किया। हनीवेल में सीनियर नेतृत्व भूमिकाओं के बाद 2019 में फ्लेक्स की सीईओ बनीं।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ	मे	कुंभ....	05-30 बजे
चंद्र	मकर	मे	मीन.....	06-30 बजे
मंगल	मकर	मे	मेष.....	08-09 बजे
बुध	कुंभ	मे	वृष.....	09-45 बजे
गुरु	मिथुन	मे	मिथुन..	11-29 बजे
शुक्र	कुंभ	मे	कर्क...	13-29 बजे
शनि	मीन	मे	सिंह....	15-42 बजे
राहु	कुंभ	मे	कन्या...	17-54 बजे
केतु	सिंह	मे	तुला....	20-01 बजे
			वृश्चिक..	22-06 बजे
			धनु.....	00-16 बजे
			मकर....	02-29 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
सूर्योदय 06-45
सूर्यास्त. 18 -14
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष मंगलवार 17 February 2026
तिथि - अमावस्या 17-31 तक उपरान्त प्रतिपदा
नक्षत्र - धनिष्ठा 21-16 तक उप शतभिषा
योग - परिघ 00-28 रात तक उप. शिव
करण - नाग 17-31 तक, किस्तुघ्न

देवपितृकार्ये अमावस्या
शिव खप्पर पूजा

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 15-24 से 16-51 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया			रात का चौघडिया	
रोग	06-45 - 08-10	अशुभ	काल	18-14 - 19-51 अशुभ
उत्पात	08-10 - 09-37	अशुभ	लाभ	19-51 - 21-24 शुभ
चंचल	09-37 - 11-03	शुभ	उत्पात	21-24 - 22-57 अशुभ
लाभ	11-03 - 12-30	शुभ	शुभ	22-57 - 00-30 शुभ
अमृत	12-30 - 13-57	शुभ	अमृत	00-30 - 02-03 शुभ
काल	13-57 - 15-24	अशुभ	चंचल	02-03 - 03-36 शुभ
शुभ	15-24 - 16-51	शुभ	रोग	03-36 - 05-09 अशुभ
रोग	16-51 - 18-14	अशुभ	काल	05-09 - 06-45 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,

आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो

आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा और आप और स्पष्ट तरीके से सोच और देख पायेंगे

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,

आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैंआपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है ऐसे लोगों से सावधान रहें उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं

सिंह मा, मी ,मू,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप अन्दर से डरे हुए से हैं यह जान लें कि इन मुद्दों से घबराने की जरूरत नही है इन वर्तमान समस्याओं के कई कारण हैं और इनके लिए दुसरे जिम्मेदार हैं,आप नहीं ये छोटी बातें जल्दी ही सुलझ जायेंगी अपने आपको राहत देने के लिए किसी मनोरंजक कार्यकलाप की योजना बनाएं

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आप बारीकियों पर बहुत ध्यान देंगे आप किसी परियोजना की ब्योरेवार योजना बनाने में जुटे हुए हैं और आप इस पर बहुत मेहनत भी कर रहे हैं आपकी यह मेहनत आपके काम में भी दिखाई देगी और इस काम के लिए आपको काफी तारीफ मिलेगी आपके काम में आज पूरा दिन सृजनात्मकता बनी रहेगी

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है ईमानदारी और एकाग्रता आपको बहुत आगे ले जायेगी,लेकिन अपने आदर्शों और यकीन पर कायम रहें

मकर भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

दिन की शुरुआत उलझन से होगी आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

केमिकल फैक्टरी में आग से आठ लोगों की मौत

पीएम मोदी ने जताया शोक; सीएम-पूर्व सीएम समेत किसने क्या कहा?

भिवाड़ी, 16 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के भिवाड़ी स्थित खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्टरी में तेज धमाके के बाद भीषण आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल बन गया। बताया गया कि फैक्टरी में काम कर रहे आठ लोग जिंदा जल गए। इस भयावह घटना को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम भजनलाल, पूर्व सीएम अशोक गहलोत और राज्यपाल समेत कई जनप्रतिनिधियों ने शोक संवेदना जताई है।

प्रधानमंत्री ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना को अत्यंत दुखद बताया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति उनकी संवेदनाएं हैं और वे घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं।

मुख्यमंत्री और राज्यपाल की संवेदना

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भिवाड़ी के खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में फैक्टरी में आग लगने से हुई जनहानि का समाचार अत्यंत दुःखद है। उन्होंने जिला प्रशासन को राहत और बचाव कार्य के

निर्देश दिए हैं तथा दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

वहीं, राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने भिवाड़ी के खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में फैक्टरी में आग लगने से हुए हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से मृतकों की पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की है।

पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष की प्रतिक्रिया

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भिवाड़ी (खैरथल-तिजारा) की एक केमिकल फैक्टरी में लगी भीषण आग में आठ व्यक्तियों की मृत्यु को बेहद पीड़ादायक और दुखद बताया। ईश्वर से प्रार्थना है कि इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में कम से कम जनहानि हो। प्रभु दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें एवं घायलों को शीघ्र स्वस्थ करें।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भिवाड़ी की केमिकल फैक्ट्री में 7 लोगों के जिंदा जलने की खबर अत्यंत हृदयविदारक है। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में एवं शोकाकुल परिजनों को यह असहनीय दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि खैरथल-तिजारा जिले के भिवाड़ी में केमिकल फैक्टरी में आग लगने से 8-10 लोगों की मौत हुई और कई लोग घायल हुए हैं। उन्होंने सरकार और प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग की तथा हाल के अन्य हादसों का उल्लेख करते हुए इसे गंभीर मामला बताया।

कैसे हुई घटना और क्या पता चला?

दमकल इंचार्ज राजू खान के अनुसार, औद्योगिक क्षेत्र के प्लॉट नंबर G-1, 118 में स्थित फैक्टरी में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। मौके पर पहुंची दमकल की आधा दर्जन गाड़ियां आग बुझाने में जुट गईं। बताया गया कि फैक्टरी पिछले कई महीनों से बंद बताई जा रही थी, लेकिन परिसर में बड़ी मात्रा में गत्तों का स्टॉक रखा हुआ था। सोमवार सुबह करीब 10 बजे फैक्टरी के अंदर से धुआं उठता दिखाई दिया और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया।

धमाकों से दहशत, कारणों की जांच जारी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने के दौरान तीन से चार बार जोरदार धमाके हुए, जिनकी आवाज दूर तक सुनी गई। प्रारंभिक अंदेशा है कि फैक्टरी के अंदर रखे गैस सिलेंडर फटने से ये धमाके हुए होंगे। हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी या किसी अन्य कारण से।

एहतियातन आसपास की फैक्टरियों को खाली करा लिया गया और बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद कर दी गई। दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी, क्योंकि फैक्टरी में रखा गत्ता तेजी से आग पकड़ रहा था। घंटों की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काफी हद तक नियंत्रण पाया गया, हालांकि शीतलन कार्य देर तक जारी रहा। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहे और स्थिति का जायजा लिया।

सुरक्षा मानकों की जांच के निर्देश

घटना के बाद प्रशासन ने औद्योगिक क्षेत्र की अन्य इकाइयों को भी सुरक्षा मानकों की जांच करने के निर्देश दिए हैं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बंद बताई जा रही फैक्टरी में क्या गतिविधियां चल रही थीं और धमाके का कारण क्या था।

झोपड़ी में लगी भीषण आग

मां और 4 माह के मासूम की हुई दर्दनाक मौत, पूरे गांव में शोक की लहर

सिरोही, 16 फरवरी (एजेंसियां)। सिरोही जिले के आबूरोड क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है। रीको थाना क्षेत्र के मावल सरहद के पास नदी के किनारे बने एक कच्चे झोपड़े में अचानक आग लगने से मां और उसके चार महीने के मासूम पुत्र की जलकर मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार झोपड़े में अचानक आग भड़क गई। अंदर मौजूद गोविन्द पुत्री हिंदुराम जोगी और उसका चार महीने का पुत्र विष्णु आग की चपेट में आ गए। आग इतनी तेजी से फैली कि दोनों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन हरकत में आया। सीओ गोमाराम, थानाधिकारी लक्ष्मणसिंह चम्पावत और पुलिस टीम मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक मां और मासूम के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए।

थानाधिकारी लक्ष्मणसिंह चम्पावत ने बताया कि आग अचानक कैसे लगी, इसका अभी तक स्पष्ट कारण नहीं पता चला है। मृतका के पिता की रिपोर्ट पर संदिग्ध मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और मामले की गहन जांच कर रही है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि जांच के बाद सच्चाई सामने लाई जाएगी।

प्रधानमंत्री के नाम की योजना में 'महा-भ्रष्टाचार'!

भजनलाल सरकार का बड़ा ऐलान

जयपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को किसानों के हितों से जुड़े एक गंभीर मुद्दे पर सरकार ने कड़ा रुख अपनाया। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने सदन को बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में बैंक अधिकारियों और बीमा कंपनियों की मिलीभगत से करोड़ों रुपये का घोटाला किया जा रहा है। उन्होंने इसे एक 'संगठित अपराध' करार देते हुए घोषणा की कि इस मामले की जांच अब राजस्थान पुलिस की विशेष शाखा SOG को सौंपी जाएगी।

128 करोड़ रुपये का 'क्लेम घोटाला', किसानों के साथ धोखा

विधानसभा में शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़ द्वारा उठाए गए सवाल का जवाब देते हुए किरोड़ी लाल मीणा ने चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए। उन्होंने बताया कि गंगानगर के करणपुर में 1.70 लाख इंटिमेशन फॉर्म में से जब 32,000 फॉर्म की गहराई से जांच की गई, तो पता चला कि सर्वेयर ने फर्जी

तरीके से किसानों और राजस्व अधिकारियों के हस्ताक्षर खुद ही कर लिए।

इंश्योरेंस कंपनी पर गिरेगी गाज, केंद्र को लिखा पत्र

मंत्री मीणा ने एक कंपनी का नाम लेते हुए सदन में सीधा आरोप लगाया कि इंश्योरेंस कंपनी प्रथम दृष्टया डिफॉल्टर पाई गई है। राजस्थान सरकार ने भारत सरकार को आधिकारिक पत्र लिखकर मांग की है कि इस कंपनी को ब्लैकलिस्ट किया जाए और इसे भविष्य में कोई टेंडर न दिया जाए। सरकार का स्पष्ट स्टैंड है कि राजस्थान में ऐसी कंपनियों के लिए कोई जगह नहीं है।

मंत्री ने चूरू जिले के सालासर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ॉ की शाखा में हुए एक और बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा किया।

बिना जमीन के बीमाः जांच में सामने आया कि 71 ऐसे लोगों का बीमा किया गया जिनके नाम पर न तो कोई जमीन थी और न ही बीकानेर के गजनेर तहसील में उनका कोई रिकॉर्ड था।

9 करोड़ की सेंधमारीः इन फर्जी 'माफिया' किसानों ने बिना केसीसी के ही सेविंग अकाउंट के जरिए प्रीमियम कटवा लिया। यदि समय रहते इसे नहीं पकड़ा जाता, तो सरकार के करीब 9 करोड़ रुपये इन माफियाओं की जेब में चले जाते।

इन जिलों में सक्रिय है 'बीमा माफिया'

कृषि मंत्री ने सदन को आगाह किया कि यह घोटाला केवल एक जिले तक सीमित नहीं है। उन्होंने नागौर, बीकानेर, चूरू, सांचौर और जालोर के कुछ हिस्सों को इस 'संगठित अपराध' का केंद्र बताया। मंत्री के अनुसार, इस धंधे में कंपनी के लोग, बैंक कर्मचारी और कुछ बाहरी माफिया तत्व शामिल हैं।

'बख्शे नहीं जाएंगे माफिया'

विधानसभा में घोषणा करते हुए किरोड़ी लाल मीणा ने कहा, ₹यह किसानों के पसीने की कमाई पर डाका है। हमने रावला थाने में केस दर्ज करा दी है और अब एसओजी इसकी जड़ों तक जाएगी। किसी भी दोषी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। उप नेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा सहित विपक्ष के कई सदस्यों ने भी इस मुद्दे पर सरकार का समर्थन करते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

डबल इंजन सरकार पर वृंदा करात का सीधा प्रहार

बोलीं- आदिवासियों के खिलाफ चल रहा अघोषित युद्ध

उदयपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। शहर के गुजराती समाज भवन में रविवार को आदिवासी अधिकार राष्ट्रीय मंच की राष्ट्रीय समन्वय समिति की बैठक शुरू हुई। बैठक की अध्यक्षता त्रिपुरा के नेता प्रतिपक्ष जितेंद्र चौधरी ने की। देश के 13 राज्यों से आए आदिवासी प्रतिनिधियों ने इसमें हिस्सा लिया। बैठक में आरोप लगाया गया कि मौजूदा सरकारें कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुंचाने के लिए आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर कर रही हैं।

वृंदा करात का सरकार पर सीधा हमला

उदयपुर पहुंची भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की वरिष्ठ नेता वृंदा करात ने केंद्र की भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ने आदिवासियों के खिलाफ अघोषित युद्ध छेड़ रखा है।

बजट और जनगणना पर उठे सवाल

जितेंद्र चौधरी ने केंद्र सरकार के आंकड़ों पर सवाल उठाए। उन्होंने

कहा कि देश में आदिवासियों की आबादी 8.6 प्रतिशत है, लेकिन बजट में उनका हिस्सा केवल 2.58 प्रतिशत है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले से मंजूर बजट भी पूरा खर्च नहीं किया गया। उन्होंने मांग की कि आने वाली जनगणना में आदिवासियों की अलग पहचान और उनकी आस्था के लिए अलग कॉलम रखा जाए। रोजगार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि मनरेगा की जगह लाई गई नई व्यवस्था कम बजट के कारण 125 दिन का रोजगार देने में सफल नहीं होगी।

राजस्थान में आरक्षण और विस्थापन का मुद्दा

वृंदा करात ने राजस्थान की डबल इंजन सरकार पर आरोप लगाया कि यहां आदिवासियों के खिलाफ अघोषित युद्ध चल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रथम, द्वितीय और चतुर्थ श्रेणी की भर्तियों में आरक्षण नीति का सही तरीके से पालन नहीं हो रहा है। संविदा और आउटसोर्सिंग के जरिये आदिवासियों को उनके अधिकारों से दूर किया जा रहा है।

उन्होंने जबरन विस्थापन का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना था कि उदयपुर, डूंगरपुर और बांसवाड़ा जिलों में परमाणु बिजली घर, बांध और सड़क परियोजनाओं के नाम पर बिना सही मुआवजा और ग्राम सभा की मंजूरी के आदिवासियों को हटाया जा रहा है। झाड़ोल के अम्बासा गांव की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने वन विभाग की कार्रवाई को अमानवीय बताया।

अरावली और पहचान का सवाल

राष्ट्रीय संयोजक पुलिन बास्की ने कहा कि सरकार बुलडोजर नीति के जरिये आदिवासियों की पहचान मिटाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने भारत अमेरिका व्यापार समझौते से आदिवासी किसानों को नुकसान होने की आशंका भी जताई। आदिवासी जनाधिकार एका मंच के अध्यक्ष दुलीचंद ने अरावली पर्वतमाला में खनन का विरोध किया। उन्होंने कहा कि अरावली सिर्फ पहाड़ नहीं है, बल्कि आदिवासियों के जीवन, संस्कृति और आत्मसम्मान का आधार है।

बैठक में पारित हुए प्रस्ताव

बैठक में आदिवासी अधिकारों की रक्षा, बजट बढ़ाने, आरक्षण नीति का पालन करने और विस्थापन पर रोक लगाने की मांग को लेकर प्रस्ताव पारित किए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता और कई राज्यों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। वृंदा करात ने अपने भाषण में डबल इंजन सरकार को जमकर कोसा और आदिवासियों के हक की लड़ाई जारी रखने का आह्वान किया।

तालाब में तैरती कार से मिले 2 दोस्तों के शव

हालत देख कांप उठे लोग

टोंक, 16 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के टोंक जिले में दिल दहला देने वाला मामले सामने आया है। आवां कस्बे के रामसागर तालाब में सोमवार को तैरती कार में दो दोस्तों के शव मिलने से हड़कंप मच गया। ये दोनों 39 दिन से लापता था।

लंबे समय तक पानी में रहने के कारण शवों की हालत बेहद खराब थी, जिसे देखकर मौके पर मौजूद लोग भी सिहर उठे। पुलिस इस मामले की हर एंगल से जांच में जुटी हुई है। मामले सामने आने के बाद परिजनों की आखिरी उम्मीद भी टूट गई है।

दूनी थाना क्षेत्र के रामसागर तालाब में सुबह ग्रामीणों ने एक कार तैरती देखी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी की मदद से कार को बाहर निकाला। जिसमें दो युवकों के शव मिले, जो पूरी तरह गल चुके थे। पुलिस ने कार के नंबरों के आधार पर परिजनों को सूचना दी। इसके बाद शवों की पहचान हो पाई। मृतक रमेश पुत्र जगन्नाथ गुर्जर और महावीर पुत्र सेवा गुर्जर बूंदी जिले के रेण गांव के रहने वाले थे। देवली डीएसपी रामसिंह ने बताया कि रमेश और महावीर 8 जनवरी से कार के साथ लापता थे। इस मामले में परिजनों ने दबलाना पुलिस थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस और परिजनों ने कुछ दिन तक काफी तलाशा की थी, लेकिन दोनों का सुराग नहीं लगा था।

उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने सोमवार सुबह पुलिस को सूचना दी कि बूंदी रोड स्थित रामसागर तालाब में एक कार तैर रही है। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्रैक्टर की मदद से कार को निकालने का प्रयास किया। लेकिन, सफलता नहीं मिली। इसके बाद जेसीबी की मदद से कार को तालाब से बाहर निकाला गया। कार के अंदर से दो युवकों की भी शव बरामद हुए है।

चैकिंग के दौरान ट्रक ने ड्यूटी पर तैनात आरटीओ इंस्पेक्टर के ड्राइवर को कुचला

जयपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर के कानोता थाना क्षेत्र के हिंगोनिया टोल प्लाजा के पास रिंग रोड पर रविवार दोपहर ड्यूटी के दौरान हादसे में आरटीओ इंस्पेक्टर के वाहन चालक की मौत हो गई।

परिवहन निरीक्षक असगर अली खां के अनुसार हिंगोनिया टोल प्लाजा पर वाहनों की चैकिंग और चालान की कार्रवाई चल रही थी। इसी दौरान आगरा रोड की ओर से आए एक अज्ञात ट्रक ने परिवहन जाप्ते में संविदा पर लगे कार चालक को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत सवाई मानसिंह अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं।

पुलिस के मुताबिक हादसे के शिकार व्यक्ति की पहचान राजाराम रावत (48) निवासी पनियाला, कोटपूतली के रूप में हुई है। घटना के बाद पुलिस आगरा रोड से आए ट्रक चालक की जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

लग्जरी कार में बारां से पंजाब ले जा रहे थे नशे की खेप

पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में फायरिंग कर पकड़ा

कोटा, 16 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा ग्रामीण पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में बड़ी कार्रवाई करते हुए सिमलिया थाना क्षेत्र में 150 किलो डोडा-चूरा बरामद किया है। घटना सुबह करीब 8 बजे की है। पुलिस टीम ने एनएच-27 (कोटा-बारां हाईवे) पर सिमलिया टोल के पास नाकाबंदी कर रखी थी। इसी दौरान बारां की ओर से तेज रफ्तार में एक लग्जरी कार आती दिखाई दी।

पुलिस को देखते ही कार चालक ने गाड़ी की स्पीड बढ़ा दी और नाकाबंदी तोड़कर भागने की कोशिश की। स्थिति को भांपते हुए पुलिस ने तुरंत सतर्कता दिखाई और कार का पीछा शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि तस्करों ने भागने के लिए गाड़ी को तेजी से दौड़ाया, जिससे कुछ देर के लिए हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने कार को रोकने के लिए गाड़ी के टायर पर फायर किया। इसके बाद कार अनियंत्रित हो गई और पुलिस टीम ने उसे चारों तरफ से घेर लिया। कार सवार बदमाशों ने भागने की कोशिश की लेकिन पुलिसकर्मियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर कार से 150 किलो डोडा-चूरा बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह नशे की खेप बारां के रास्ते पंजाब ले जाई जा रही थी। पुलिस ने दोनों तस्करों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इस कार्रवाई से मौके पर हड़कंप मच गया।

घर में घुसकर युवती से दुष्कर्म का प्रयास, विरोध करने पर मामा की लाठी से हत्या

जालोर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के जालौर जिले के आहोर थाना क्षेत्र के एक गांव में देर रात एक गंभीर आपराधिक घटना सामने आई, जिसने क्षेत्र में सनसनी फैला दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अशोक नामक युवक ने एक व्यक्ति के घर में घुसकर उसकी भांजी के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। युवती के विरोध और शोर मचाने पर घर के सदस्य मौके पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि युवती के चिल्लाने की आवाज सुनकर उसका मामा और परिवार के दो अन्य सदस्य कमरे में पहुंचे। इस दौरान आरोपी अशोक ने गुस्से में आकर युवती के मामा के सिर पर ताबड़तोड़ लाठी से वार कर दिए। हमले में मामा गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। बीच-बचाव में आए दो अन्य लोग भी हमले में चोटिल हो गए।

घटना के बाद परिजन घायल अवस्था में मामा को तुरंत आहोर के राजकीय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया।सूचना मिलते ही आहोर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराई। वहीं घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है। परिजनों की ओर से दी गई रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आरोपी अशोक कुमार को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में घर में घुसकर दुष्कर्म के प्रयास और मारपीट की पुष्टि हुई है। मामले में विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है और पूरे घटनाक्रम की गहन जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जाएगी और दोषी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

'मैं एसपी बोल रहा हूं' ऑनलाइन केस से नंबर निकाल सैकड़ों को ठगा

400 लोगों को दी धमकी, पुलिस ने दबोचा

भीलवाड़ा, 16 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की भीलवाड़ा पुलिस ने एक ऐसे शातिर साइबर अपराधी का पर्दाफाश किया है, जो खाकी का खौफ दिखाकर लोगों की जेब खाली कर रहा था। यह ठग कोई मामूली अपराधी नहीं, बल्कि तकनीक का इस्तेमाल कर सीधे 'भीलवाड़ा एसपी' बनकर फोन करता था।

पुलिस की साइबर सेल और रायला थाना पुलिस ने एक फिल्मी ऑपरेशन के तहत आरोपी को मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश बॉर्डर के बीहड़ों से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सत्येंद्र सिंह उर्फ देशपत यादव (26) निवासी टीकमगढ़ (मप्र) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, यह इलाका साइबर अपराधियों का नया 'हॉटस्पॉट' बन चुका है। आरोपी बेहद शातिर तरीके से वारदात को अंजाम देता था।

ठगी का यह खेल तब खुला, जब रायला निवासी जगदीश प्रसाद चौधरी को एक कॉल आया। कॉलर ने खुद को एसपी बताते हुए मांडल थाने के एक मामले में सहयोग का झांसा देकर पैसे मांगे।

पीड़ित को जब शक हुआ और उसने नाम पूछा, तो आरोपी ने झिड़कते हुए कहा, अपने काम से काम रखिए, नाम से कोई मतलब नहीं। जब पीड़ित ने एसपी ऑफिस आने की बात कही, तो ठग ने समय की कमी का बहाना बनाकर कॉल काट दिया।

एसपी धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन में साइबर टीम ने जब डिजिटल फुटप्रिंट्स का पीछा किया, तो लोकेशन मप्र-यूपी बॉर्डर के जंगलों में मिली।

दक्षिण मध्य रेलवे में ट्रेन संचालन सुरक्षा की व्यापक समीक्षा

महाप्रबंधक ने अतिक्रमण व ट्रेसपासिंग पर सख्ती के दिए निर्देश

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने रेल एवं सड़क यातायात की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रेसपासिंग (अनधिकृत रेल पटरियों को पार करना) की घटनाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को ऐसे मामलों में सतर्कता बढ़ाने और ट्रेनों के सुरक्षित संचालन पर फोकस करने को कहा। सोमवार को सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में आयोजित जोन-स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक में महाप्रबंधक ने ट्रेन संचालन से जुड़ी विभिन्न सुरक्षा पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्य प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। वहीं विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। महाप्रबंधक ने जोन में चलाए जा रहे विभिन्न सुरक्षा अभियानों की समीक्षा करते हुए कहा कि ट्रेनों के सुचारू संचालन और लेवल क्रॉसिंग पर सुरक्षा बढ़ाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित विभागों के समन्वय से नॉन-इंटरलॉकिंग लेवल क्रॉसिंग को चरणबद्ध तरीके से आरओबी/आरयूबी (रेलवे ओवरब्रिज/अंडरब्रिज) में परिवर्तित करने के लिए सूक्ष्म योजना तैयार करने के निर्देश दिए। माल ढुलाई की समीक्षा के दौरान श्री श्रीवास्तव ने सभी मंडलों को निर्देश दिया कि लोडिंग के समय सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को निजी साइडिंग प्राधिकरणों से नियमित संवाद कर सुरक्षा मानकों का सख्ती से अनुपालन कराने को कहा गया। बैठक में कोचों और प्लेटफॉर्म पर स्वच्छता व साफ-सफाई की स्थिति की भी समीक्षा की गई। इसके साथ ही अग्नि सुरक्षा उपायों, केबल क्षति, सिग्नल परिसंपत्तियों के रखरखाव कार्यों पर चर्चा करते हुए महाप्रबंधक ने निर्देश दिए कि सभी सुरक्षा संबंधी परिसंपत्तियों का निर्धारित समयानुसार नियमित रखरखाव किया जाए, जिससे सुरक्षा मजबूत हो और ट्रेनों की समयपालन क्षमता में सुधार हो। दक्षिण मध्य रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जोन में रेल संचालन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सतत निगरानी और समन्वित प्रयास जारी रहेंगे।

चार नगर निकायों में त्रिशंकु जनादेश

आदिलाबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले में हाल ही में हुए नगरपालिका चुनावों के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। जिले के 11 नगर निकायों में से चार में त्रिशंकु जनादेश आया है, जिससे सत्तारूढ़ कांग्रेस को झटका लगा है। कांग्रेस ने नवगठित मंचिरल नगर निगम, निर्मल और चेन्नूर नगर निगमों में आवश्यक बहुमत हासिल कर जीत दर्ज की है, जबकि बीआरएस ने क्याथनपल्ली नगर निगम पर कब्जा जमाया है। वहीं एआईएमआईएम और भाजपा भैंसा और आदिलाबाद नगर निकायों में प्रमुख ताकत बनकर उभरी हैं। कागजनगर, बेल्लमपल्ली, आसिफाबाद और खानापुर नगरपालिकाओं में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है।

यादगिरिगुट्टा मंदिर के ईओ भवानी शंकर ने हैदराबाद में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की।

शांति एवं सद्भाव बनाए रखने में शांति समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका : सज्जनार

सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी की समन्वय बैठक आयोजित

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद को सांप्रदायिक सौहार्द का एक जीवंत उदाहरण बताते हुए शहर के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने कहा कि शहर की विशिष्ट 'गंगा-जमुनी तहजीब' की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने शांति समितियों के सदस्यों से आग्रह किया कि वे कानून प्रवर्तन एजेंसियों और जनता के बीच एक मजबूत सेतु के रूप में कार्य करें, ताकि अपराध-मुक्त समाज की स्थापना हो सके। सोमवार को बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर ऑडिटोरियम में आयोजित सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी की समन्वय बैठक को संबोधित करते हुए आयुक्त ने इन समितियों के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। वर्ष 1984 में स्थापित इन समितियों ने दशकों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि शांति और स्थिरता, जिसे इन समितियों और नागरिकों ने मिलकर कायम रखा है, हैदराबाद के वैश्विक विकास केंद्र के रूप में उभरने में प्रमुख कारक रही है।

आगामी आयोजनों के संदर्भ में उन्होंने सदस्यों को निर्देश दिया कि वे जमीनी स्तर पर समन्वय सुनिश्चित करें, ताकि सभी समुदाय भाईचारे की भावना के साथ त्योहार मना सकें। उन्होंने विशेष रूप से चेतावनी दी कि धार्मिक तनाव भड़काने के उद्देश्य से फैलाए जाने वाले झूठे प्रचार और सोशल मीडिया अफवाहों के प्रति सतर्क रहें। सदस्यों से अपील की गई कि वे ऐसी भ्रामक सूचनाओं का सक्रिय रूप से खंडन करें और सही तथ्य जनता तक पहुंचाएं, ताकि किसी प्रकार की घबराहट न फैले। सार्वजनिक सुरक्षा के दायरे को विस्तारित करते हुए बैठक में साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे से निपटने तथा शहर से नशे और गांजा जैसी बुराइयों के उन्मूलन के लिए सामूहिक पहल का आह्वान किया गया। उद्देश्य है जनता और पुलिस के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करना, ताकि हैदराबाद देश का सबसे सुरक्षित शहर बना रहे।

जमीनी स्तर की समस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए यह घोषणा की गई कि अब प्रत्येक तीन माह में अनिवार्य रूप से जोन स्तर पर शांति समिति की बैठकें आयोजित की जाएंगी।

बैठक में दिए गए सभी सुझावों पर विचार करने का आश्वासन देते हुए नागरिकों को कानून-व्यवस्था की मजबूती के लिए अपने विचार और सुझाव देने का आमंत्रण भी दिया गया। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त तफसीर इकबाल, संयुक्त पुलिस आयुक्त डी. जोएल डेविस, आईपीएस एस.एम. विजय कुमार, तथा श्रीमती एन. श्वेता, आईपीएस उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त कई जोनल डीसीपी भी उपस्थित थे, जिनमें रक्षिता कृष्णा मूर्ति, आईपीएस, खरे किरण प्रभाकर, शिल्पावल्ली, ए. रमना रेड्डी, बी. राजेश, जी. चंद्र मोहन तथा एस. श्रीनिवास शामिल हैं।

राजस्थानी देवासी समाज द्वारा द्रौपदी गार्डन में महाशिवरात्रि जागरण भक्ति व सामाजिक एकता के साथ संपन्न

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी देवासी समाज, हैदराबाद-सिकन्दराबाद (जि. सिरोही-बाड़मेर) के तत्वावधान में महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर रविवार, 15 फरवरी को द्रौपदी गार्डन, सीतारामबाग, हैदराबाद में विशाल जागरण का आयोजन श्रद्धा व गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। रात्रि 7 बजे से प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, युवावर्ग तथा बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे। जागरण स्थल पर पूरे समय भक्ति-भाव से परिपूर्ण वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की आराधना करते हुए पूरी रात भजन-कीर्तन का आनंद लिया।

कार्यक्रम में भजन प्रस्तुति जबरारामजी कलबी (वागावास) द्वारा दी गई, जिन्होंने अपने सुमधुर भजनों से भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। मंच संचालन मीठालालजी जांगिड़ (भीनमाल) द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया, जिससे कार्यक्रम का संचालन सुव्यवस्थित एवं आकर्षक बना रहा। आयोजन में महाप्रसादी की व्यवस्था भी की गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर अनेक सम्माननीय अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में भाजपा राज्य संगठन मंत्री चन्द्रशेखर, कुरमा संगम के अध्यक्ष योग्गा मल्लेशम, गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह, भाजपा नेता आला पुरुषोत्तम, डी.सी.पी. सैदाबाद राहुल हेगड़े, ए.सी.पी. शाह इनायत गंज एस. सुदर्शन तथा सी.आई. मंगलहाट एस. राघवेन्द्र सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने सहभागिता कर आयोजन की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की सफलता में अध्यक्ष कालूराम देवासी तथा समाज के समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। आयोजकों ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं भक्तगणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में एकता, संस्कार एवं आध्यात्मिक चेतना को बल मिलता है।

देवासी समाज (गोड़वाड़) द्वारा महाशिवरात्रि पर 18वाँ विशाल जागरण श्रद्धा व उत्साह के साथ संपन्न

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। देवासी समाज (गोड़वाड़), हैदराबाद-सिकन्दराबाद, जि. पाली (मारवाड़ जंक्शन) के तत्वावधान में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर 18वाँ विशाल जागरण कार्यक्रम रविवार, 15 फरवरी को बालाजी नगर, साई बाबा कमान रोड, मरुधर कॉलोनी, यापराल, सिकन्दराबाद में श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। रात्रि 9 बजे से प्रारंभ हुए इस जागरण में देवासी समाज सहित अन्य समाजों के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान शिव की आराधना की और पूरी रात भजन-कीर्तन का आनंद लिया।

कार्यक्रम में पावन सान्निध्य श्री 1008 फुला भारती जी का प्राप्त हुआ, जिनके आशीर्वचन से उपस्थित भक्तगण आध्यात्मिक रूप से अभिभूत हुए। जागरण में प्रमुख भजन गायक श्री किशोर मालवीय एवं पार्टी (बोपारी) ने एक से बढ़कर एक भक्ति रचनाएं प्रस्तुत कर वातावरण को शिवमय बना दिया।

साथ ही भजन गायक श्री गोविन्दराम सुथार (बालोतरा) ने भी अपने सुमधुर भजनों से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर किया।

कार्यक्रम के दौरान झांकी कलाकार संजु मारवाड़ी द्वारा प्रस्तुत आकर्षक झांकियों ने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया, वहीं नृत्य कलाकार गोपी मारवाड़ी की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में रंगारंग स्वरूप जोड़ दिया। पूरे आयोजन में श्रद्धालुओं की उपस्थिति, अनुशासन एवं भक्ति भाव देखते ही बन रहा था।

आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष मांगीलाल देवासी, सचिव नेमाराम देवासी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण देवासी, उपाध्यक्ष मदनलाल देवासी, मांगीलाल देवासी, नारायणलाल देवासी, सह-सचिव दिनेश देवासी तथा सह-कोषाध्यक्ष नरेश देवासी सहित देवासी समाज के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजकों ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सामाजिक एकता एवं धार्मिक भावना के साथ आयोजन करने की बात कही।

महादेव के नाम विशाल जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल स्थित मालाणी जाट समाज हैदराबाद में एक शाम महादेवजी के नाम विशाल जागरण सम्पन्न हुआ। राजस्थान से पधारे भजन गायक दलपतजी जाट व महेश पंवार सादड़ी एण्ड पार्टी द्वारा गणेश वंदना प्रस्तुत किया गया । इसके बाद राजस्थानी भजन प्रस्तुत किये गए।

इस अवसर पर मालाणी जाट समाज अध्यक्ष भंवरलाल गोदारा, उपाध्यक्ष बाबूलाल भादु, सचिव मुलाराम कड़वासरा, सह सचिव रुपाराम साई, कोषाध्यक्ष हरीश रोपड़िया व समस्त कार्यकारिणी सदस्यगण व समाज बंधु उपस्थित रहे।

मीणा समाज ग्रुप हैदराबाद महाशिवरात्रि महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। घटकेसर स्थित शिवा फंक्शन हॉल अन्नाजीगुड़ा घटकेसर में श्री गौतम ऋषि महराज का विशाल जागरण व छठवां वार्षिक महोत्सव सम्पन्न हुआ।

प्रेस विज्ञप्ति लक्ष्मण मीणा ने बताया की हर प्रतिवर्ष शिवरात्रि का महोत्सव बहुत ही हषोल्लास के साथ मनाया गया। शिवजी व श्री गौतम ऋषि महराज को बहुत चमत्कारी है जिसके दर्शन मात्र से इच्छाएं पूर्ण होती है। इसलिए दूर से भक्तों दर्शन के लिए उपस्थित हुए। इस अवसर पर व्रतधारी भक्तों के लिए प्रसादी की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर राजस्थान से पधारे श्रीश्री 1008 महंत श्री भक्तिदास जी महाराज का भव्य स्वागत किया। सुप्रसिद्ध भजन गायक संत श्रवण दास हिंगोला एण्ड पार्टी मारवाड़ (राजस्थान) ने सर्व प्रथम गणेश वंदना से शुरू किया। भजनों में भूरिया बाबा के भजनों का गुण गान किया और भक्तों ने झुमे उठे। लाईव प्रसारण बीआर एस राजस्थानी चैनल व राठौड़ साउंड भगवानराम राठौड़, बबलू द्वारा किया। इस अवसर पर वारंगल से पधारे पुसाराम व बिरमगुड़ा गैर मंडली का सम्मान किया। प्रकाश मीणा, रमेश, विनोद, भरत, कैलाश व समाज बन्धु उपस्थित रहे।

अमृतधाम आश्रम में महाशिवरात्रि संपन्न

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मण्डल के तत्वावधान में सुधांशु महाराज द्वारा संस्थापित मंचिरेउला नारसिंगी स्थित अमृतधाम आश्रम के अमृतेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि-महोत्सव व शिव-पार्वती-कल्याण-महोत्सव संपन्न हुआ। मिडिया प्रभारी राजकुमार दायमा के अनुसार रविवार अमृतधाम आश्रम के अमृतेश्वर महादेव मंदिर में हजारों शिवभक्तो नें हिस्सा लिया। मुख्य यजमान मिशन के केंद्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौड, श्रीमती आसमान कंवर राठौड, हैदराबाद मण्डल के महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल और श्रीमती शिबानी मैथी, आशीष मैथी ने विद्वान ब्राह्मण पंडित सर्वज्ञ शर्मा व शशी शर्मा के मार्गदर्शन में कल्याण महोत्सव संपन्न हुआ।

पत्रकारों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम कल

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मीडिया अकादमी के सचिव नागुलपल्ली वेंकटेश्वर राव ने आज बताया कि कार्यरत पत्रकारों के लिए भूमि अधिकार, कृषि, ग्रामीण विकास और पर्यावरण रिपोर्टिंग पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम इस महीने की 18 फरवरी को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक नामपल्ली स्थित तेलंगाना मीडिया अकादमी ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा।

सचिव ने कहा, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञ भूमि कानूनों, भूमि विवादों के समाधान, कृषि और सहायक क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं, बैंक ऋण, पर्यावरण सुरक्षा, तालाबों के संरक्षण, पत्रकारिता के आचार संहिता, मीडिया कानून, डिजिटल रिपोर्टिंग, कृषि और किसान समस्याओं, ग्रामीण क्षेत्रों, राजस्व मामलों और रिपोर्टिंग में पर्यावरणीय व तकनीकी मुद्दों के बारे में पॉवरपॉइंट प्रस्तुतियों के माध्यम से जानकारी देंगे। सचिव ने बताया कि मीडिया क्षेत्र में तेजी से हो रहे परिवर्तन को देखते हुए पत्रकारों को नई तकनीकों के बारे में जागरूक होना आवश्यक है और उन्हें समाज को निष्पक्ष तथा जिम्मेदार जानकारी प्रदान करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण पत्रकारों को अपने पेशेवर कौशल को और अधिक बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगा।

काव्या चेयरपर्सन और गणेश वाइस चेयरपर्सन बने

निर्मल, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को निर्मल म्युनिसिपैलिटी ऑफिस में चेयरपर्सन और वाइस चेयरपर्सन के चुनाव की प्रक्रिया शांति से पूरी हुई। सुबह 11 बजे पंचायत राज ऑफिसर श्रीनिवास, डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर और डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर द्वारा नियुक्त एक ऑफिसर की अध्यक्षता में एक स्पेशल मीटिंग हुई।

इस मौके पर, 42 नए चुने गए पार्षदों ने शपथ ली। जनरल ऑब्जर्वर वीरा रेड्डी मीटिंग में शामिल हुए। कोरम पूरा होने पर, अप्पाला काव्या चेयरपर्सन चुनी गईं। काठी नरेंद्र प्रस्तावक थे और एम.डी. इमान उल्लाह समर्थनकर्ता थे। अप्पाला गणेश चक्रवर्ती वाइस चेयरपर्सन चुने गए। ताज अद्दीन प्रस्तावक थे और गोला गोपीनाथ समर्थनकर्ता थे। प्रोग्राम में म्युनिसिपल कमिश्नर जगदीश्वर गौड़, डी.ई. हरि भुवन, तहसीलदार राजू और अन्य लोग शामिल हुए।

पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर समाज बन्धुओं द्वारा आयोजित महाशिवरात्रि जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए सोहनलाल गेहलोत, वेनाराम परमार एंड पार्टी। अवसर पर पूजा-अर्चना, दर्शन-वंदन, प्रसाद व भजनों का लाभ लेते हुए सचिव नारायणलाल काग, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबुराम पँवार, खेलमंत्री हिमताराम हाम्बड़, महिला सचिव निर्मला देवड़ा, सलाहकार गवरीदेवी परिहार, जीमनीबाई पँवार, पौनीदेवी लचेटा, कंकुदेवी पँवार व समाज बन्धु।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

दुनियाभर से आए ...

उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि वे एआई टूल्स को अपनाएं, वरना वे पीछे छूट सकते हैं।

सिस्को सिस्टम्स इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर हरीश कृष्णन : एआई आने वाली पीढ़ियों के लिए समाज में सुधार कर रहा है और इंसानी क्षमताओं को बेहतर बनाने में मदद कर रहा है।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज के पूर्व सीईओ विनीत नायर : एआई का असर 50 प्रतिशत नौकरियों पर पड़ेगा, लेकिन साथ ही यह 50 प्रतिशत नए रोजगार के मौके भी पैदा करेगा।

सीआईआई नेशनल एआई फोरम के को-चेयरपर्सन तेजप्रीत चोपड़ा : एआई तेजी से दुनिया को बदल रहा है और हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनता जा रहा है। हेल्थकेयर और खेती से लेकर शिक्षा और गवर्नेंस तक, एआई हर काम को आसान बना रहा है। एआई नौकरियां छीनने के बजाय नए रोल पैदा करेगा, एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देगा और भविष्य के वर्कफोर्स को तैयार करेगा।

सबरीमाला में महिलाओं ...

विपक्षी कांग्रेस का कहना है कि सरकार को अदालत में जाने से पहले जनता को अपना रुख साफ-साफ बताना चाहिए। उनका आरोप है कि सरकार इस संवेदनशील मुद्दे पर अब तक असमंजस की स्थिति में है। 11 मई 2020 को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि पांच-न्यायाधीशों की बेंच सीमित समीक्षा शक्तियों के तहत कानून के सवालों को बड़े बेंच को भेज सकती है। 2018 के सबरीमाला फैसले ने सभी उम्र की महिलाओं के मंदिर प्रवेश को अनुमति दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक स्वतंत्रता और संविधान के अनुच्छेद 25 एवं 26 के दायरे पर सात प्रमुख सवाल भी तैयार किए हैं। इसमें यह भी स्पष्ट किया गया कि धार्मिक समूह या संप्रदाय की प्रथाओं को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा पीआईएल (जनहित याचिका) के माध्यम से चुनौती दी जा सकती है या नहीं। सबरीमाला मामले के अलावा बेंच ने मस्जिदों और दरगाहों में मुस्लिम महिलाओं के प्रवेश और पारसी महिलाओं के अगियारी (पवित्र अग्नि स्थल) में प्रवेश से जुड़े मुद्दों को भी बड़े बेंच के समक्ष भेजा है।

नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीशन ने मुख्यमंत्री विजयन से पूछा कि क्या सरकार अब भी सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने पुराने हलफनामे के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार महिलाओं के प्रवेश के पक्ष में है तो उसे मजबूती से अदालत में यही बात रखनी चाहिए। अगर नहीं है तो हलफनामा वापस लिया जाए। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने भी कहा कि पूरे केरल में सरकार से साफ रुख की मांग हो रही है और पीछे हटना जनता के साथ धोखा होगा।

सत्तारूढ़ दल सीपीआई(एम) ने विपक्ष के आरोपों को खारिज किया है। पार्टी के राज्य सचिव एम वी गोविंदन ने कहा कि सरकार अपना पक्ष अदालत में ही रखेगी और अभी इसे सार्वजनिक करना जरूरी नहीं है।

पूर्व तट रेलवे
निविदा सूचना सं. WAT-TRS-OT-20-2025-26
स्थान सहित कार्य का नाम : इलेक्ट्रिक लोको शेड / विशाखापट्टनम में आपातकालीन (Emergency) ब्रेक लगाने के दौरान BP ट्रेन पाइप से आने वाले कोयला / धूल कण (Dust Particle) को इकट्ठा करने के लिए तीन फेज लोकोमोटिवों (WAP-7 एवं WAG-9) में ट्रैप चैम्बर (TRAP Chamber) का फिटमेन्ट।
निविदा मूल्य : ₹ 11,14,606.55, EMD : ₹ 22,300/-, निविदा दस्तावेज की लागत : ₹2,360/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 महीने।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 05.03.2026 को 1500 बजे।
संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।
वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (TRS), विशाखापट्टनम
PR-1125/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

क्या पाकिस्तान सुपर-8 की रेस से बाहर हो सकता है

नामीबिया के खिलाफ जीत जरूरी

खेल डेस्क, 16 फरवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने पाकिस्तान को ग्रुप स्टेज मैच हराकर सुपर-8 में एंट्री कर ली। अब पाकिस्तान को क्वालिफाई करने के लिए नामीबिया के खिलाफ आखिरी मैच जीतना ही होगा। अगर टीम हार गई तो ग्रुप-ए से भारत के साथ अमेरिका सुपर-8 में पहुंच जाएगा। वहीं पाकिस्तान का सफर खत्म हो जाएगा।

टूर्नामेंट में आज श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबला शाम 7 बजे से खेला जाएगा। कंगारू टीम यहां अगर हार गई तो उनका सुपर-8 में पहुंचना मुश्किल हो जाएगा। क्योंकि टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ एक मैच हार चुकी है।

ग्रुप-ए में 2 मैच खेले गए। अमेरिका ने नामीबिया को 31 रन से हराया। वहीं भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से हरा दिया। 6 पॉइंट्स के साथ टीम इंडिया टॉप पर है और सुपर-8 में भी एंट्री कर ली। वहीं अमेरिका 4 पॉइंट्स लेकर नंबर-2 पर पहुंच गई, टीम के सभी मैच खत्म हो गए।

पाकिस्तान के भी 4 ही पॉइंट्स हैं, लेकिन खराब रन रेट के कारण टीम तीसरे नंबर पर है। उनका आखिरी मैच नामीबिया से है, टीम तीनों मुकाबले हारकर बाहर हो चुकी है। हालांकि, नामीबिया ने अगर पाकिस्तान को हरा दिया तो टीम 2009 की चैंपियन को ग्रुप स्टेज से ही बाहर कर देगी।

ग्रुप-सी के मुकाबले में वेस्टइंडीज ने नेपाल को 9 विकेट से हरा दिया। इस नतीजे से विंडीज सुपर-8 में पहुंच गई, वहीं नेपाल एलिमिनेट हो गई। अब इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और इटली की टीमें रेस में हैं।

इंग्लैंड आज इटली से भिड़ेगी, टीम जीतकर अगले राउंड में पहुंच जाएगी। अगर इटली जीत गई तो इंग्लैंड का क्वालिफाई कर पाना मुश्किल हो जाएगा।

इटली के पास 1 जीत और 1 हार है। वहीं स्कॉटलैंड ने एक मैच तो जीता, लेकिन टीम 2 मुकाबले हार चुकी है। इंग्लैंड को इकलौती हार भी वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली। स्कॉटलैंड का आखिरी मैच नेपाल से होगा, इसे जीतकर टीम का क्वालिफाई कर पाना मुश्किल है। हालांकि, इंग्लैंड अगर हार गई तो इटली और स्कॉटलैंड दोनों की उम्मीदें बढ़ जाएंगी।

टूर्नामेंट का सबसे मुश्किल ग्रुप यही था। इसमें 2024 की फाइनलिस्ट साउथ अफ्रीका, 2021 की रनर-अप न्यूजीलैंड और 2024 की सेमीफाइनलिस्ट अफगानिस्तान की टीमें थीं। अफगानिस्तान ने कीवी और प्रोटियाज टीम के खिलाफ अपने दोनों मैच गंवा दिए। अब उन्हें क्वालिफाई करने के लिए आखिरी दोनों मैच जीतने के साथ न्यूजीलैंड के हारने की दुआ भी करनी होगी।

साउथ अफ्रीका 3 जीत से 6 पॉइंट्स लेकर लगभग अगले राउंड में जगह बना चुकी है। टीम यूएई को आखिरी मैच हराकर नंबर-1 पर रहकर ग्रुप स्टेज फिनिश कर सकती है।

न्यूजीलैंड भी 2 मैच जीत चुका है, टीम कनाडा के खिलाफ आखिरी मैच जीतकर सुपर-8 में पहुंच जाएगी। यूएई को एक जीत मिली है, लेकिन उनके 2 मैच अफगानिस्तान और साउथ अफ्रीका के खिलाफ है। अगर टीम दोनों जीत गई तो अगले राउंड में पहुंच जाएगी। वहीं अफगानिस्तान और कनाडा एक भी मैच हारीं तो बाहर हो जाएंगी।

पाकिस्तान को हराने के बाद टीम इंडिया का डबल फायदा

ऑस्ट्रेलिया का वर्ल्ड रिकॉर्ड चकनाचूर

कोलंबो, 16 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2026 में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को सिर्फ हराया नहीं है. बल्कि, उससे उसे डबल फायदा हुआ है. उसी फायदे में उसने ऑस्ट्रेलिया के 19 साल पुराने वर्ल्ड रिकॉर्ड को भी तोड़ डाला है. अब सवाल है कि वो वर्ल्ड रिकॉर्ड कौन सा है? पाकिस्तान को कोलंबो में हराने के बाद टीम इंडिया को और क्या फायदा पहुंचा है? आइए एक-एक कर दोनों फायदों के बारे में डिटेल में जानते हैं.

पाकिस्तान पर भारत की रिकॉर्ड जीत

भारत ने कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम पर 15 फरवरी को खेले T20 वर्ल्ड कप 2026 के मुकाबले में पाकिस्तान पर रिकॉर्ड जीत दर्ज की. उसने उसे 61 रन से हराया, जो कि रनों के लिहाज से ची20 वर्ल्ड कप में भारत की पाकिस्तान पर सबसे बड़ी जीत रही. वहीं पाकिस्तान की टी20 वर्ल्ड कप में रनों के लिहाज से ये दूसरी बड़ी हार है.

पाकिस्तान को हराने का पहला फायदा- सुपर-8 का टिकट

अब टीम इंडिया को इस बड़ी जीत का पहला फायदा ये हुआ कि उसे सुपर-8 का टिकट मिल गया. पाकिस्तान को हराने के बाद वो T20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 में पहुंची और वेस्टइंडीज के बाद इस कामयाबी को हासिल करने वाली दूसरी टीम बनी.

पाकिस्तान को हराते भारत ने तोड़ा ऑस्ट्रेलिया का वर्ल्ड रिकॉर्ड

इसके अलावा भारतीय टीम को दूसरा फायदा पाकिस्तान पर जीत का ये हुआ कि वो ऑस्ट्रेलिया के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ने में कामयाब रहा. ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ये वर्ल्ड रिकॉर्ड 19 साल पहले बनाया था, जिसका ताल्लुक आईसीसी टूर्नामेंट में लगातार सबसे ज्यादा मुकाबले जीतने से है. ऑस्ट्रेलिया ने 2006 से 2007 के बीच 15 मुकाबले लगातार आईसीसी टूर्नामेंट में जीते थे, जिसे अब भारतीय टीम ने तोड़ दिया है. पाकिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया को मिली जीत आईसीसी टूर्नामेंट्स में उसकी लगातार 16वीं जीत रही. भारत ने ये जीत 2024 से 2026 के बीच हासिल की है.

ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि अपने वर्ल्ड रिकॉर्ड को दुरुस्त करने की कोशिश थी मगर 2023 से 2024 के बीच वो आईसीसी टूर्नामेंट्स में 14 मुकाबले ही लगातार जीत सके.

शमी के सामने मनवाया अपना लोहा

आकिब नबी ने सेमीफाइनल में बंगाल के 5 बल्लेबाजों के उखाड़े पांव

खेल डेस्क, 16 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी, टीम इंडिया में अपनी एंट्री को लेकर लगातार दावा मजबूत कर रहे हैं. अब उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में भी 5 विकेट झटक लिए हैं. बंगाल के खिलाफ सेमीफाइनल मैच की पहली पारी में 29 साल के आकिब नबी ने मोहम्मद शमी के आगे अपना लोहा मनवाया. वैसे 5 विकेट लेने का कमाल उन्होंने कोई पहली या दूसरी बार नहीं किया. बल्कि ऐसा प्रदर्शन वो लगातार रहे हैं. ऐसे में बात वही है कि सेलेक्टर्स भी कब तक नजरें फेरेंगे?

आकिब नबी का नॉन-स्टॉप प्रदर्शन

आकिब नबी ने बंगाल के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले की पहली पारी में 26 ओवर में 87 रन देकर 5 विकेट झटके. ये लगातार तीसरी इनिंग है, जिसमें आकिब नबी ने 5 या उससे ज्यादा विकेट झटके हैं. इससे पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल की दोनों पारियों में 5 प्लस विकेट लिए हैं. वहीं ये 15वीं बार है जब आकिब ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में 5 या उससे ज्यादा विकेट एक पारी में झटके हैं.

क्वार्टर फाइनल के बाद अब सेमीफाइनल में भी कहर

आकिब नबी ने इससे पहले मध्य प्रदेश के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 12 विकेट लिए थे, जिसमें 7 विकेट उन्होंने पहली पारी में लिए थे. जबकि 5 विकेट दूसरी पारी में हासिल किए थे. फर्स्ट क्लास क्रिकेट में किसी एक मैच में ये उनका बेस्ट प्रदर्शन था. अब अपने उसी प्रदर्शन को उन्होंने सेमीफाइनल में भी दोहराया है.

आकिब नबी का धमाकेदार प्रदर्शन जारी

आकिब नबी का हालिया फॉर्म जबरदस्त है. पिछले सीजन में खेले 18 मैचों में उन्होंने 97 विकेट चटकाए थे. उसी प्रदर्शन को मौजूदा सीजन में बरकरार रखते हुए उन्होंने जम्मू कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

इन 5 बल्लेबाजों को नबी ने किया आउट

सेमीफाइनल में आकिब नबी की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बंगाल ने पहले खेलते हुए अपनी पहली पारी में 328 रन बनाए. आकिब नबी ने बंगाल के जिन 5 बल्लेबाजों का शिकार किया उनमें- अभिमन्यु ईश्वरन, सुदीप कुमार घरामी, सूरज सिंधु जयसवाल, आकाशदीप और मोहम्मद शमी के नाम रहे.

इंग्लैंड की तीसरी जीत

इटली को 24 रन से हराया

टीम सुपर-8 की रेस में बरकरार; विल जैक्स की फिफ्टी, ओवरटन-करन को 3-3 विकेट

कोलकाता, 16 फरवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्डकप में इटली को 24 रनों के अंतर से हरा दिया है। सोमवार के दूसरे मैच में मिली इस जीत से टीम सुपर-8 की रेस में बरकरार है। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में ग्रुप-सी के मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। इंग्लिश टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 202 रन बनाए।

जवाबी पारी में इटली 20 ओवर में 178 रन पर ऑलआउट हो गई। बेन मेनेंटी ने 60 रन बनाए। जबकि जस्टिन मोस्का ने 43 रन की पारी खेली। दोनों ने 92 रनों की साझेदारी की। सैम करन और जैमी ओवरटन ने 3-3 विकेट झटके। इंग्लैंड की ओर से विल जैक्स ने 22 बॉल पर नाबाद 53 रनों की पारी खेली। इस पारी में 3 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। टॉम बैंटन ने 30, फिल सॉल्ट ने 28 और सैम करन ने 25 रन का योगदान दिया। इटली की ओर से ग्रांट स्टुअर्ट और क्रिशन कालुगामगे को 2-2 विकेट मिले।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

इटलीः जस्टिन मोस्का, एंथोनी मोस्का, जेजे स्मट्स, हैरी मेनेंटी (कप्तान), बेन मेनेंटी, मार्कस कैंपोपिनो, ग्रांट स्टुअर्ट, जीपी मीडे, जसप्रीत सिंह, क्रिशन कालुगामगे, अली हसन।

इंग्लैंडः फिल सॉल्ट, जोस बटलर (विकेटकीपर), जैकब बेथेल, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक (कप्तान), सैम करन, विल जैक्स, लियम डॉसन, जैमी ओवरटन, जोफ्रा आर्चर और आदिल रशीद।

देवदत्त पडिक्कल तो रुकने का नाम नहीं ले रहे, अब जड़ा दोहरा शतक

करियर में पहली बार किया ऐसा

लखनऊ, 16 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में कर्नाटक के कप्तान देवदत्त पडिक्कल के बल्ले से दोहरा शतक निकला है. उन्होंने अपना दोहरा शतक 288 गेंदों पर पूरा किया. पडिक्कल के इस दोहरे शतक की बदौलत कर्नाटक की टीम ने उत्तराखंड के खिलाफ अपनी स्थिति को तो मजबूत कर लिया है. मगर देवदत्त के लिए उसके अलावा भी इस दोहरे शतक की अहमियत है. इसे जमाकर उन्होंने साबित कर दिया है कि वो कितने जबरदस्त फॉर्म हैं. उन्होंने ये संदेश दे दिया है कि उनका बल्ला अभी रुकने वाला नहीं है.

232 रन बनाए... फर्स्ट क्लास करियर में पहली बार किय ऐसा

उत्तराखंड के खिलाफ देवदत्त पडिक्कल 330 गेंदों पर 232 रन बनाकर आउट हुए. उनकी इनिंग में 29 चौके और 3 छक्के शामिल रहे. बाएं हाथ के बल्लेबाज पडिक्कल की ये इनिंग उनके फर्स्ट क्लास करियर की सबसे बड़ी पारी तो है ही, उसके अलावा ये उनके करियर का पहला दोहरा शतक भी है. इससे पहले देवदत्त पडिक्कल का फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे बड़ा स्कोर 193 रन का था.

कप्तान बनते ही छाए, जड़ दिया पहला दोहरा शतक

उत्तराखंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले की पहली पारी में जमाए देवदत्त पडिक्कल के दोहरे शतक की एक और खास बात ये रही कि इसकी स्क्रिप्ट उन्होंने अपनी कप्तानी में लिखी. कर्नाटक ने रणजी ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबलों के लिए देवदत्त पडिक्कल को आउट ऑफ फॉर्म चल रहे मयंक अग्रवाल की जगह कप्तान बनाया है. सेमीफाइनल से पहले वो क्वार्टर फाइनल मैच में भी कप्तान थे.

रुकने का नाम नहीं ले रहा पडिक्कल का बल्ला

देवदत्त पडिक्कल का बल्ला 2025-26 सीजन में लगातार रन उगल रहा है. लगातार उनके बल्ले से बड़ी पारियां देखने को मिल रही है. फिर मुकाबला चाहे रेड बॉल से हो या व्हाइट बॉल से. उन्होंने इस सीजन में 4 शतक विजय हजारे ट्रॉफी में जड़े हैं. एक शतक सैयद मुश्ताक अली T20 ट्रॉफी में लगाया है और अब दूसरी बार ट्रिपल फीगर के आंकड़े को रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में पार किया है.

आईपीएल 2026 से ठीक पहले पडिक्कल के बल्ले का इस तरह से गरजना उनकी फ्रेंचाइजी आरसीबी के लिए भी अच्छी खबर है.

पाकिस्तान की हार पर सहवाग बोले- फुल कंबल कुटाई

दिल्ली पुलिस ने लिखा- गलत जगह यू-टर्न लोगे तो यूं ही मुंह की खाओगे

मुंबई, 16 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने टी-20 वर्ल्डकप में पाकिस्तान को 61 रन से हरा दिया। इसमें ओवर ईशान किशन ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 40 बॉल पर 77 रन की पारी खेली। इस पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत की जीत और ईशान की पारी के बाद सचिन तेंदुलकर से लेकर अमित शाह तक कई दिग्गजों ने टीम को बधाई दी।।

वहीं, पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने मैच के बाद तंज कसते हुए इसे फुल कंबल कुटाई बताया। वहीं दिल्ली पुलिस ने भी मजेदार अंदाज में पोस्ट करते हुए लिखा, गलत जगह यू-टर्न लोगे तो यूं ही मुंह की खाओगे।

भारत ने धूम मचा दी- सचिन

सचिन तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, पावरप्ले ही वो दौर रहा जहां भारत ने मुकाबले को पूरी तरह अपने कब्जे में कर लिया। पहली पारी में ईशान किशन की दमदार बल्लेबाजी ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई, जबकि दूसरी पारी में भारतीय गेंदबाजों की सटीक और अनुशासित गेंदबाजी ने मैच पर शिकंजा कस दिया। शुरुआत से ही टीम ड्राइविंग सीट पर नजर आई और अंत तक दबदबा बनाए रखा। भारत ने आज शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले में पूरी तरह धूम मचा दी।

शानदार जीत के लिए ढेरों बधाई- अमित शाह

टीम इंडिया ने शानदार खेल दिखाया। फॉर्मेट बदलते हैं, मैदान बदलते हैं, तारीखें बदलती हैं, लेकिन भारत-पाकिस्तान मुकाबले का नतीजा अक्सर एक जैसा ही रहता है। एक बार फिर भारतीय टीम ने दबाव के मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत अपने नाम की। पूरी टीम को इस शानदार जीत के लिए ढेरों बधाई।

भारत का हर डिपार्टमेंट में बेहतर प्रदर्शन- सहवाग

वीरेंद्र सहवाग ने लिखा, ईशान किशन ने सच में धुरंधर बल्लेबाज की तरह खेल दिखाया। उनकी पारी ने मैच का रुख ही बदल दिया। भारत के सामने पाकिस्तान की टीम काफी दबाव में नजर आई और टी-20 क्रिकेट के तेज अंदाज के मुकाबले उनका खेल थोड़ा पुराना और धीमा लगा। नतीजा यह रहा कि उन्हें एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। टीम इंडिया ने हर डिपार्टमेंट में बेहतर प्रदर्शन करते हुए पूरी तरह दबदबा बनाए रखा और मुकाबला अपने नाम किया। पूरी तरह कंबल कुटाई।

मजेदार पोस्ट

भारत की जीत के बाद दिल्ली पुलिस ने मजेदार पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा, गलत जगह यू-टर्न लोगे तो यूहीं मुंह की खाओगे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत के तुरंत बाद एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, महाशिवरात्रि पर महाविजय की देश वासियों को हार्दिक बधाई। भारतीय क्रिकेट टीम के सभी सदस्यों का अभिनंदन। जय हिन्द।

बोर्ड एग्जाम पर भारी पड़ा क्रिकेट का जुनून!

14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने छोड़ी परीक्षा, सीधे आईपीएल में होगी एंट्री

समस्तीपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के अंडर 19 स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी लगातार चर्चा का विषय रहते हैं. वो अमूमन अपनी तूफानी बल्लेबाजी के कारण फैंस की नजरों में आते हैं लेकिन अब वो एक नए कारण से सभी के बीच चर्चा में बने हैं. दरअसल, वैभव इस बार 10वीं की परीक्षा देने वाले थे लेकिन अब उन्होंने ये प्लान कैंसिल कर दिया है. वैभव क्रिकेट पर फोकस करना चाहते हैं और इसी कारण उन्होंने परीक्षा में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है. अंडर 19 वर्ल्ड चैंपियन वैभव सूर्यवंशी बिहार के समस्तीपुर जिले से आते हैं. वो इस बार सीबीएसई की 10वीं बोर्ड एक्जाम नहीं देंगे, क्योंकि ट्रेनिंग कैंप और टूर्नामेंट में व्यस्त रहने के कारण उनके पास परीक्षा देने और इसकी तैयारी करने का उतना समय नहीं है.

क्रिकेट पर लगातार फोकस करने के कारण वैभव अपनी पढ़ाई पर उतना ध्यान नहीं दे पाए और वो बोर्ड परीक्षा की तैयारी भी करने में असफल रहे.

वैभव की परीक्षा 17 फरवरी से शुरू हो रही है और ये 11 मार्च तक चलने वाली हैं. 14 साल के सूर्यवंशी ताजपुर के मॉडेस्टी स्कूल में पढ़ते हैं. इस विद्यालय के प्रिंसिपल आदर्श कुमार ने दैनिक जागरण से बात करते हुए बताया सूर्यवंशी क्रिकेट में व्यस्तता के कारण इस बार 10वीं की परीक्षा नहीं देंगे. यह बात प्रिंसिपल को वैभव के पिता संजीव सूर्यवंशी ने बताई.

वैभव सूर्यवंशी ने अंडर 19 वर्ल्ड कप में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से धमाल मचा दिया. उन्होंने 7 मैचों में हिस्सा लिया और 439 रन ठोक दिए. वैभव ने 62.71 के शानदार औसत से बल्लेबाजी की और उनका स्ट्राइक रेट इसी बीच 169.50 का रहा. सूर्यवंशी के बल्ले से फाइनल में 175 रन की तूफानी पारी निकली. इसी के दम पर टीम को बड़ी जीत मिली और उन्होंने अंडर 19 वर्ल्ड कप का खिताब उठाया.

मार्च के अंतिम हफ्ते में आईपीएल 2026 की शुरुआत हो जाएगी. इस टूर्नामेंट में सूर्यवंशी खेलते हुए नजर आएंगे. पिछले साल उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए 7 मैच खेले और 252 रन ठोके. सूर्यवंशी ने इसी बीच 35 गेंदों में 101 रन की रिकॉर्डतोड़ पारी भी खेली थी. अब आईपीएल 2026 में भी रॉयल्स को उनसे वैसे ही प्रदर्शन की उम्मीद होगी.

अफगानिस्तान ने यूएई को 5 विकेट से हराया : जादरान का अर्धशतक, उमरजई ने 4 विकेट लिए

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने टी-20 वर्ल्डकप के 28वें मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 5 विकेट से हराकर पहली जीत दर्ज की। सोमवार को दिन के पहले मैच में अफगानिस्तान ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। यूएई ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 160 रन बनाए। जवाब में अफगान टीम ने 19.2 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। अफगानिस्तान के लिए अजमतुल्लाह उमरजई ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने 4 विकेट लिए और 21 बॉल पर नाबाद 40 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इस जीत के बाद अफगानिस्तान ग्रुप-डी के पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर आ गया है। वहीं, UAE चौथे नंबर पर खिसक गई। दोनों के 3-3 मैच में 2-2 पॉइंट्स है, लेकिन अफगानिस्तान के रन रेट सही होने की वजह से वह एक स्थान ऊपर है।

टारगेट का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान के लिए इब्राहिम जादरान ने सबसे ज्यादा 53 रन बनाए। उनके अलावा अजमतुल्लाह उमरजई ने नाबाद 40, दरविश रसूली ने 33, सेदिकुल्लाह अटल 16 और गुलबदीन नाईब 13 रन बनाए। रहमानुल्लाह गुरबाज खाता भी नहीं खोल सके। UAE के लिए मुहम्मद अरफान और जुनैद सिद्दीकी ने 2-2 विकेट लिए। मुहम्मद जवादुल्लाह को 1 विकेट मिला।

यूएईके लिए सोहैब खान ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 48 बॉल पर 68 रन की पारी खेली। उनके अलावा अलीशान शराफू 31 बॉल पर 40 रन बनाए। अफगानिस्तान के लिए अजमतुल्लाह उमरजई ने 4 और मुजीब उर रहमान ने 2 विकेट लिए। राशिद खान को 1 विकेट मिला। इसी के साथ उनके टी-20 करियर में 700 विकेट पूरे हो गए।

सामान्य कार्यकर्ता का मेयर बनना कांग्रेस में ही संभव : गौड़

उमा रानी की सफलता कांग्रेस की कार्यकर्ता-आधारित राजनीति का उदाहरण

निजामाबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष एवं एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने मीडिया से बातचीत में संयुक्त निजामाबाद के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से निजामाबाद शहर की जनता को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके समर्थन से पार्टी को ऐतिहासिक सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस ने निजामाबाद जिले की अधिकांश नगरपालिकाओं पर विजय प्राप्त की है।

लगभग 20 वर्षों बाद पार्टी ने निजामाबाद मेयर पद पर जीत दर्ज की है। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि फल बेचने के स्तर से आगे बढ़कर मेयर बनीं उमा रानी की सफलता कांग्रेस की कार्यकर्ता-आधारित राजनीति का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि एक सामान्य कार्यकर्ता का मेयर बनना कांग्रेस पार्टी में ही संभव है। उन्होंने दावा किया कि दो वर्षों के शासनकाल में विकास और कल्याण के क्षेत्र में मिले हर अवसर का सदुपयोग किया गया। इंजीनियरिंग कॉलेज, कृषि कॉलेज की स्थापना तथा 680 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों के निर्माण जैसे कार्य कराए गए। उन्होंने कहा कि जनता ने जाति और धर्म के नाम पर भड़काने की राजनीति को नकारते हुए विकास को प्राथमिकता दी है। हालांकि भावनात्मक मुद्दे उछाले जाने के कारण पार्टी को लगभग सात सीटें मामूली अंतर से गंवानी पड़ीं। नगर निगम चुनाव में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) के खिलाफ मुकाबला करते हुए कांग्रेस ने पांच सीटों पर जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि जिले के विकास के लिए एमआईएम के साथ सहयोग आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से जीते एकमात्र उम्मीदवार ने भी कांग्रेस पार्टी को समर्थन दिया है।

महिलाओं के विकास के लिए पारिवारिक सहयोग जरूरी : पुंजाला

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष अलेख्या पुंजाला ने कहा कि समाज में महिलाओं की प्रगति परिवार के सदस्यों के सहयोग पर निर्भर करती है। उत्तर अमेरिका के मुन्नूरू कापू एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका की बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाना सामाजिक परिवर्तन और विकास की कुंजी है। उन्होंने कहा कि परिवार का समर्थन महिलाओं की उन्नति के लिए अत्यंत आवश्यक है, हालांकि महिलाओं को पारिवारिक दायित्वों और पेशेवर आकांक्षाओं के बीच संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है। एमएएनए के अध्यक्ष राम मुदिचिंतला ने बताया कि उनका संगठन एक गैर-लाभकारी संस्था है, जिसका उद्देश्य मुन्नूरू कापू समुदाय को सशक्त बनाना और शिक्षा को बढ़ावा देना है। संगठन वैवाहिक सेवाएं, आव्रजन संबंधी मार्गदर्शन तथा अमेरिका में छात्रों की समस्याओं के समाधान में भी सहायता करता है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में संगठन ने 30 से अधिक बैठकें आयोजित कर समुदाय को एक मंच पर संगठित किया है।

सांसद ने गद्वाल नगर पालिका की बैठक में मताधिकार का प्रयोग किया

नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नागरकर्नूल लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. मल्लू रवि ने आज गद्वाल नगर पालिका की बैठक में अपने एक्स-ऑफिसियो मताधिकार का प्रयोग किया। इस अवसर पर उन्होंने कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में नव-निर्वाचित चेयरपर्सन विजयलक्ष्मी एवं उपाध्यक्ष शंकर को हार्दिक बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। बैठक में स्थानीय विधायक बंडला कृष्ण मोहन रेड्डी भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए नगर के समग्र विकास के लिए मिलकर कार्य करने पर जोर दिया। सांसद एवं विधायक ने नगर विकास, आधारभूत संरचना के विस्तार, स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ीकरण, पेयजल समस्याओं के समाधान तथा सड़कों के विकास जैसे प्रमुख मुद्दों पर नई समिति को समन्वय के साथ कार्य करने की सलाह दी। नेताओं ने अपेक्षा जताई कि जन आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए पारदर्शी प्रशासन, समग्र विकास तथा कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने गद्वाल शहर को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

बीआरएस शासन में तेलंगाना बना आईटी पावरहाउस : केटी रामाराव

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केटी रामाराव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के दस साल के कार्यकाल में तेलंगाना देश का प्रमुख आईटी केंद्र बनकर उभरा। उन्होंने बताया कि इस दौरान आईटी निर्यात में 299 प्रतिशत की वृद्धि हुई और रोजगार के अवसरों में भी बड़ा इजाफा हुआ। केंद्र सरकार द्वारा जारी 2023-24 के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि देश में पैदा होने वाली हर तीन आईटी नौकरियों में से एक तेलंगाना में है। नए आईटी रोजगार में राज्य की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत बताई गई है।

केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2013-14 में आईटी निर्यात 57,258 करोड़ रुपये था, जो 2023-24 में बढ़कर 2,72,076 करोड़ रुपये हो गया। रामाराव ने इस वृद्धि का श्रेय बीआरएस सरकार के दौरान लिए गए फैसलों, नई नीतियों और विशेष कार्यक्रमों को दिया। पूर्व सूचना एवं उद्योग मंत्री ने बताया कि राज्य में कुल आईटी रोजगार 2023-24 में 10 लाख तक पहुंच गया, जो एक दशक में 209 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हर एक आईटी नौकरी से चार अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होती हैं, जिससे अन्य क्षेत्रों में करीब 40 लाख अतिरिक्त रोजगार सृजित हो सकते हैं। रामाराव ने कहा कि यह उपलब्धि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की दूरदृष्टि का परिणाम है और दस वर्षों में तेलंगाना ने देश में आईटी निर्यात में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की है।

बीआरएस ने सांसद कडियम काव्या के खिलाफ एसईसी में की शिकायत

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। थोर्रूर नगरपालिका में चेयरपर्सन और उपाध्यक्ष चुनाव को लेकर बढ़ते विवाद के बीच बीआरएस ने राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। बीआरएस नेताओं ने आरोप लगाया कि वारंगल की सांसद कडियम काव्या ने नियमों का उल्लंघन करते हुए दो स्थानीय निकायों में एक्स-ऑफिसियो सदस्य के रूप में पंजीकरण कराया। काव्या ने पहले सांसद के रूप में शपथ लेने के साथ ही वारंगल नगर निगम में एक्स-ऑफिसियो सदस्य के रूप में पंजीकरण कराया था और बाद में थोर्रूर नगरपालिका में भी इसी हैसियत से नाम दर्ज कराया।

बीआरएस ने इसे चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन बताते हुए एसईसी से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत दर्ज कराने के बाद पार्टी की विधि प्रकोष्ठ सदस्य ललिता रेड्डी ने कहा कि इस प्रकार के पंजीकरण के लिए कानूनन 30 दिनों की अधिसूचना अवधि आवश्यक है, जबकि इस मामले में प्रक्रिया दो दिनों के भीतर पूरी कर दी गई, जिससे सांसद को मतदान करने का अवसर मिल गया। उन्होंने इसे कानूनी रूप से अस्थिर बताया। हाल ही में हुए थोर्रूर नगरपालिका चुनाव में 16 वार्डों में से बीआरएस ने 9 और कांग्रेस ने 7 वार्डों में जीत दर्ज की थी। बाद में स्थानीय विधायक और सांसद के एक्स-ऑफिसियो मतों को जोड़ने पर स्थिति बराबरी पर आ गई। बीआरएस का आरोप है कि राजनीतिक दबाव के कारण सांसद का पंजीकरण जल्दबाजी में किया गया, जबकि प्रारंभ में अधिकारियों ने आपत्ति जताई थी।

चौटुप्पल नगर पालिका में अध्यक्ष पद को लेकर कांग्रेस में विवाद

नालगोंडा, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चौटुप्पल नगर पालिका में अध्यक्ष पद को लेकर कांग्रेस पार्षदों के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए। सोमवार को नगर पालिका कार्यालय में उस समय तनाव की स्थिति बन गई, जब पार्षदों के एक समूह ने मुनुगोडे विधायक कोमटीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन कर रहे पार्षदों ने मांग की कि अध्यक्ष पद 13वें वार्ड से विजयी बी वानी विप्लव को दिया जाए। उनका आरोप है कि विधायक और उनके समर्थकों ने वानी विप्लव को अध्यक्ष बनाने का आश्वासन दिया था, लेकिन बाद में निर्णय बदल दिया। वानी विप्लव के समर्थकों ने नगर पालिका कार्यालय के सामने प्रदर्शन करते हुए कहा कि गैर-स्थानीय पार्षद पावनी रमेश को अध्यक्ष पद देना उचित नहीं है। उनका कहना है कि वानी विप्लव स्थानीय निवासी हैं और उन्हें ही अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए। इस मुद्दे पर दोनों गुटों के समर्थकों के बीच तीखी बहस हुई। नगर पालिका के नए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव के लिए विशेष बैठक दोपहर 12.30 बजे आयोजित की जाएगी।

तेलंगाना में बढ़ने लगा तापमान, गर्मी के संकेत

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तीन महीने से अधिक समय तक चले शीतकाल के बाद अब तेलंगाना में तापमान बढ़ने लगा है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है, जिससे गर्मी की शुरूआत के संकेत मिल रहे हैं। हैदराबाद स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के सभी हिस्सों में साफ आसमान और शुष्क मौसम रहने का अनुमान जताया है। विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में बारिश की कोई संभावना नहीं है। दिन का अधिकतम तापमान 33 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच और न्यूनतम तापमान 18 से 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

मौसम विभाग ने बताया कि सुबह के समय हल्की धुंध या कोहरा रह सकता है, लेकिन दोपहर में तेज धूप और शुष्क मौसम रहेगा। आईएमडी के अनुसार दक्कन क्षेत्र में न्यूनतम तापमान फिलहाल 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है, जिससे सुबह हल्की ठंड का अहसास हो रहा है। वहीं स्वतंत्र मौसम पूर्वानुमानकर्ताओं ने भी अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने का अनुमान जताया है। साथ ही 25 से 28 फरवरी के बीच उत्तरी, पूर्वी और मध्य तेलंगाना के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और गरज के साथ बारिश की संभावना व्यक्त की गई है।

दक्षिण मध्य रेलवे होली पर चलाएगा विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। होली त्योहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने विभिन्न गंतव्यों के बीच विशेष ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। यह जानकारी दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. श्रीधर ने बताया कि चेर्लापल्ली-रक्सौल विशेष ट्रेन छह फेरा सेवाएं देगी। ट्रेन संख्या 07005 चेर्लापल्ली-रक्सौल विशेष 23 एवं 28 फरवरी तथा 1 मार्च को रात 10 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 4:50 बजे रक्सौल पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 07006 रक्सौल-चेर्लापल्ली विशेष 26 फरवरी, 3 एवं 4 मार्च को 3:15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 7:40 बजे चेर्लापल्ली पहुंचेगी। इन ट्रेनों का ठहराव जंगांव, काजीपेट, पेद्दापल्ली, मंचेरियल, सिरपुर कागजनगर, बल्लारशाह, चांदा फोर्ट, वडसा, गोंदिया, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, झारसुगुड़ा, राउरकेला, रांची, मुरी, बोकारो स्टील सिटी, धनबाद, चित्तरंजन, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, बरौनी, समस्तीपुर, दरभंगा, कमतौल, जनकपुर, सीतामढ़ी और बैरगनिया स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में होगा। ट्रेन में एसी प्रथम श्रेणी (केवल 07005 में), एसी द्वितीय, एसी तृतीय, स्लीपर एवं सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच उपलब्ध रहेंगे। इसी क्रम में चेर्लापल्ली-भुवनेश्वर नई विशेष ट्रेन 10 सेवाएं देगी। ट्रेन संख्या 07165 चेर्लापल्ली-भुवनेश्वर नई विशेष प्रत्येक सोमवार 2 मार्च से 30 मार्च तक शाम 6:10 बजे प्रस्थान कर अगले दिन शाम 5 :20 बजे पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 07166 भुवनेश्वर नई-चेर्लापल्ली विशेष प्रत्येक मंगलवार 3 मार्च से 31 मार्च तक शाम 6:30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन शाम 6:15 बजे पहुंचेगी। मार्ग में ये ट्रेनें नलगोंडा, मिर्यालगुड़ा, सत्तेनपल्ली, गुंटूर जंक्शन, विजयवाड़ा जंक्शन, गुडिवाडा जंक्शन, कैकालूर, आकिवीडु, भीमावरम टाउन, तनुकु, राजामंड्री, समालकोट जंक्शन, अनकापल्ले, दुव्वाडा, पेंडुर्ति, कोत्तावलसा, विजयनगरम जंक्शन, श्रीकाकुलम रोड, पलासा, ब्रह्मपुर और खुर्दा रोड जंक्शन स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेंगी। इन ट्रेनों में एसी द्वितीय, एसी तृतीय, स्लीपर एवं सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे रहेंगे। रेलवे के अनुसार, 07165/07166 विशेष ट्रेन हैदराबाद के स्थान पर चेर्लापल्ली से संशोधित सेवा दिवस और संरचना के साथ संचालित की जाएगी।

जीएचएमसी आयुक्त ने दिए जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 'प्रजावाणी' कार्यक्रम में प्राप्त सभी शिकायतों और आवेदनों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित 'प्रजावाणी' कार्यक्रम में आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अतिरिक्त आयुक्तों और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नागरिकों से सीधे शिकायतें और आवेदन प्राप्त किए। मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 28 शिकायतें एवं आवेदन प्राप्त हुए। आयुक्त ने प्राप्त शिकायतों की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश जारी किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 'प्रजावाणी' में आने वाली शिकायतों के निस्तारण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। विभागवार प्राप्त आवेदनों की गहन जांच कर यथाशीघ्र समाधान करने के निर्देश भी उन्होंने अधिकारियों को दिए। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त सत्यनारायण, मंगतायारु, विजिलेंस एएसपी नरसिंहा रेड्डी, मुख्य अभियंता (मेंटेनेंस) सहदेव रत्नाकर, अतिरिक्त सीसीपी श्रीनिवास तथा संयुक्त आयुक्त जयंत और रजनीकांत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कुकटपल्ली में दीपक से घर में लगी आग, बड़ा हादसा टला

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार देर रात कुकटपल्ली इलाके के केपीएचबी कॉलोनी में एक घर में आग लग गई। बताया जा रहा है कि महाशिवरात्रि के मौके पर जलाए गए तेल के दीपक से यह आग भड़की। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। यह घटना केपीएचबी कॉलोनी स्थित एक एलआईजी मकान में हुई। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, घर के लोगों ने त्योहार के कारण विशेष पूजा की थी और घर के अंदर तेल का दीपक जलाया था। इसके बाद वे पास के मंदिर चले गए और घर में ताला लगा दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आग दीपक से शुरू हुई और देखते ही देखते घर के सामान और फर्नीचर में फैल गई। कुछ ही मिनटों में पूरा घर धुएं से भर गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने आग पर काबू पाया और उसे आसपास के घरों तक फैलने से रोक दिया। संपत्ति के नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

हैदराबाद विश्वविद्यालय में 60 लैपटॉप चोरी का मामला सुलझा, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय में इस महीने की शुरूआत में हुई 60 लैपटॉप चोरी की बड़ी घटना को पुलिस ने कुछ ही दिनों में सुलझा लिया। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर सोमवार को चोरी की पूरी संपत्ति बरामद कर ली। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी टीएनजीओ कॉलोनी में छिपे हुए हैं। इसके बाद विशेष अपराध दल ने आर चंद्रशेखर, साई चरण और अश्विन राव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, तीनों ने 8 फरवरी को विश्वविद्यालय परिसर से 60 लैपटॉप चोरी किए थे। विश्वविद्यालय प्रबंधन की शिकायत पर गच्चीबावली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो कारें, सभी 60 चोरी हुए लैपटॉप और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। मामले में आगे की जांच जारी है।

1 ईएमई सेंटर में खेल कैडेट भर्ती के लिए 6 से 12 अप्रैल तक खुली रैली

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 1 ईएमई सेंटर द्वारा 6 से 12 अप्रैल 2026 तक वॉलीबॉल, कयाकिंग और कैनोइंग खेलों के लिए बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी (बीएससी) में खेल कैडेट भर्ती हेतु खुली रैली आयोजित की जाएगी। भर्ती रैली सिकंदराबाद स्थित 1 ईएमई सेंटर परिसर में आयोजित होगी। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की आयु 8 से 14 वर्ष के बीच होनी चाहिए। अभ्यर्थी का जन्म 6 अप्रैल 2012 के बाद और 6 अप्रैल 2018 से पहले हुआ होना चाहिए। शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम कक्षा 3 उत्तीर्ण होनी चाहिए तथा अंग्रेजी और हिंदी का सामान्य ज्ञान आवश्यक है। अभ्यर्थियों की शारीरिक और चिकित्सकीय जांच सेना खेल संस्थान के चिकित्सा अधिकारी और सेना खेल चिकित्सा केंद्र के विशेषज्ञ द्वारा की जाएगी। राज्य, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी। शरीर पर किसी भी प्रकार का स्थायी टैटू होने पर आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। चयनित उम्मीदवारों को खेल कैडेट के रूप में निःशुल्क भोजन और आवास, कक्षा 10 तक की शिक्षा, बीमा, चिकित्सा सुविधा और वैज्ञानिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। बाद में पात्र कैडेटों को सेना भर्ती नियमों के तहत भारतीय सेना में भर्ती का अवसर मिलेगा।

करीमनगर में पहली बार मेयर पद पर भाजपा की जीत ऐतिहासिक : राव

नगर निगम चुनावों में भाजपा का प्रभावशाली प्रदर्शन

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने राज्य कार्यालय में आयोजित मीडिया सम्मेलन में नगर निकाय चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नगर निगम और नगरपालिका चुनावों में भाजपा को वोट देने वाले सभी मतदाताओं का पार्टी आभार व्यक्त करती है। उन्होंने बताया कि करीमनगर नगर निगम सहित नारायणपेट और भैंसा नगरपालिकाओं में भाजपा ने चेयरमैन पद हासिल किया है। करीमनगर में पहली बार मेयर पद पर भाजपा की जीत ऐतिहासिक है। रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि भैंसा में पूर्व कांग्रेस शासनकाल से भाजपा कार्यकर्ताओं और हिंदू धार्मिक संगठनों के सदस्यों पर कई मामले दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि एक अधिवक्ता के रूप में उन्होंने कई कार्यकर्ताओं को जमानत दिलाई। उनका आरोप था कि भैंसा में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम), कांग्रेस और अन्य दलों ने मिलकर भाजपा को आगे बढ़ने से रोका। उन्होंने दावा किया कि सीटें अपेक्षाकृत कम मिलने के बावजूद भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ा है और 15 से अधिक नगरपालिकाओं में पार्टी सिंगल लार्जेस्ट पार्टी बनकर उभरी है। खम्मम, वरंगल, कोत्तागुडेम और पारकाला जैसे स्थानों पर भाजपा ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का वोट प्रतिशत पिछले चुनावों की तुलना में 14 प्रतिशत घटा है और वह अब केवल 13 नगरपालिकाओं तक सीमित रह गई है। निजामाबाद में 28 सीटें जीतकर भाजपा सिंगल लार्जेस्ट पार्टी बनी है। निर्मल में एक वार्ड में अल्पसंख्यक मतों में असामान्य वृद्धि पर उन्होंने संदेह जताते हुए कहा कि 20 प्रतिशत से 57 प्रतिशत तक वोट बढ़ने की शिकायत चुनाव अधिकारियों से की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि एमआईएम, कांग्रेस, बीआरएस और वाम दलों ने मिलकर भाजपा को मेयर और चेयरमैन पदों से वंचित करने का प्रयास किया। रामचंदर राव ने कहा कि अप्रैल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया शुरू होगी, जिसके तहत हैदराबाद में फर्जी और बाहरी मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे। उन्होंने बीएलओ और अधिकारियों से सतर्क रहने तथा नागरिकों से भी जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने विश्वास जताया कि बढ़ते जनसमर्थन के बल पर आगामी चुनावों में भाजपा निश्चित रूप से सत्ता में आएगी।

करीमनगर मेयर चुनाव से बीआरएस ने बनाई दूरी

करीमनगर, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर नगर निगम के महापौर चुनाव में बीआरएस ने मतदान से दूर रहने का फैसला किया है। मतदान से कुछ घंटे पहले पार्टी ने यह निर्णय लिया। हाल ही में हुए नगरपालिका चुनावों में बीआरएस ने नौ पार्षद पद जीते थे। शुरूआत में पार्टी ने स्वतंत्र उम्मीदवार एस कोमुराइया के नाम का समर्थन करने का फैसला किया था।

बताया जा रहा है कि महापौर पद के उम्मीदवार के नाम में बदलाव के कारण बीआरएस ने अपना रुख बदला। रविवार रात कांग्रेस पार्षद मल्लिकार्जुन राजेंद्र का नाम सामने आया।

खबरों के अनुसार, कांग्रेस ने अपने महापौर उम्मीदवार को बदल दिया है। सत्ताधारी दल के इस फैसले से नाराज होकर बीआरएस ने मतदान से दूरी बनाने का निर्णय लिया।

स्पीकर की बेटी अनन्या बनी नगरपालिका चेयरमैन

विकाराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्त)। कांग्रेस पार्टी की वार्ड-17 की पार्षद गड्डम अनन्या को विकाराबाद नगरपालिका की चेयरमैन के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया। वह गड्डम प्रसाद कुमार, अध्यक्ष, तेलंगाना विधानसभा की पुत्री हैं। उन्होंने सोमवार को पदभार ग्रहण किया। अधिकारियों के अनुसार, चेयरमैन पद के लिए गड्डम अनन्या एकमात्र प्रत्याशी थीं। निर्वाचन अधिकारी सुधीर ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद पार्षदों ने वार्ड-10 के पार्षद अर्धा सुधाकर रेड्डी को उपाध्यक्ष निर्वाचित किया। बैठक में विकाराबाद के विधायक एवं विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने गड्डम अनन्या, सुधाकर रेड्डी तथा अन्य पार्षदों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

द्वितीया पुण्यतिथि

: स्वर्गवास 17-02-2024

स्व. श्री कालुरामजी चोयल

पुत्र: स्व. श्री जेतारामजी चोयल (मरुधर मे केकाई, जाणुन्दा)

मृदुल था स्वभाव आपका, श्रद्धा भाव आपके।
सदा याद आते रहेंगे, बीते हर पल संग आपके ।।

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :

दाकुबाई (धर्मपत्नी), स्व. जसारामजी ढगलीबाई (भाई-भाभी), वजाराम, चुन्नीलाल, धनाराम, हेमाराम, नेनाराम, स्व. पुनारामजी, वोराराम खीमाराम (भाई) देवाराम, सोहनलाल, मदनलाल, अशोक (पुत्र) एवं चोयल परिवार

फर्म :- रुपा ट्रेडर्स बी.एन. रेड्डी नगर, वनस्थलीपुरम
99660099738

AAIMAA ADS

भारतीय रिज़र्व बैंक
संपदा विभाग, हैदराबाद

ई-निविदा: भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद के अमीरपेट में बैंक के अधिकारी आवासों में 10 नं. MRL यात्री लिफ्टों का डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग।

1. भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद के अमीरपेट में बैंक के अधिकारी आवासों में 10 नं. MRL यात्री लिफ्टों का डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग के लिए ई-निविदा आमंत्रित करता है। कार्य की अनुमानित लागत ₹170 लाख (रुपये एक सौ सत्तर लाख केवल) है। पूर्व-पात्रता मानदंडों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया निविदा सूचना के साथ निविदा दस्तावेजों को देखें, जो 17 फरवरी 2026 को 18:00 बजे से एमएसटीसी लिमिटेड के ई-निविदा पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) और हमारी वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर "निविदाओं" के तहत उपलब्ध हैं।

2. ई-निविदाएं केवल एमएसटीसी पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) के माध्यम से 24 मार्च 2026 को 13:00 बजे तक जमा की जा सकती हैं। इच्छुक पात्र निविदाकर्ता को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के साथ स्वयं को पंजीकृत करना होगा।

3. बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

हैदराबाद
17 फ़रवरी 2026

हस्ता/-
क्षेत्रीय निदेशक

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.